Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 21 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-291

आधिकारिक पर्दाफाश : कांग्रेस की दिमागी उपज थी भगवा आतंकवाद

कांग्रेस नेतृत्व ने भगवा आतंकवाद बोलने का दबाव दिया था: सुशील शिंदे

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आधिकारिक तौर पर यह पर्दाफाश हो गया कि भगवा आतंकवाद शब्दावली कांग्रेस नेतृत्व के शैतानी दिमाग उपज थी। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में गृहमंत्री रहे सुशील कुमार शिंदे ने भगवा आतंकवाद पर बयान देकर कांग्रेस के खतरनाक षडयंत्र का सनसनीखेज खुलासा किया है। शिंदे ने कहा कि भगवा आतंकवाद शब्द कहने के लिए कांग्रेस पार्टी नेतृत्व ने दबाव दिया था। शिंदे ने कहा कि वे इस शब्द का इस्तेमाल करना नहीं चाहते थे, लेकिन मजबूरी में ऐसा करना पड़ा। सबसे पहले कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम और फिर सुशील शिंदे ने भगवा आतंकवाद शब्द का प्रयोग किया था।

पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे सुशील कुमार शिंदे ने कहा कि उस वक्त रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। ये उनकी पार्टी कांग्रेस ने बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा है। शिंदे ने कहा, उस वक्त पूछा था तो उस बारे में बोल दिया था भगवा आतंकवाद। बस इतना ही है। आतंकवाद शब्द लगाया, लेकिन सही बोलें तो कांग्रेस नेतृत्व ने क्यों आतंकवाद शब्द बोलवाया, मुझे पता नहीं है। जबकि ऐसा शब्द लगाना नहीं चाहिए। यह गलत था। भगवा टेररिस्ट तो बोलना ही नहीं चाहिए था। ऐसा कोई आतंकवाद तो है ही नहीं।

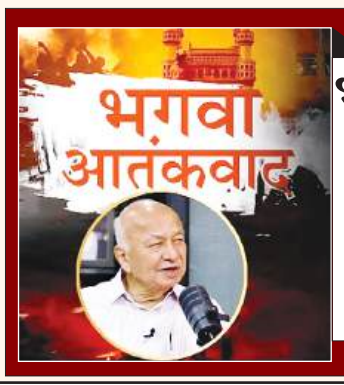

भगवा आतंकियों की लिस्ट जारी करने वाले अफसर मोदी सरकार में मंत्री हैं

उल्लेखनीय है कि भारत के गृहमंत्री रहते हुए सुशील कुमार शिंदे ने जनवरी 2013 में कहा था कि भाजपा और आरएसएस के कैंपों में हिंदू आंतकवादियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। इस बयान को लेकर उनकी खूब आलोचना हुई थी। तब गृहमंत्री शिंदे ने कहा था, ये सब इतनी बार अखबार में आ गया है। ये कोई नई चीज नहीं है जो मैंने आज कही है। 20 जनवरी 2013 को जयपुर में आयोजित कांग्रेस के चिंतन शिविर के दौरान शिंदे ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर यह आरोप लगाया था। शिंदे के इस बयान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने उन्हें मुबारकवाद दी थी। इससे पहले गृहमंत्री रहते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने साल 2010 में ▶10पर

सरकारी कब्जे से मंदिरों की मुक्ति के लिए व्यापक आंदोलन की घोषणा

अब मंदिरों की मुक्ति के लिए होगी 'सम्पूर्ण क्रांति'

- *मस्जिद और चर्च जब सरकारी कब्जे में नहीं तो हिंदू मंदिर क्यों?*
- *हिंदू मंदिरों पर सरकारी कब्जे का सबसे बड़ा भुक्तभोगी तमिलनाडु*
- *हिंदू मंदिरों पर सरकारी कब्जे को अवैध बता चुकी है सुप्रीम कोर्ट*
- *5 जनवरी को आंध्र प्रदेश से शुरू होगा आंदोलन, पूरे देश में फैलेगा*

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लाखों हिंदू मंदिरों को सरकारी कब्जे से मुक्त कराने के लिए निर्णायक आंदोलन छेड़ने की घोषणा की गई है। विश्व हिंदू परिषद ने मंदिरों की मुक्ति के लिए सम्पूर्ण-क्रांति की तैयारी की है। विहिप ने घोषणा की है कि मंदिर मुक्ति आंदोलन आंध्र प्रदेश से शुरू होगा और क्रमशः पूरे देश में विस्तारित होगा। 5 जनवरी 2025 को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा से आंदोलन शुरू होगा। उसके बाद आंदोलन को तमिलनाडु पर केंद्रित किया जाएगा, क्योंकि हिंदू मंदिरों पर सरकारी कब्जे का सबसे बड़ा भुक्तभोगी तमिलनाडु राज्य है। विडंबना यह है कि मंदिरों पर सरकारी कब्जे को सुप्रीम कोर्ट तक अवैध और अनुचित बता चुकी है। भारत में देव स्थानों के साथ लगातार भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। कहने को संविधान के अनुसार भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए पंथनिरपेक्ष और प्रत्येक धर्म, रिलीजन, मजहब, पंथ के समाज के लिए समानता का अधिकार एवं व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही गई है, किंतु व्यवहार में ऐसा बिल्कुल हो नहीं रहा। इसके विरोध में अब खुलकर विश्व हिंदू परिषद सड़कों पर उतरने जा रहा है। ▶10पर

प्रधानमंत्री मोदी ने देश और काशी को दी 6700 करोड़ की परियोजनाएं

खराब सड़कों वाला यूपी आज एक्सप्रेस-वे प्रदेश बन गया : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सपा व कांग्रेस पर जमकर साधा निशाना

गैर सियासी परिवारों के एक लाख युवाओं को राजनीति में लाऊंगा

वाराणसी, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से 6700 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी के लिए आज का दिन अत्यंत शुभ है और यह विकास की एक नई गाथा का साक्षी बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि 6700 करोड़ रुपए के विभिन्न प्रोजेक्ट्स में एयरपोर्ट, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और पर्यटन से जुड़े कई विकास कार्य शामिल हैं।प्रधानमंत्री ने यूपी के विकास की चर्चा करते हुए इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी पूरी टीम को बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि कभी उत्तर प्रदेश को खराब सड़कों के लिए ताने सुनने पड़ते थे, लेकिन आज यह राज्य एक्सप्रेस-वे प्रदेश के रूप में जाना जाता है। यूपी में सबसे अधिक इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं, ▶10पर

प्रदेश को मिली 3,200 करोड़ की 16 परियोजनाएं

वाराणसी, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वाराणसी से राष्ट्र को 6,700 करोड़ की 23 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने वाराणसी की 3,200 करोड़ से अधिक की 16 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं शहर में आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने, ▶10पर

सीआरपीएफ स्कूल के नजदीक धमाका, कोई हताहत नहीं

एनएसजी, एनआईए और एफएसएल जांच में जुटी

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश की राजधानी दिल्ली के रोहिणी स्थित प्रशांत विहार इलाके में रविवार सुबह सीआरपीएफ स्कूल के नजदीक हुए जोरदार धमाके से सनसनी फैल गई। धमाके में किसी के जख्मी होने की खबर नहीं है। धमाके से स्कूल की दीवार में दरार पड़ गई। धमाके के बाद धुएं का गुबार भी दिखाई दिया। मौके पर एनआईए, एनएसजी और एफएसएल की टीम पहुंची। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से नमूने एकत्र किए हैं और धमाके की वजह की पड़ताल की जा रही है। घटनास्थल से सफेद पाउडर मिला है। इस सफेद पाउडर की फॉरेंसिक जांच हो रही है। यह जांच हो रही है कि धमाका किस प्रकार का था और इसका स्रोत क्या है। विस्फोटक अधीनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में गृह मंत्रालय ने विस्फोटक की रिपोर्ट मांगी है। केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए की टीम के साथ एनएसजी की कमांडो टीम भी तफ्तीश करने और सबूतों से जुड़े इनपुट इकट्ठा ▶10पर

विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां जारी

उड़ान भर रही कई फ्लाइट्स वापस उतारी गईं

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देशभर की तमाम एयरलाइन कंपनियों के विमानों में बम की धमकी मिलने का सिलसिला कई दिनों से जारी है। रविवार को भी कई विमानों में बम होने की धमकी दी गई। इसे लेकर एयरलाइंस ने आपातकालीन लैंडिंग प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिया। धमकी मिलने के बाद कई विमानों की आपात लैंडिंग कराई गई। अकासा और विस्तारा एयरलाइंस के प्रवक्ताओं ने बताया कि फ्लाइट में बम की धमकी मिलने के बाद आपातकालीन लैंडिंग कराई गई।

रविवार को इंडिगो, विस्तारा, एयर इंडिया और अकासा समेत 20 से अधिक भारतीय विमानों में बम की धमकी मिली। इंडिगो, विस्तारा और एयर इंडिया की छह-छह उड़ानों में बम होने की धमकी दी गई। इंडिगो के प्रवक्ता ने बताया कि इंडिगो की 6ई 58 जेद्दा से मुंबई, 6ई 87 कोझिकोड से दम्मम, 6ई 11 दिल्ली से इस्तांबुल, 6ई 17 मुंबई से इस्तांबुल, 6ई 133 पुणे से जोधपुर और 6ई 112

डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के प्रमुख वीडी दत्त हटाए गए

एक धमकी पर 3 करोड़ का नुकसान अब तक 200 करोड़ से अधिक डूबा

गोवा से अहमदाबाद फ्लाइट में बम होने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और सभी आवश्यक सावधानियां बरत रहे हैं।

विस्तारा एयरलाइंस के प्रवक्ता ने बताया कि छह उड़ानों यूके25 दिल्ली से फ्रैंकफर्ट, यूके106 सिंगापुर से मुंबई, यूके146 बाली से दिल्ली, यूके116 सिंगापुर से दिल्ली, यूके110 सिंगापुर से पुणे और यूके107 मुंबई से सिंगापुर फ्लाइट में बम होने की धमकी मिली। प्रोटोकॉल के अनुरूप सभी संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया और सुरक्षा प्रक्रियाएं अपनाई गईं। इसके अलावा अकासा एयर के प्रवक्ता ने कहा कि उसकी कुछ उड़ानों को रविवार को सुरक्षा अलर्ट मिले। इसके बाद आपातकालीन प्रतिक्रिया दल ने स्थिति की निगरानी की। साथ ही सुरक्षा अधिकारियों से संपर्क किया। वहीं एयर इंडिया की कम से कम छह उड़ानों में बम होने की धमकी मिली। ▶10पर

तेलंगाना सरकार बताए मुथ्यलम्मा मंदिर अपवित्र करने वाले को बिरयानी क्यों?

विरोध करने वाले हिंदुओं की प्रताड़ना क्यों?

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत में हिंदुओं को अपनी आस्था बचाए रखना हर दिन चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। कट्टरपंथी जब चाहे हिंदू आस्था को चोट पहुंचा देते हैं। चाहे शोभायात्रा हो या फिर मंदिर। गैर मुसलमानों के प्रति घृणा और सौहार्द को बिगाड़ने की साजिश समाज कंटक करते हैं। वे भारत की मूल सांस्कृतिक पहचान पर हमला कर रहे हैं।

तेलंगाना के सिकंदराबाद स्थित मुथ्यलम्मा मंदिर पर हमले का विरोध करने वाले हिंदुओं को पुलिस ने बुरी तरह पीटा। जब वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, तब उनपर

लाठियां क्यों बरसाई गईं? यह प्रदर्शन हिंदू मंदिरों पर हो रहे हमलों के खिलाफ था, क्या लोकतंत्र में अपनी बात प्रशासन के सामने शांतिपूर्ण तरीके से रखना कोई गुनाह है? विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मंदिरों पर हो रहे हमलों के विरोध में तेलंगाना बंद का आह्वान किया था, क्या विहिप को यह करने का अधिकार नहीं है? सवाल है यदि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार सभी को है, तब फिर प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की तरफ से हमला क्यों किया गया? आखिर वे दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग ही तो कर रहे थे। वे मंदिरों के प्रति बढ़ती कटुता के खिलाफ रैली ही तो कर रहे थे। हैदराबाद में नवरात्रि के अवसर पर मुथ्यलम्मा मंदिर में आधी रात को हमला कर देवी की प्रतिमा को खंडित कर दिया गया और मंदिर में भी तोड़फोड़ की गई। ▶10पर

भारत सरकार बताए मुस्लिम कर्मचारियों को दफ्तर में नमाज पढ़ने की रियायत क्यों?

हिंदू कर्मचारियों को तिलक लगाने तक की मनाही क्यों?

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कार्यरत एयर इंडिया की महिला कर्मचारी चंचल त्यागी ने अपने उत्पीड़न की शिकायत की है। चंचल का आरोप है कि एयर इंडिया की मुस्लिम अधिकारी महजबीन उन्हें माथे पर तिलक लगाने से लगातार रोक रही है। इस मुद्दे ने अधिक तूल पकड़ा तो चंचल ने उत्पीड़न के

चंचल त्यागी

खिलाफ दिल्ली पुलिस कमिश्नर को तहरीर दी। लेकिन दिल्ली पुलिस के कमिश्नर की खाल पर इसका कोई असर नहीं पड़ा।

इसके बाद चंचल त्यागी ने विवशता में वीडियो के जरिए अपनी प्रार्थना जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से न्याय की मांग की है।सहारनपुर के जड़ौदा पांडा गांव की निवासी चंचल त्यागी एयर इंडिया में कार्यरत हैं। वो वर्तमान में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल नंबर 3 पर सहायक के पद पर काम कर रही हैं। चंचल का कहना है कि उन्होंने बचपन से ही सनातन परंपराओं का पालन किया है, जिसमें रोज पूजा के बाद तिलक लगाना शामिल है। मुस्लिम अधिकारी महजबीन ने उनके तिलक लगाने पर आपत्ति जताई और तिलक हटाने का दबाव डालने लगीं। चंचल ने कहा कि वह नवरात्रि के समय से महजबीन के निशाने पर हैं। महजबीन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि एयर इंडिया में काम करने वालों को तिलक लगाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। ▶10पर

ट्रूदो के कनाडा में भारत के खिलाफ खालिस्तानियों को खुली छूट, भारतीय कांसुलेट के सामने किया उग्र प्रदर्शन, तिरंगे का किया गया अपमान

ओट्टावा, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत की लगातार मांग के बावजूद कनाडा की जस्टिन ट्रूडो की सरकार खालिस्तान अलगाववादियों पर लगाम नहीं लगा रही है। बल्कि ऐसा लगता है कि कनाडा में खालिस्तानियों को भारत विरोधी काम करने की छूट दे रखी है। अब खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों ने वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के सामने प्रदर्शन किया है, जहां खुलेआम भारतीय तिरंगे का अपमान किया गया। खालिस्तानी अलगाववादियों की इन गतिविधियों के चलते कनाडा में भारतीय राजनयिकों के लिए लगातार खतरा पैदा हो रहा है। हाल ही में खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारी वैंकूवर में भारतीय कांसुलेट के सामने जमा हो गए। इस दौरान खालिस्तान समर्थकों ने भारत के प्रधानमंत्री का पुतला ले रखा था। कांसुलेट के सामने ही तिरंगे का अपमान किया गया। इस दौरान पीएम मोदी और भारत के खिलाफ नारेबाजी की गई। खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने ट्रूडो सरकार से पूरे कनाडा में भारतीय कांसुलेट को बंद करने की मांग की। ये प्रदर्शन ऐसे समय में हुए हैं, जब कनाडा और भारत के रिश्ते बेहद तनाव भरे दौर से गुजर रहे हैं। कनाडा ने भारत के शीर्ष राजनयिकों पर गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने का बेबुनियाद आरोप लगाया था, जिसका भारत ने कड़ा विरोध किया था। 14 अक्टूबर को भारत ने अपने छह राजनयिकों को भारत वापस बुला लिया था। इसके साथ ही कनाडा के छह राजनयिकों को भारत छोड़ने का आदेश दिया गया था। इस बीच कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि उनके देश में बाकी बचे भारतीय राजनयिक भी नोटिस पर हैं। जोली ने कहा कि उनकी सरकार ऐसे किसी भी राजनयिक को बर्दाश्त नहीं करेगी जो विएना संधि का उल्लंघन करेगा। जोली से जब पूछा गया कि क्या दूसरे राजनयिकों पर भी कार्रवाई की जा सकती है इस पर उन्होंने कहा कि वे साफतौर से नोटिस पर हैं। इनमें से 6 को निष्कासित किया गया है, जिनमें ओटावा में तैनात उच्चायुक्त भी शामिल हैं। दूसरे अधिकारी टोरंटो और वैंकूवर से हैं। जोली ने भारत की तुलना रूस से कर डाली।

न्यूज ब्रीफ

पुतिन का ब्रिक्स देशों से आग्रह, राष्ट्रीय डिजिटल मुद्राओं का इस्तेमाल बढ़ाएं अमेरिकी डॉलर के वैश्विक वर्चस्व को चुनौती देने की अपील

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी डॉलर के वैश्विक वर्चस्व को चुनौती देने के लिए ब्रिक्स देशों से अपील की है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों को पश्चिमी प्रतिबंधों से मुक्त एक सीमा-पार भुगतान प्रणाली की संभावनाओं की तलाश करनी चाहिए। पुतिन का यह बयान रूस द्वारा पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के बाद आया है, जब रूस को वैश्विक वित्तीय सिस्टम से बाहर करने की कोशिश की गई थी। पुतिन ने ब्रिक्स देशों से आग्रह किया कि वे राष्ट्रीय डिजिटल मुद्राओं का इस्तेमाल बढ़ाएं और निवेश परियोजनाओं के वित्तपोषण में इनका प्रयोग करें। उन्होंने साफ कहा कि अभी ब्रिक्स मुद्रा बनाने का समय नहीं है। उनका कहना था कि इस पर विचार करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है, लेकिन समूह इसके इस्तेमाल की संभावना पर काम कर रहा है। रूस द्वारा आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले पुतिन ने कहा कि उनका देश ब्रिक्स देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि एक ऐसी भुगतान प्रणाली तैयार की जा सके, जो अमेरिका और पश्चिमी देशों के नियंत्रण से मुक्त हो। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिक्स देशों के केंद्रीय बैंक एक दूसरे से जुड़े वाणिज्यिक बैंकों का नेटवर्क स्थापित करने पर काम कर रहे हैं। पुतिन के मुताबिक ब्रिक्स देशों को सतर्क रहकर और धीरे-धीरे अपने कदम बढ़ाने चाहिए, ताकि एक मजबूत और सुरक्षित वैश्विक भुगतान प्रणाली बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि अगर जल्दबाजी की गई, तो यूरोपीय संघ में मुद्रा लागू करने के दौरान जैसी समस्याएं आई थीं, उससे भी बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाओं के विविध स्वरूप के कारण पुतिन ने सतर्क रुख अपनाने की सलाह दी। उनका मानना है कि राष्ट्रीय मुद्राओं का इस्तेमाल बढ़ाना और एक सुरक्षित भुगतान प्रणाली का निर्माण ब्रिक्स के भविष्य के लिए अहम कदम हो सकता है। इस शिखर सम्मेलन में भारत के पीएम नरेंद्र मोदी 22 से 23 अक्टूबर को रूस के जाने वाले हैं, जिसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई भी शामिल होंगे।

जॉर्जिया में नाव टकराने से ढहा फेरी प्लेटफॉर्म, सात की मौत, कई लापता

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राज्य जॉर्जिया के सैपेलो द्वीप पर छोटे यात्री जहाज प्लेटफॉर्म के ढहने से बड़ा हादसा हो गया है जिसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से बताया कि शनिवार को एक नाव से टकराने के बाद घाट पर स्थित एक गैंगवे यानी प्रवेश करने वाला प्लेटफॉर्म ढह गया। इस दौरान वहां जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए लोग पानी में गिर गए जिसकी उनकी मौत हो गई और कई लापता हैं। जॉर्जिया प्राकृतिक संसाधन विभाग के प्रवक्ता के मुताबिक कई लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया और कई लोग लातपा बताए जा रहे हैं। जॉर्जिया के गवर्नर ने एक्स पर जानकारी दी कि कि वह और उनका परिवार सपेलो द्वीप पर हुई त्रासदी से दुखी हैं। राज्य और स्थानीय बचाव दल घटना पर मौजूद है और लोगों को तलाश करने का काम जारी है। उन्होंने शहर के लोगों से अनुरोध किया है कि वह उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो खो गए हैं, जो अभी भी खतरे में हैं, उनके परिवारों के लिए भी प्रार्थना करें। गवर्नर ने खोज, बचाव और रिकवरी में सहायता के लिए राज्य संसाधन भेजे हैं। इस हृदय विदारक क्षति के बाद मदद के लिए आगे आने वाले सभी लोगों का धन्यवाद। बता दें कि जॉर्जिया के मैकिन्टोश काउंटी में स्थित राज्य संरक्षित अवरोधक द्वीप सैपेलो द्वीप तक केवल नाव द्वारा ही पहुंचा जा सकता है।

ब्रिक्स सदस्यता के लिए लगी होड़, पीएम मोदी के रुख पर रहेगी दुनिया की नजर रूस के कजान में 22 से 24 अक्टूबर के बीच में होगा ब्रिक्स सम्मेलन

कजान। रूस के कजान शहर में 22 से 24 अक्टूबर के बीच में ब्रिक्स सम्मेलन होने जा रहा है। इस सम्मेलन

में हिस्सा लेने के लिए पीएम मोदी भी रूस जा रहे हैं। पीएम मोदी के अलावा दुनियाभर के करीब 40 और बड़े नेता भी ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंच रहे हैं। ब्रिक्स का यह सम्मेलन ऐसे समय पर होने जा रहा है जब दुनिया में बहुत अस्थिरता का माहौल है। संघर्ष और संकट बढ़ रहे हैं। इससे दुनिया में अंतरराष्ट्रीय सिस्टम में बदलाव की मांग तेजी पकड़ रही है। यही वजह है कि दुनिया के करीब 40 देश ब्रिक्स में शामिल होने की मांग कर रहे हैं। इनमें भारत के कई पड़ोसी देश जिनमें पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका शामिल हैं, मांग कर रहे हैं कि उन्हें ब्रिक्स की सदस्यता दी जाए।

हादसे के बाद जापान का बंद हुआ संयंत्र फिर होगा चालू, बिजली का होगा निर्माण

टोक्यो, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

फुकुशिमा परमाणु संयंत्र हादसे के बाद जापान पर ऊर्जा संकट छा गया था। दुर्घटना के बाद जापान ने परमाणु ऊर्जा के विकल्प पर फिर विचार किया था, लेकिन अब 13 साल बाद स्थिति बदल गई है। जापान का काशीवाजाकी कारिवा परमाणु संयंत्र फिर से काम करने के लिए तैयार है। यह विकास न केवल जापान के ऊर्जा संकट से निपटने के दृष्टिकोण को दर्शाता है, बल्कि भारत जैसे देशों के लिए भी एक सीख है। बता दें 2011 में फुकुशिमा में आई सुनामी के कारण परमाणु संयंत्र के रिएक्टर पिघल गए थे, जिससे रेडियोधर्मी तत्वों का प्रसार हुआ था। इस हादसे के बाद जापान ने परमाणु ऊर्जा की सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रभावों को लेकर कई सवाल उठाए थे और अपने परमाणु संयंत्रों को बंद कर दिया था। अब जापान ने अपनी ऊर्जा नीति में सुधार के साथ परमाणु ऊर्जा का उपयोग फिर से शुरू कर दिया है। काशीवाजाकी कारिवा, जो दुनिया का सबसे बड़ा उन्नत बॉयलिंग वाटर रिएक्टर है, अब नए सुरक्षा उपायों और तकनीकी सुधारों के साथ फिर से काम करने के लिए तैयार है। काशीवाजाकी कारिवा संयंत्र में अब एक 15 मीटर ऊंची दीवार बनाई गई है जो सुनामी जैसी आपदाओं से सुरक्षा प्रदान करेगी। संयंत्र के डिप्टी सुप्रिंटेंडेंट मसाकी दाइतो का कहना है कि फुकुशिमा जैसे हादसों से बचने के लिए जरूरी सुधार किए गए हैं। नई बैकअप पॉवर सप्लाई और उच्च गुणवत्ता वाले वेंटिलेशन सिस्टम को जोड़ने से रेडियोधर्मी कणों की संभावना को 99.9 फीसदी तक घटाया गया है। 2011 के बाद जापान के परमाणु संयंत्र बंद हो गए थे, और देश को जीवाश्म ईंधन, सौर ऊर्जा और प्राकृतिक गैस पर निर्भर रहना पड़ा था। इसने जापान की ऊर्जा लागत को बढ़ा दिया था, जिससे करीब 42 अरब रुपए रोजाना खर्च होने लगे थे। इस संकट के बाद, जापान ने अपने परमाणु संयंत्रों की उम्र 60 साल तक बढ़ाने का फैसला लिया और 2030 तक परमाणु ऊर्जा से 20 से 22 फीसदी बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा है। भारत के लिए यह एक सीख है। जापान ने अपनी ऊर्जा नीति को सुधारते हुए परमाणु ऊर्जा की वापसी को संभव बनाया है।

भड़के पीएम नेतन्याहू बोले- ईरान ने मुझे और मेरी पत्नी को मारने की कोशिश कर गलती कर दी

तेल अवीव। इजरायली पीएम बेंजामिन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इस ड्रोन अटैक के पीछे ईरान के एजेंट हिजबुल्लाह का मकसद उनको मारना था। नेतन्याहू ने दावा किया कि उनके साथ-साथ उनकी पत्नी की भी हत्या इस ड्रोन अटैक के जरिए करने की साजिश थी। उन्होंने इस अटैक के लिए ईरान के प्रॉक्सी और एजेंट्स को जिम्मेदार कहा है। रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने कहा, ईरान के एजेंट्स ने आज मेरी और मेरी पत्नी सारा की हत्या करने की कोशिश की है। ऐसा करके उन्होंने एक भारी गलती की है। यह हमला मुझे युद्ध जारी रखने से नहीं रोकेगा। मैं साफ करना चाहत हूं कि जो कोई भी इजरायलियों को नुकसान पहुंचाएगा, उसे उसकी भारी कीमत चुकानी होगी।बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान समर्थित हिजबुल्लाह और हमास पर हमले जारी रखने की बात भी दोहराई है। उन्होंने कहा, हम आतंकवादियों को खत्म करना जारी रखेंगे, हम गाजा से अपने बंधकों को वापस लाएंगे और उत्तर में भी अपने निवासियों को वापस भेजेंगे। इजरायल को जीत मिलने तक हम अपनी लड़ाई को जारी रखेंगे।हिजबुल्लाह ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निजी आवास को निशाना बनाकर ड्रोन हमला किया। हाइफा के सीजेरिया इलाके में शनिवार सुबह विस्फोट की आवाज सुनी गई, यहां नेतन्याहू का निजी आवास है। ड्रोन से जिस इमारत को निशाना बनाया गया, वह नेतन्याहू के घर का ही हिस्सा है। हिजबुल्लाह की ओर से दो और ड्रोन भी लॉन्च किए गए, जिन्हें रोक दिया गया ।

हमास-हिजबुल्लाह जंग में इजराइल को भी हुआ जानी नुकसान, जारी की लिस्ट

येरुशलम, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इजराइल ने 7 अक्टूबर से गाजा में चल रहे संघर्ष में मारे गए 747 सैनिकों, अधिकारियों और रिजर्विस्टों के नाम प्रकाशित किए हैं। इनमें से कई स्थानीय सुरक्षा अधिकारी भी शामिल हैं, जो आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में मारे गए हैं। गाजा पट्टी की सीमा पर हमास और हिजबुल्लाह हमलों के दौरान मारे गए जबकि 355 से ज्यादा लोग हमास द्वारा संचालित इलाकों में जमीनी हमलों और सीमा पर ऑपरेशनों के में मारे गए। पुलिस ने 58 अधिकारियों की सूची जारी की है, जिन्होंने गाजा सीमा पर लड़कों के साथ लड़ते हुए अपनी जान गंवाई। 7 अक्टूबर को हमास ने इजराइल पर हमला किया था, जिसमें इजराइल के 1200 लोग मारे गए थे, जिसके बाद हमास के लड़कों ने शहरों में घुसपैठ की, सैन्य ठिकानों पर हमले किए, सड़कों और घरों में नागरिकों को गोली मारी और पूरे देश में हजारों रॉकेट दागे। उन्होंने 251 नागरिकों और सैनिकों को अगवा कर बंधक बना लिया था। इसके बाद, लेबनान के हिजबुल्लाह और अन्य समूहों ने उत्तरी इजराइल पर हमले किए, जिसमें 26 सैनिक और एक स्थानीय सुरक्षा अधिकारी मारे गए। इन हमलों में 17 सैनिक जमीन पर जमीनी अभियानों में मारे गए हैं।

वेस्ट बैंक और इजराइल में भी लड़ाकों के हमले में दस सैनिक मारे गए। इसके अलावा, इराक से किए गए ड्रोन हमले में दो सैनिक मारे गए। युद्ध के दौरान कुछ अन्य घटनाएं भी हुईं, जिनमें एक सैनिक फ्रेंडली फायरिंग में मारा गया, एक सैनिक लेबनान सीमा पर गोला-बारूद की खराबी के कारण मारा गया, और दो सैनिक उत्तरी इजराइल में एक टैंक दुर्घटना में मारे गए। यह संघर्ष इजराइल और हमास के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष की गंभीरता को दर्शाता है।

नेपाल के पूर्व गृहमंत्री लामिछाने को कोर्ट में पेश करने से पहले पोखरा में निषेधाज्ञा लागू

काठमांडू, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सहकारी घोटाले में गिरफ्तार किए गए नेपाल के पूर्व गृहमंत्री रवि लामिछाने को रविवार को जिला अदालत में पेश करने से पहले पोखरा के कई इलाकों में जिला प्रशासन ने निषेधाज्ञा लगा दी। लामिछाने के समर्थकों के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर जिला प्रशासन ने पुलिस मुख्यालय से लेकर जिला अदालत सहित अन्य कई संवेदनशील स्थानों पर निषेधाज्ञा लगा दिया है।

कास्की जिला प्रशासन कार्यालय ने बताया कि पोखरा प्रवेश करने वाले सभी रास्तों पर भी निषेधाज्ञा लागू है। स्थानीय प्रशासन ने राष्ट्रीय स्वातंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष लामिछाने के पक्ष में और उनके खिलाफ प्रदर्शन शुरू होने के बाद एक निषेध आदेश जारी किया गया है। पोखरा के कई इलाकों खासकर जिला पुलिस मुख्यालय से लेकर जिला अदालत तक के रास्तों में काफी भीड़ इकठ्ठा होने के कारण निषेधाज्ञा लगाया गया है।

मुख्य जिला अधिकारी भरत मणि पांडे ने निषेधाज्ञा आदेश जारी करते हुए तय इलाके में पांच से अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव में गर्भपात बना प्रमुख मुद्दा, ट्रंप और हैरिस दे रहे तर्क

वाशिंगटन, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सियासी तेज हो गई है और इस बार गर्भपात एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। 2011 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 'रो बनाम वेड' फैसले को पलटने के बाद कई राज्यों ने गर्भपात को बैन कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप, यह मुद्दा महिलाओं के अधिकारों और स्वास्थ्य के संदर्भ में चुनावों में चर्चा का मुख्य मुद्दा बन गया है।

कमला हैरिस जो डेमोक्रेट्स की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हैं उन्होंने अपने अभियान में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया है। उनका कहना है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को प्रभावित किया, जिससे कई राज्यों में गर्भपात पर बैन लगा है। हैरिस का दावा है कि अगर ट्रंप दोबारा सत्ता में आए तो वह गर्भपात पर संघीय बैन लगा देंगे। इस दावे से वह महिलाओं को अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रही हैं, जो अमेरिका की आधी से ज्यादा आबादी हैं।

यह एक संवेदनशील विषय है इसके विपरीत, ट्रंप के समर्थक भी सक्रिय हैं। कई महिलाएं और पुरुष, जिन्होंने ट्रंप का समर्थन किया है, वह मानते हैं कि वह अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए सबसे बेहतर

विकल्प हैं। उनकी राय में ट्रंप की विचारधारा देश के लिए उपयुक्त है।

अमेरिका में चुनावी रणभूमि अब एक बार फिर महिलाओं, आर्थिक मुद्दों और स्वास्थ्य के बीच बंटी गई है। गर्भपात के मुद्दे पर महिला मतदाताओं का समर्थन जीतने की जद्दोजहद में दोनों प्रमुख दल अपनी ओर से तर्क पेश कर रहे हैं।

ईरान हमेशा फिलिस्तीन की आजादी के लिए लड़ रहे लड़ाकों के साथ खड़ा है

खामेनेई ने सिनवार को बताया शहीद, हमास इजराइल से डरेगा नहीं लड़ता रहेगा

तेहरान, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

गाजा में इजराइली हमले में हमास प्रमुख याह्या सिनवार की मौत पर ईरान के अयातुल्लाह अली खामेनेई ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने कहा है कि सिनवार के बाद भी हमास इजराइल से डरेगा नहीं वह लड़ता रहेगा और प्रतिरोध की धुरी भी मजबूती से काम करती रहेगी। खामेनेई ने ऐलान किया है कि ईरान हमेशा फिलिस्तीन की आजादी के लिए लड़ रहे लड़ाकों के साथ खड़ा है और अपनी तरफ से हमास को समर्थन देता रहेगा। सिनवार की गुरुवार को इजराइल के साथ लड़ते हुए मौत हो गई थी। ईरान ने इस हमले के लिए इजराइल को चेतावनी दी है

और याह्या सिनवार की मौत को एक शहीद का दर्जा दिया है। खामेनेई ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- हमास जिंदा था, जिंदा है और हमेशा जिंदा रहेगा। याह्या सिनवार की मौत प्रतिरोध की धुरी के लिए दुख लेकर आई है लेकिन उनकी मौत के बाद भी ये लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। इससे पहले भी शेख अहमद यासीन, फतही शकाकी, रंतिसी और इस्माइल हनिया के मौत के बावजूद से लड़ाई आगे बढ़ी और अब भी ये मोर्चा रुकने वाला नहीं है। ये लड़ाई लगातार और बिना रुके जारी रहेगी। हमास इजराइल से डरने वाला नहीं है। खामेनेई ने आगे कहा कि मैं भाई याह्या सिनवार की शहादत पर उनके परिवार और साथियों से संवेदना व्यक्त करता हूं, साथ ही इस लड़ाई के लिए अपनी जिंदगी समर्पित लोगों को बधाई भी देता हूं। कमांडर याह्या सिनवार एक ऐसे इंसान थे, जो अपनी पूरी जिंदगी लड़ते रहे और आखिरी दम तक दुश्मन का मुकाबला करते करते शहीद हो गए। याह्या को शहादत से कम कुछ कबूल हो भी नहीं सकता था। आखिर में याह्या अपने शहीद साथियों के साथ शामिल हो गए हैं। खामेनेई ने ऐलान किया है कि ईरान हमेशा फिलिस्तीन की आजादी के लिए लड़ रहे लड़ाकों के साथ खड़ा है और अपनी तरफ से हमास को समर्थन देता रहेगा। खामेनेई के इस बयान के बाद माना जा रहा है कि वह हमास और हिजबुल्लाह को फिर से मजबूत करने कड़ा कदम उठा सकता है। हालांकि ये मदद किस तरह से होगी, इस पर ईरान ने कोई इशारा नहीं किया है। याह्या सिनवार लंबे समय से गाजा में हमास का चेहरा था। इस्माइल हानिया की मौत के बाद याह्या हमास का सर्वेसर्वा था। बीते साल अक्टूबर में लड़ाई शुरू होने के बाद से याह्या लगातार इजराइल पर हमले कर रहा था। याह्या की मौत को हमास के लिए झटका है लेकिन फिलिस्तीनी गुट ने ऐलान किया है कि उसकी इजराइल के खिलाफ लड़ाई नहीं रुकेगी, वह अपनी जंग जारी रखेगा।

भाजपा ने महाराष्ट्र के लिए जारी की 99 उम्मीदवारों की सूची

मुंबई, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पहली सूची में 99 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस नागपुर साउथ वेस्ट से, राज्य भाजपा प्रमुख चन्द्रशेखर बावनकुले कामठी से चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा भाजपा ने मंत्री गिरीश महाजन को जामनेर से, मंत्री सुधीर मुनगंटीवार को बल्लारपुर से, आशीष शेलार को वांद्रे वेस्ट से, मंगल प्रभात लोढ़ा को मालाबार हिल से टिकट दिया है। कोलाबा से राहुल नार्वेकर, सतारा से छत्रपति शिवेंद्र राजे भोसले को उम्मीदवार बनाया गया है।

भाजपा ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया चव्हाण को पार्टी ने नांदेड़ जिले की भोकर विधानसभा सीट से टिकट दिया है। भाजपा ने मुंबई इकाई के प्रमुख आशीष शेलार को वांद्रे वेस्ट से टिकट दिया है। आशीष शेलार महाराष्ट्र सरकार में मंत्री भी रहे हैं। भाजपा ने पाटी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल को कोथरुड सीट से टिकट दिया है। वे मौजूदा महाराष्ट्र सरकार में उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री हैं। भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल सुरेश नार्वेकर को कोलाबा से प्रत्याशी बनाया है। उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने शिवसेना विधायकों की अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करने का जिम्मा सौंपा था। भाजपा ने कंकावली सीट से पूर्व सीएम नारायण राणे के बेटे नीतेश नारायण राणे को टिकट दिया है।

महाराष्ट्र में एक चरण में चुनाव होंगे। 22 अक्टूबर को चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी। नामांकन की आखिरी तारीख 29 अक्टूबर है। 30 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। इसके बाद नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 4 नवंबर है। वहीं मतदान की तारीख 20 नवंबर है। मतगणना की तारीख 23 नवंबर है।

महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की सरकार है। इसमें भाजपा के साथ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा राज्य की 288 विधानसभा सीटों में से 158 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। जबकि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को बंटवारें के तहत 70 सीटें मिल सकती हैं और अजित पवार की एनसीपी को 50 सीटें देने की पेशकश की गई है। इसे लेकर अभी महायुति गठबंधन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक एलान नहीं किया है।

बंगाल विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा के छह प्रत्याशी घोषित

पश्चिम बंगाल की छह विधानसभा सीटों पर आगामी 13 नवंबर को उप-चुनाव होने जा रहे हैं। इसकी तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं। केंद्रीय बलों की मदद से यह मतदान होने वाला है। चुनाव आयोग द्वारा मतदान की तारीखों की घोषणा के बाद सबसे पहले शनिवार को भाजपा ने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की। भाजपा ने छह विधानसभा क्षेत्रों में एक सीट पर महिला उम्मीदवार को टिकट दिया है।

भाजपा ने सिताई विधानसभा क्षेत्र में दीपक कुमार राय को अपना उम्मीदवार बनाया है। जबकि, मदारीहाट से राहुल लोहार उम्मीदवार होंगे। नैहाटी से पार्टी ने रूपक मित्रा को मैदान में उतारा है। हावड़ा से बिमल दास पार्टी के प्रत्याशी होंगे। पार्टी के मुताबिक, मेदिनीपुर क्षेत्र में शुभजीत राय इस बार मैदान में होंगे। जबकि, तालडांगरा में अनन्या राय चक्रवर्ती मुकाबला करेंगी। मेदिनीपुर से तृणमूल कांग्रेस की विधायक जून मालिया 2021 में जीतकर विधायक बनीं थीं। गत लोकसभा चुनाव में वे सांसद बनीं, इसलिए यह सीट खाली हुई है। इसी तरह से 2021 विधानसभा चुनाव में भाजपा के मनोज तिग्गा मदारीहाट से विधायक बने थे। गत लोकसभा चुनाव में वे अलीपुदुआर से सांसद बने। हाड़वा से तृणमूल कांग्रेस के हाजी नुरु इस्लाम विधायक थे, जो 2024 लोकसभा चुनाव में बरीशहाट से तृणमूल कांग्रेस के सांसद बने। हालांकि कुछ समय पहले ही उनका निधन हो गया है। बशीरहाट संसदीय सीट भी खाली हो गई है, लेकिन फिलहाल यहां पर उपचुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। नैहाटी से तृणमूल कांग्रेस के पार्थ भौमिक विधायक थे। उन्होंने 2024 में बैरकपुर से लोकसभा का चुनाव लड़ा और वे सांसद बने। उनके इस्तीफे के बाद नैहाटी की सीट खाली हुई है। इसी तरह से सिताई से तृणमूल कांग्रेस के जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया विधायक थे। वे इस बार लोकसभा में कूचबिहार से सांसद बने, जिस कारण यह सीट भी खाली हुई है। 2021 में तालडांगरा से तृणमूल के अरूप चक्रवर्ती विधायक बने थे। 2024 लोकसभा चुनाव में वे बांकुड़ा से चुनाव लड़े और सांसद बने। इस कारण इस सीट पर उपचुनाव कराया जा रहा है।

गौरवशाली अतीत को ध्यान रखने वाला समाज करता है प्रगति : नंदकिशोर

दरभंगा, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने आज कहा कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है जब वह अपने गौरवशाली अतीत को ध्यान रखता है और वर्तमान में खड़े होकर भविष्य के ताने-बाने को बुनता है।

श्री यादव ने रविवार को संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा के परिसर में चाणक्य मंडप में आयोजित तीन दिवसीय चंद्रगुप्त साहित्य महोत्सव के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भगत सिंह एवं चंद्रशेखर आजाद जैसे राष्ट्रभक्तों ने कभी अपने लिए नहीं, बल्कि हमेशा भारत माता के लिए सोचा।

आज विश्व में भारत की स्वीकार्यता बढ़ी है। देश का मान सम्मान भी निरंतर बढ़ रहा है। भारत राष्ट्र को विश्व भर में सुना जा रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम नई पीढ़ी को राष्ट्रीयता की भावना से उत्तर भरें। इसके लिए उनके तरीके से ही सोचने और उन्हें समझाने की आवश्यकता है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विश्व में फैले भारतीय आज अपने देश में बन रहे स्कोप को देख रहे हैं। भारत माता उन्हें पुकार रही है। वे एकता और अखंडता के लिए अवश्य ही कार्य करेंगे। जितने भी आराध्य रहे हैं उन्होंने भी भारत को सिर्फ जमीन का टुकड़ा नहीं माना। सभी ने संपूर्ण राष्ट्र को एक करने के लिए कार्य किया। भगवान राम ने उत्तर से दक्षिण तक का अपनी यात्रा से एकीकरण किया तो श्री कृष्ण ने पूर्व से पश्चिम तक राष्ट्र के एकीकरण में अपना अवदान दिया। सभी 12 ज्योतिर्लिंग, चारों पीठ इसी भारत राष्ट्र की एकता को प्रतिष्ठित और मजबूती देने के लिए हैं। प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य रामाशीष ने कहा कि भारतवर्ष को अभिशप्त हनुमान की तरह सामर्थ्य की याद दिलाकर समर्थ बनाने की आवश्यकता है और इसके लिए भारत में अपने अंक का प्रचलन होना चाहिए। भारत का अंक राम हैं। राष्ट्र का अधिष्ठान सनातन है। देश की राजनीति नहीं, बल्कि अपने अधिष्ठान धर्म को बचाने की आवश्यकता है।

भागलपुर घटना के दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई : गिरिराज

भागलपुर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केन्द्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने आज भागलपुर जिले के सन्हौला में एक मंदिर में कई मूर्तियों के खंडित करने की घटना को अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि इस मामले में संलिप्त दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

श्री सिंह ने रविवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, इस मामले में शामिल सभी अभियुक्तों की अविलंब गिरफ्तारी के लिए उन्होंने जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक को कहा है। स्थानीय लोगों का विरोध स्वभाविक है। यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच और उन लोगों पर दमनात्मक कार्रवाई होती है तो मुझे रास्ते में ही अपनी यात्रा को छोड़कर सन्हौला आना पड़ेगा। इस मामले में जिस एक व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ा है, उसे विक्षिप्त बताया गया है। यह एक साज़िश है और इसकी जांच पड़ताल होनी चाहिए।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि उनकी हिन्दू स्वाभिमान यात्रा से कांग्रेस तथा राजद के लोग घबरा गए हैं और बिहार में दंगा कराने पर तुले हुए हैं। वे लोग केन्द्र और राज्य सरकार को बदनाम करना चाहते हैं। ऐसे में भागलपुर जिले के सन्हौला की घटना कोई साधारण नहीं है और इसके पीछे कोई तो अवश्य है। इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए और इसके लिए जिला प्रशासन से मांग की गई है। इस बीच भागलपुर जिला भाजपा अध्यक्ष संतोष कुमार ने कहा कि सन्हौला की घटना घोर निंदनीय है। इसकी जांच के लिए भाजपा की एक टीम भेजी जा रही है। ऐसी घटना को अंजाम देने वाले सभी असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग पुलिस के वरीय अधिकारियों से की गई है।

मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना का मनोबल बढ़ा: यादव

भोपाल, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना का मनोबल बढ़ा है। सेना को नवीन तकनीक के नवीनतम हथियार उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

डॉ. यादव आज यहां 3 ईएमई सेंटर में भूतपूर्व सैनिक सम्मान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विदेशी हथियारों पर भारतीय सेना की निर्भरता कम करते हुए स्वदेशी लड़ाकू विमान और हथियार निर्माण पर विशेष ध्यान दिया है। अब हम सिर्फ युद्ध का जवाब ही नहीं देते बल्कि घर में घुसकर मारते हैं। उन्होंने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों की देश भक्ति और समर्पण में वर्तमान सेना की नींव रखी है। जब भी मौका पड़ा आप सभी ने वीरता और शौर्य का परिचय देकर भारतीय लोकतंत्र की रक्षा की है। भारत के साथ और भी देश आजाद हुए थे। लेकिन वर्तमान समय में विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र यदि जीवित है तो यह भारतीय सेना के कारण ही संभव हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना ने देश की सीमाओं की रक्षा कर लोकतंत्र को जीवित रखा है। उन्होंने भारतीय सेना के भूतपूर्व सैनिकों के अविस्मरणीय योगदान के लिए प्रदेश की जनता की ओर से अभिनंदन किया। डॉ यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सैनिक कल्याण में सदैव अग्रणी रहा है। यहाँ सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैनिकों के लिये विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का सफल संचालन हो रहा है। उन्होंने सेना और उनके परिवारों के लिए कल्याणकारी निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि युद्ध एवं सैनिक कार्रवाई में शहीद होने वाले सेना/केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल के शहीदों के आश्रितों को एक करोड़ रुपये की सहायता राशि और एक आश्रित को शासकीय सेवा में विशेष नियुक्ति दी जाएगी। सहायता राशि का आधा अंश शहीद की पत्नी को और आधा अंश आश्रित माता-पिता को दिया जाएगा। शहीदों के माता-पिता को दी जाने वाली मासिक अनुदान की राशि बढ़ाकर 10 हजार रूपये और शहीदों की पुत्रियों एवं बहनों के विवाह पर आशीर्वाद राशि भी बढ़ाकर 51 हजार रुपये की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवासरत द्वितीय विश्व युद्ध के सैनिकों एवं उनकी पत्नियों की पेंशन 8 हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह की गई है, जो देश में सर्वाधिक है। मध्यप्रदेश निवासी ऐसे माता-पिता, जिनकी पुत्री सेना में है, उनकी सम्मान निधि 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 20 हजार रुपये प्रतिवर्ष की गई है। राज्य शासन द्वारा विभिन्न शौर्य एवं विशिष्ट सेवा अलंकरणों से सम्मानित सैनिकों एवं उनके आश्रितों को सर्वाधिक

सम्मान राशि दी जाती है। भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं, विकलांग सैनिकों एवं आश्रितों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आर्थिक सहायता तथा छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जो पूरे देश में सर्वाधिक है।

डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में पूर्व सैनिकों के बच्चों को मेडिकल, इंजीनियरिंग, टेक्निकल एजुकेशन, लॉ सहित विभिन्न कोर्सेस में आरक्षण दिया जाता है। सभी सरकारी विभागों के ग्रुप सी एवं डी पदों पर भूतपूर्व सैनिकों को आरक्षण के साथ जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों में सहायक ग्रेड-3 स्तर पर कर्मचारियों के पदों में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है। शासन की योजन-ाओं के अंतर्गत जमीन के लिए सैनिकों को आरक्षण दिया जाता है।

भारतीय नौसेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने कहा कि मध्यप्रदेश का इतिहास वीरता और साहस का रहा है। मध्यप्रदेश ने देश को अब तक 3 अशोक चक्र, 5 महावीर चक्र और 23 वीर चक्र दिए है। पिछले 25 वर्षों में 100 से अधिक सैनिकों ने अपना सर्वस्व भारत मां के चरणों में न्यौछावर कर दिया। यह सम्मान समारोह भूतपूर्व सैनिकों के समर्पण, योग्य नेतृत्व और योगदान को समर्पित है। उन्होंने सभी भूतपूर्व सैनिकों को सेना में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए धन्यवाद दिया। सुदर्शन चक्र कोर कमांडर लेफ्टीनेन्ट जनरल प्रीतपाल सिंह ने कहा कि जो सेना अपने भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान नहीं करती, वह कभी युद्ध नहीं जीत सकती। भूतपूर्व सैनिकों का ज्ञान और अनुभव सेवा के जवानों के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री डॉ. यादव हमेशा सकारात्मक मानसिकता, कल्याणकारी कार्य को सदैव हां और करने को तत्पर रहते है। श्री सिंह ने सैनिक कल्याण बोर्ड की बैठक में जवानों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री डॉ यादव का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने द्वितीय विश्व युद्ध में वीरता के साथ लड़ने वाले भूतपूर्व सैनिकों की कल्याणियों का सम्मान किया। उन्होंने नं. 561 सिपाही स्व. मुशीर अहमद की पत्नी फातमा बी, नं. 2659 सिपाही स्व. मो. सईद खान की पत्नी रईसा बेगम और नं. 451 सिपाही मो. सरीफ की पत्नी नफीसा बी का सम्मान कर उनका आशीर्वाद भी लिया। साथ ही मुख्यमंत्री ने भोपाल की अमर शहीदों के परिजन को भी सम्मानित किया। सम्मानित हुए परिजनों में कैप्टन स्व. देवाशीष शर्मा, कीर्तिचक्र (मरणोपरान्त) की माताजी श्रीमती निर्मला शर्मा, मेजर स्व. अजय कुमार, सेना मेडल (मरणोपरान्त) के पिता श्री आर.एन. प्रसाद, ग्रुप केप्टन स्व. वरुण सिंह, (शौर्यचक्र) के पिता सेवानिवृत्त कर्नल के.पी. सिंह, सीएफएन स्व. रामस्वरूप की पत्नि सविता देवी, सिगनलमेन स्व. रमेश कुमार की पत्नी लक्ष्मी बाई और नायक स्व. दिनेश चंद्र की पत्नी गुनमाला देवी शामिल हैं। डॉ यादव ने कहा कि शहीद सैनिकों के बलिदान, देश के प्रति सेवा और समर्पण को सदैव स्मरण किया जाएगा। भारतीय नौसेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री को सेना के शौर्य का प्रतीक स्मृति-चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम के दौरान 102 रेजीमेंट इंजीनियर के जवानों ने सिख संप्रदाय की युद्ध शैलियों का प्रदर्शन किया। जवानों के शौर्य और ऊर्जा से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री मंच से उतरे और जवानों से मिले। उनका उत्साहवर्धन किया और जवानों के साथ ग्रुप फोटो भी ली। इस अवसर पर सेना के अधिकारी, भूतपूर्व सैनिक और उनके परिजन उप-स्थित थे।

रोटी, बेटी और माटी की सुरक्षा के लिए एनडीए की जीत जरूरी : शिवराज सिंह चौहान

रांची, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

झारखंड में चुनावी बिगुल बजने और भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार घोषित होने के बाद विधानसभा चुनाव प्रभारी और केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी प्रत्याशियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुबह 8 बजे चर्चा की। इस दौरान शिवराज सिंह ने सभी प्रत्याशियों से आगामी विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अटल जी के नेतृत्व में राज्य बनाया तो इसे बचाने और संवारने की जिम्मेवारी भी हमारी है। उन्होंने कहा

कि रोटी, बेटी और माटी की सुरक्षा नारा नही संकल्प है। उन्होंने स्थानीय मुद्दों, रोजगार, महिला अपराध जैसे गंभीर विषयों पर फोकस कर विरोधियों को घेरने और प्रदेश में गठबंधन की सरकार के घोटालों, भ्रष्टाचार और नाकामियों को जनता के बीच पहुंचकर उजागर करने सहित कई मुद्दों पर चर्चा की।

प्रदेश चुनाव सह प्रभारी हिमंत विश्व सरमा ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व में जनता एनडीए गठबंधन की सरकार प्रदेश में बनाने को तैयार बैठी है। प्रत्याशी स्थानीय मुद्दों के साथ साथ प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएं। प्रत्येक कार्यकर्ता का परिश्रम हमारे लिए उपयोगी है। हम सभी को साथ लेकर चलें और एक बड़े लक्ष्य को साकार करें। प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पार्टी की उम्मीदों को सभी प्रत्याशी जनता की उम्मीद बनाएं। आज जनता पार्टी से आगे है। भ्रष्ट और निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकने केलिए तैयार है। कहा कि हम सब जनता के दरवाजे तक जाएं। जनता का आशीर्वाद प्राप्त करें। कहा कि जनता मोदी जी के नेतृत्व पर भरोसा करती है। मोदी की गारंटी पर जनता को विश्वास है। कहा कि लोकसभा चुनाव में जनता ने जो ट्रेलर इंडी गठबंधन के उम्मीदवारों को दिखाया है उसकी पूरी फिल्म विधानसभा चुनाव में सामने आएगी। बैठक को क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने भी संबोधित किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

झारखंड के पूर्व विधायक जनार्दन पासवान लोजपा (आर) में शामिल हुए

रांची, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

झारखंड में चतरा के पूर्व विधायक जनार्दन पासवान आज लोजपा (रामविलास) में शामिल हो गए। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल खालिक ने दिल्ली में झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष बिरेन्द्र प्रधान के साथ जनार्दन पासवान को पार्टी की सदस्यता दिलाई। पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद प्रधान महासचिव अब्दुल खालिक एवं झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष बिरेन्द्र प्रधान के साथ जनार्दन पासवान लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्र सरकार में मंत्री चिराग पासवान से मुलाकात की एवं चतरा विधानसभा के लिए अपनी दावेदारी पेश करते हुए पार्टी के सिंबल के लिए निवेदन किया। उल्लेखनीय है कि जनार्दन पासवान पहली बार जनता दल के टिकट पर 1995 में चतरा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीते थे। इसके बाद वे वर्ष 2009 में राजद से दोबारा चतरा के विधायक चुने गए।

तीन करोड़ की स्मैक के साथ पति-पत्नी समेत तीन तस्कर गिरफ्तार

रूद्रपुर/नैनीताल, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर जिले के पुलभट्टा में पुलिस ने तीन करोड़ की स्मैक के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। कुमाऊं में स्मैक तस्करी की यह अभी तक की सबसे बड़ी खेप मानी जा रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मणिकांत मिश्रा ने रविवार को पत्रकारों से इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि शनिवार रात को पुलभट्टा के थाना प्रभारी रवीन्द्र सिंह बिष्ट की अगुवाई में पुलिस टीम द्वारा ड्रग फ्री देवभूमि अभियान के तहत शंकर फार्म के पास वाहनों की सघन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान वैगनार कार संख्या यूपी 14 सीएफ 9528 को रोका गया और उसकी तलाशी ली गयी तो 1.058 किलोग्राम स्मैक बरामद की गयी। कार में सवार तीनों अभियुक्तों को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह बरामद स्मैक को उप्र के फतेहगंज, पश्चिमी बरेली निवासी रिफाकत से खरीद कर लाये हैं और सितारगंज बेचने के लिये ले जा रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में आसमा एवं खुर्शीद निवासीगण अलीखां मोहल्ला हजरत नगर, काशीपुर, ऊधम सिंह नगर और सानू निवासी मोहल्ला अंसारी, वार्ड नंबर-08, रामकटोरी, फतेहगंज, पश्चिमी बरेली, उप्र शामिल हैं। आसमा और खुर्शीद पति-पत्नी हैं। श्री मिश्रा के अनुसार रिफाकत शातिर किस्म का अपराधी है और वह पत्नी रेशमा के साथ कई बार जेल की हवा खा चुका है। रिफाकत नशे का बड़ा कारोबार करता है और उसके द्वारा स्मैक की बड़ी खेप ठाकुरद्वारा पहुंचायी जाती है। आर-ोपी रिफाकत पर पश्चिमी बरेली के फतेहगंज में विभिन्न अपराधों में 15 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस उसकी तलाश में जुट गयी है।

राजस्थान के धौलपुर में बस और टेम्पो की भिड़ंत में 12 लोगों की मौत

भरतपुर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में धौलपुर जिले के बाड़ी थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात बस और टेम्पो के टकराने से आठ बच्चों एवं तीन महिलाओं सहित 12 लोगों की मौत हो गई जबकि एक बच्चे सहित दो लोग घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार बाड़ी के करीम कॉलोनी गुमट निवासी इरफान और उसके परिवार के करीब पन्द्रह लोग सरमथुरा थाना क्षेत्र के बरौली में शादी समारोह में बहन का भात भरने गए थे। वहां से वे देर रात बाड़ी लौट रहे थे कि उनका टेम्पो राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 11बी पर सुन्नीपुर गांव के पास रात करीब ग्यारह बजे धौलपुर से जयपुर जा रही एक बस की चपेट में आ गया। पीछे दूसरे टेम्पो में आ रहे इरफान के भाई और वहां से गुजर रहे अन्य वाहनों में सवार लोगों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी को धौलपुर के अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि हादसे में इरफान उर्फ बंटी (38), उसकी पत्नी जूली (34), बेटी आसमा (14), बेटा सलमान (8), साकिर (6), इरफान का भतीजा अजान (5), जरीना (35), उसकी बेटियां आसियाना (10), सूफी (7), बेटा सानिफ (9), परवीन (32) और उसके बेटे दानिश (10) की मृत्यु हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल साजिद (10) और बस चालक को जयपुर भेजा गया है। हादसे पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डा प्रेम चंद बैरवा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा हरियाणा के प्रभारी डा सतीश पूनियां, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ सहित कई नेताओं ने हादसे पर गहरा दुख प्रकट करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना की।

पीएम मोदी ने किया मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए देने का ऐलान

जयपुर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के धौलपुर जिले में हुए हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है और उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख रुपए तथा घायलों को 50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा राजस्थान के धौलपुर में हुआ हादसा हृदय विदारक है। इसमें मासूम बच्चों सहित जान गंवाने वालों के शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करे। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की निगरानी में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव सहायता में जुटा है। प्रधानमंत्री ने इस हादसे के प्रत्येक मृतक के परिजन को पीएमएनअ-रएफ से दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है जबकि घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

भाजपा सरकार विचलित,तीन दिन में मंत्रियों को विभाग नहीं मिले : जेपी

हिसार, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश उर्फ जेपी ने रविवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार विचलित है और इसीलिए ऐसा पहली बार हुआ है कि शपथ ग्रहण के तीन दिन बाद भी मंत्रियों को विभाग नहीं मिले हैं।

हिसार पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री जेपी ने कहा कि हरियाणा के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि सरकार बन गई है, बीते तीन दिनों से विभाग मंत्रियों को नहीं बांटे गए हैं। कुल 12 दिनों से विधायकों की शपथ नहीं हुई है। यानी इन्हें भी पता है कि सरकार ठगी से बनाई हुई है। सरकार इससे विचलित है। उन्होंने कहा कि जनता के साथ जो अन्याय किया है, जनता भाजपा से अपमान का बदला लेगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने धनबल और ईवीएम में हेराफेरी की हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने इसको लेकर चुनाव आयोग में शिकायत दी है। प्रदेश में 14 ऐसी सीटें चिन्हित की गई, जिन पर गड़बड़ी की आशंका है। उन्होंने कहा कि वह तो यही मांग करते हैं कि भविष्य में बैलेट (मतपत्र) से चुनाव हो, ताकि कोई गड़बड़ी न हो। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया भाजपा ने धनबल का प्रयोग करते हुए कांग्रेस प्रत्याशियों को हराने के लिए पैसे देकर कई कई प्रत्याशी मैदान में उतार दिए। इन दोनों कारण से विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार हुई। एक सवाल के जवाब में जेपी ने कहा कि चुनाव में कांग्रेस की हार की पड़ताल करने वाली फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की रिपोर्ट पार्टी का 'दरूनी मामला है और उसे सार्वजनिक नहीं किया जाएगा।

पंचायतों में रुके हुए विकास कार्य जल्द पूरे किए जाएं : मुख्यमंत्री

सीएम नायब सैनी ने अधिकारियों के साथ की बैठक, दिए दिशानिर्देश

चंडीगढ़, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की 2.0 सरकार बनने के बाद सीएम अब लोगों से किए वादों को पूरा करने और लोगों की समस्याओं को हल करने की जुगत में जुट गए हैं। मुख्यमंत्री अलग-अलग विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। इस सिलसिले में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास संत कबीर कुटीर में स्थानीय निकाय और पंचायती विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की।

पंचायत विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रुके हुए विकास कार्यों में तेजी लाई जाए। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने 22 अक्तूबर से नगर निकायों में समाधान शिविर शुरू करने के निर्देश भी दिए हैं, ताकि लोग इन शिविरों में आकर अपनी समस्याओं को अधिकारियों को बता सकें और उनकी परेशानियों को तुरंत हल किया जा सके। इसके बाद मुख्यमंत्री प्रदेश के सभी नगर निगम आयुक्तों के साथ भी बैठक करेंगे। यह बैठक 24 अक्तूबर को चंडीगढ़ में होगी। प्रदेश के सभी नगर निगम आयुक्त चंडीगढ़ में होने वाली इस बैठक में शामिल होंगे। बैठक का उद्देश्य प्रदेश के नगर निगमों में हो रहे कार्यों की समीक्षा और उन्हें जल्द पूरा करना होगा।

किसानों के खिलाफ तुगलकी फरमान वापस ले सरकार : सैलजा

चंडीगढ़, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव व सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने रविवार को कहा कि हरियाणा सरकार को किसानों के खिलाफ जारी तुगलकी फरमान तुरंत वापस लेना चाहिए। कुमारी सैलजा ने यहां जारी बयान में कहा कि सरकार ने 17 अक्तूबर को शपथ ग्रहण के बाद पहला कदम ही किसान विरोधी उठाया और पराली जलाने पर एफआईआर के साथ रेड एंट्री कर किसानों को अगले दो सीजन तक एमएसपी पर फसल बेचने से रोकने का आदेश जारी किया जो न केवल तानाशाही है, बल्कि छोटे किसानों की रोज़ी-रोटी पर सीधा प्रहार है। उन्होंने कहा कि सरकार यदि वायु प्रदूषण को लेकर इतनी सतर्क और सजग है तो यमुना नदी में ज़हरीला पानी छोड़ने वालों पर कार्रवाई क्यों नहीं करती? उन्होंने आशंका व्यक्त की कि किसानों को भारतीय जनता पार्टी को वोट न देने की सजा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार सीधे तौर पर किसानों को डराने का काम कर रही है।

सलूंबर सीट पर भाजपा में बगावती तेवर

नरेंद्र मीणा समर्थकों की बैठक में फूट-फूट कर रोए

सलूंबर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। अविभाजित उदयपुर जिले की सलूंबर सीट पर उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में बगावत के संकेत सामने आ रहे हैं। पार्टी के नेता नरेंद्र मीणा जिन्हें टिकट नहीं मिला, ने कार्यकर्ताओं के बीच एक बैठक बुलाई, जहां उनकी भावनाएं फूट पड़ीं और वह फूट-फूट कर रोने लगे। मीणा की नाराजगी इस बात को लेकर है कि उन्होंने पार्टी के लिए वर्षों तक मेहनत की, लेकिन उन्हें उपचुनाव में मौका नहीं दिया गया। मीणा द्वारा बुलाई गई बैठक में उनके समर्थकों की भीड़ जुटी थी। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि मैंने पार्टी के लिए कठिन परिश्रम किया, लेकिन अब मुझे उपचुनाव में मौका नहीं दिया गया। उनकी इस बात से कार्यकर्ताओं में मायूसी छा गई और माहौल बेहद भावुक हो गया। मीणा के समर्थकों ने उन्हें सांत्वना देने की कोशिश की और पार्टी के प्रति विश्वास बनाए रखने की अपील की।

उपचुनाव में भजनलाल, गहलोत, बेनीवाल रोत सहित कई नेताओं की साख दांव पर

जयपु, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी 13 नवंबर को होने वाले सात विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल, विपक्ष कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के संयोजक एवं सांसद हनुमान बेनीवाल, भारत आदिवासी पार्टी (बाप) के नेता एवं सांसद राजकुमार रोत सहित कई नेताओं की राजनीतिक एवं चुनावी साख दांव पर लगी है।

हालांकि इस उपचुनाव में भाजपा को केवल सलूंबर सीट को बरकरार रखने का दबाव रहेगा जबकि कांग्रेस पर झुंझुनूं, देवली-उनियारा, दौसा और रामगढ़ सीटों को बरकरार रखने का दबाव होगा। इसी तरह खींवसर से रालोपा एवं चौरासी से बाप को अपनी सीट को बरकरार रखने का दबाव होगा। ऐसे में उपचुनाव में कांग्रेस पर अपनी सीटें जीतने का दबाव अधिक रहेगा मगर भाजपा के सत्ता में होने के कारण उस पर जीत का दबाव अन्य पार्टियों से ज्यादा रहेगा। भाजपा के नेताओं का कहना है कि इस उपचुनाव में उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं हैं लेकिन अगर उनकी सत्ता में होते हुए भी वे उपचुनाव नहीं जीतते हैं तो यह उनकी राजनीतिक साख में गिरावट होगी और इससे राज्य सरकार की साख भी प्रभावित होगी। उपचुनाव में प्रदेश के मुखिया के नाते मुख्यमंत्री श्री शर्मा, प्रदेश में भाजपा के मुखिया मदन राठौड़, प्रभारी के रुप में श्री अग्रवाल, भाई के चुनाव मैदान में होने से कृषि मंत्री डा किरोड़ी लाल मीणा, अलवर से सांसद होने के नाते केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत की राजनीतिक एवं चुनावी साख दांव पर है।

इसी तरह कांग्रेस के नेता श्री गहलोत की पार्टी के वरिष्ठ नेता होने एवं श्री डोटासरा की प्रदेश कांग्रेस के मुखिया, श्री रंधावा की प्रदेश प्रभारी होने तथा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की नेता प्रतिपक्ष एवं अलवर जिले से होने, झुंझुनूं सांसद बृजेन्द्र सिंह ओला, दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा, टोंक-सवाईमाधोपुर सांसद हरीश मीणा की चुनावी साख दांव पर है। कांग्रेस के इन नेताओं के अलावा श्री पायलट की भी इस उपचुनाव में राजनीतिक साख दांव पर है क्योंकि दौसा उनका गृह जिला आता है और वह टोंक से विधायक भी है।

कैप्टन अजय यादव ने कांग्रेस से इस्तीफा वापस लिया

चंडीगढ़, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। तीन दिन पूर्व कांग्रेस से इस्तीफा देने की घोषणा करने वाले हरियाणा के पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने शनिवार रात अपना इस्तीफा वापस लेते हुए कहा कि वह जन्म से कांग्रेसी हैं और अंतिम सांस तक कांग्रेसी रहेंगे। कांग्रेस के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा नेता के बेटे चिरंजीव ने हाल में सम्पन्न विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर रेवाड़ी से चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। दस साल बाद सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही कांग्रेस को 90-सदस्यीय विधानसभा में 37 सीटें ही मिल पाईं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 48 सीटें जीतकर तीसरी बार सरकार बनाई। कैप्टन यादव ने तीन दिन पूर्व पार्टी में उपेक्षा की शिकायत करते हुए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता समेत सभी पदों से इस्तीफे की घोषणा की थी।

कल रात हालांकि उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि वह दुखी थे कि आला कमान ने ओबीसी विभाग के लिए किए उनके कार्य की कदर नहीं की और विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद बोले गए कड़वे शब्दों के कारण उन्होंने यह कदम उठाया लेकिन बाद में ठंडे मन से उन्होंने निर्णय किया कि वह कांग्रेस पार्टी और खासकर सोनिया गांधी के लिए कार्य करते रहेंगे।

टिकट मिलते ही बोले भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा

मैं नहीं, खींवसर की जनता लड़ रही है चुनाव

खींवसर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। नागौर की खींवसर विधानसभा उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रेवंतराम डांगा को प्रत्याशी के रूप में चुना है। टिकट मिलते ही डांगा ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि मैं नहीं, खींवसर की जनता चुनाव लड़ रही है। उन्होंने इस चुनाव को खींवसर के लोगों की लड़ाई बताया और खुद को जनता का प्रत्याशी घोषित किया। जानकारी के मुताबिक, रेवंतराम डांगा टिकट की घोषणा के बाद देर रात खरनाल पहुंचे और लोकदेवता तेजाजी महाराज के मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। अगले दिन जयपुर रवाना होने से पहले उन्होंने दोबारा मंदिर में पूजा की और फिर समर्थकों के साथ नागौर के नाथूराम मिर्धा स्मारक पहुंचे। उन्होंने वहां नाथूराम मिर्धा की प्रतिमा पर माला अर्पित की।

खींवसर सीट पर इस बार का मुकाबला भी बेहद कड़ा होने की उम्मीद है। पिछले विधानसभा चुनाव में भी रेवंतराम डांगा ने आरएलपी (राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी) छोड़कर भाजपा का दामन थामा था और पार्टी ने उन्हें टिकट दिया था। उस चुनाव में आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल मात्र 2,059 वोटों से जीत पाए थे। अब भाजपा ने फिर से डांगा पर भरोसा जताया है। खींवसर सीट पर आरएलपी का दबदबा रहा है। 2019 के उपचुनाव में हनुमान बेनीवाल के भाई नारायण बेनीवाल ने कांग्रेस को हराकर यह सीट 4,630 वोटों से जीती थी। इससे पहले 2018 के विधानसभा चुनाव में हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस के सवाई सिंह चौधरी को 16,948 वोटों से हराया था। बेनीवाल पहले भाजपा से और फिर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भी चुनाव जीत चुके हैं।

हालांकि, हालात अब बदल रहे हैं। 2019 के बाद बीजेपी ने खींवसर में अपनी जड़ें मजबूत की हैं। पार्टी ने ज्योति मिर्धा जैसे बड़े कांग्रेस नेताओं को अपने पाले में लाकर आरएलपी के कई नेताओं को भी जोड़ लिया है। पिछले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आरएलपी के कई नेता बीजेपी में शामिल हुए, जिनमें रेवंतराम डांगा भी थे। बीजेपी के इस कदम ने पार्टी को तीसरे स्थान से उठाकर खासी मजबूती दी, जिससे हनुमान बेनीवाल मुश्किल से चुनाव जीत पाए। रेवंतराम डांगा को इस चुनाव में ज्योति मिर्धा का भी समर्थन मिल रहा है। मिर्धा ने बीजेपी के संगठन को खींवसर में मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। स्थानीय संगठन अब पूरी तरह से डांगा के साथ जुट गया है। उनकी जमीनी पकड़ और स्थानीय समर्थन से बीजेपी इस बार खींवसर सीट पर बड़ी जीत की उम्मीद कर रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज काफी सोच समझकर ही लोगों से बातचीत करनी चाहिए दिमाग को शान्त ही रखना पडेगा। आपके जीवनसाथी से तनाव कारण बन सकता हैं. आप-अपने परिचितों के साथ लेन-देन में सावधानी बरतें अन्यथा बाद में सम्बन्धों में गिरावट आ सकती है. किसी मित्र के सहयोग से आमदनी बढ सकती हैं धन की स्थिति में सुधार होगा. किसी अनुभवी की राय आपके लिए फायदेमंद रहेगी. स्वास्थ्य मे सुधार होगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज मन से दृढ होकर किसी भी काम को करेंगे वह अवश्य ही सफल होगा , परिणाम सार्थक और सकारात्मक होगा. जीवनसाथी के साथ थोड़ा समय बिताने, उसकी समस्याओं को ध्यान से सुनने और भावनाओं को बेहतर तरीके से समझने से संबंधों में मधुरता आएगी. आपके व्यक्तिगत जीवन में तनाव कम रहेगा , सामाजिक और राजनीति दोनो प्रकार का ही लाभ दिखेगा ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आपने घर के बड़ें बुजुर्गों के साथ धार्मिक यात्रा करनी पड़ेगी । माता-पिता की बातो को अनदेखा न करें । किसी काम को शुरू करने से पहले माता-पिता का आर्शीवाद लें, आपको फायदा जरूर होगा. अचानक धन लाभ का योग बन रहा है. आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिसके साथ बात करके आपकी दिनभर की थकान दूर हो जायेगी. परिस्थितियां भी आपके अनुकूल रहेगी. आपको दूसरो की मदद करतें रहना चाहिए मित्रों को निराश नही करना चाहिए ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज परिवार के सदस्यों से वाद विवाद हो सकता हैं जिससे मन दुखी होगा । पिछले कुछ समय से जिन गलतफहमियों की वजह से आपके रिश्ते ठीक नहीं चल रहे थे आज वह दूर हो सकते हैं. यात्रा कष्टदायी हो सकती है. अचानक सामने आने वाले कामों के लिए खुद को पहले से तैयार कर लें. जमीन संबंधी कोई लेन-देन कर रहे हैं, तो पहले अच्छे से उस जगह की जांच-पड़ताल कर लें. आज यात्रा कष्टदायक रहेगी जरूरी होतो गुड का सेवन करके यात्रा का आरंभ करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बुद्धि का जबर्दस्त परिचय आप समाज के सामने देंगे आप की प्रतिष्ठा बढेगी । प्रभावशाली वाणी होने के कारण लोगों से आप अपनी बात मनवा सकेंगे. इन कारणों से आप अपने व्यवसाय में अच्छा कर पाएंगे और प्रचुर लाभ कमा पाएंगे. यात्रा से भी लाभ मिलेगा. संतान या शिक्षा को लेकर यदि आप कोई प्रयास कर रहे थे, तो आपकी मेहनत का फल मिलने वाला है. परन्तु जीवनसाथी या मित्रों के साथ बिना वजह विवाद हो सकता है. स्वास्थ्य एकदम तंदुरुस्त रहेगा

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज हनुमान मंदिर मे गाय के घी का दीपक प्रज्वलित करें कार्य सिद्ध होंगे आज आप खुद को फिट महसूस करेंगे. नजदीकी लोगों के साथ समय बिताने से आपको ख़ुशी मिलेगी.कार्यालय में किसी काम को लेकर आपकी तारीफ होगी, जिससे आपका मन खुश रहेगा. जो लोग सरकारी काम से जुड़े हैं, उनको कोई बढ़िया ऑडर मिल सकता है. घर में शुभ-प्रसंगों का आयोजन हो सकता है. जीवन में खुशियां बरकरार रहेगी. नंदी को गेहूँ का भूसा खिलाए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज स्थान परिवर्तन का योग बनेगा आप स्थान परिवर्तन नही चाहते हैं तो नी मंगलवार को हनुमानजी को सिन्दूर चढ़ाए , घर मे सुख सुविधाओं की वृद्धि होगी परन्तु किसी बात को लेकर जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद होंगे. आत्मसम्मान मे कमी महसूस होगी . शाम को परिवार के साथ समय बितायेंगे. स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी चल रही है तो आज उससे राहत मिलेगी. आज कोई नजदीकी या प्रिय व्यक्ति मानसिक शांति बनाए रखने में मददगार होगा. मन उदास है तो शिव मंत्र का स्मरण करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का समय सफलताओं वाला हैं परन्तु पारिवारिक मामलों से संबंधित झगड़ा हो सकता है. यदि आप उनसे दूर रहेंगे तो आप प्रसन्न रहेंगे. सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्ति के लिए समय प्रतिकूल है नई परियोजनाएं अमल में लाएंगी. व्यवसाय में उन लोगों को अपने उद्यमों में बढ़ावा मिलेगा और नई व्यापार केन्द्र स्थापित करेंगे. बहुत बेचैनी हो तो किसी धार्मिक ग्रन्थों का आश्रय करें अथवा अपने ईष्टदेव का स्मरण करें

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नक्षत्र बल आप को पूरा सहयोग देगा अपना व्यापार बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे. रिश्तों में आपसी प्रेम बढेगा उधार दिया हुआ पैसा अचानक ही वापस मिल जायेगा. कोई रिश्तेदार आपके घर पर अचानक से आ सकते हैं. इससे घर का वातावरण कुछ बदल सकता है. बच्चे काफी खुश नजर आयेंगे. बिजनेस के क्षेत्र में बड़े-बड़े लोगों से मिलने में मदद मिलेगी, आपकी तरक्की सुनिश्चित है. प्रातः मंदिर के दर्शन करके दिन का शुभ आरंभ करना चाहिए रिश्ते मजबूत होंगे.शाम के वक्त परिवार के साथ डिनर का प्रोग्राम बनेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

हनुमानजी को चमेली की पुष्प माला अर्पित करें जिससे पैसों का दबाव खत्म हो जाएगा. राहत मिल सकती है. पैसों के क्षेत्र में कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं. आज आप बड़ा फायदा दिलाने वाली डील कर सकते हैं. भूमि भवन आदि खरीदने के योग बन रहे हैं. आत्म-विश्वास बनाए रखें, आज आप किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति का सामना आसानी से कर पाएंगे. रात्रि मे गहरी निंद्रा के लिए हल्का सुपाच्य भोजन करना होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप के विरोधी आप पर पैनी नजर बनाए हुए हैं अतः कार्य आरंभ से पूर्व अन्तिम क्षणों मे अपनी कार्य शैली को तुरन्त ही बदल ले आप के विरोधी पस्त हो जाएंगे । आज कुछ लोग बहुप्रतीक्षित सफलता प्राप्त करेंगे. आज आप वचनबद्धता से घिरे रह सकते हैं. किन्तु शुभ स्वास्थ्य हेतु तनाव मुक्त रहने की कोशिश करें. आपको परिवार और व्यापार में संतुलन बनाने की आवश्यकता पड़ सकती है. इसके साथ समाज ही आप को सामाजिक गतिविधियों मे सहयोगी बनना पडेगा

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप की पद प्रतिष्ठा में उन्नति हो सकती है. बिजनेस में अच्छी प्रगति के योग हैं. जीवनसाथी से भी मदद मिलती रहेगी. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. आपको अपने काम में सफलता जरूर मिलेगी. पैसों से जुड़े किसी मामले को सुलझाने के लिहाज से आज का दिन अच्छा है. आपकी कुछ नए-पुराने दोस्तों से भी मुलाकात हो सकती है. आज आप को काम से फुर्सत मिल जाए तो परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान भी बनना चाहिए।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 21 अक्टूबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 02:31 तक
नक्षत्र : रोहिणी प्रातः 06:50 तक
योग : वरियान प्रातः 11:09 तक
करण : कौलव 03:19 तक
चन्द्रराशि : वृषभ सायं 06:15 तक
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 05:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10 सूर्यास्त 05:57 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:024 , सूर्यास्त 05:49 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 05:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- चातुर्मास व्रती को कार्तिक मास में दाल खाना वर्जित है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

दिवाली से पहले पांच सपने देखना बेहद शुभ और मां लक्ष्मी की कृपा का संकेत

स्वप्न शास्त्र के अनुसार हर सपना हमें एक संकेत देता है । दिवाली जैसे खास त्योहार से पहले अगर आपको सपने में कुछ खास चीजें दिखें तो यह भी बहुत शुभ संकेत माना जाता है। आज हम आपको अपने आर्टिकल में इन्हीं चीजों के बारे में जानकारी देंगे। दिवाली या दिवाली से पहले सपने में इन चीजों को देखना बेहद शुभ माना जाता है। इन सपनों का मतलब यह है कि माता लक्ष्मी आप पर अपनी कृपा बरसाने वाली हैं। आइए इन सपनों के बारे में विस्तार से बताएं। दिवाली से पहले अगर किसी को सपने में कमल का फूल दिखे तो यह एक शुभ संकेत माना जाता है। ऐसे सपने के बाद आपके जीवन में सुख-समृद्धि आएगी। स्वप्न शास्त्र के अनुसार यह सपना आपके वैवाहिक जीवन में भी सुख और समृद्धि लाता है।

प्रत्येक व्यक्ति जीवन में पर्याप्त खुशहाली प्राप्त करना चाहता है। ऐसे में अगर आपको दिवाली से पहले सपने में पैसा या सोना दिखे तो यह बहुत ही शुभ संकेत माना जाता है। ऐसे सपने के बाद आपकी झोली खुशियों से भर सकती है। ऐसे सपने के बाद व्यक्ति को धन लाभ होता है। अगर दिवाली से पहले आप सपने में कोई मंदिर देखते हैं या खुद को उसकी पूजा करते हुए देखते हैं तो यह सपना भी आपके लिए शुभ है। इस सपने का मतलब है कि आप अपने पारिवारिक जीवन में खुश रहेंगे। इसके अलावा मां लक्ष्मी की कृपा से आपके घर में धन का आगमन भी होगा। इसके अलावा अगर आपको दिवाली से पहले सपने में कोई धार्मिक स्थल दिखाई दे तो समझ लें कि आपको शुभ समाचार मिल सकता है। यह सपना आपकी आध्यात्मिक प्रगति को भी दर्शाता है। दिवाली की पूर्व संध्या पर सपने में दीपक देखना भी बहुत शुभ संकेत होता है।हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा प्राप्त है। दिवाली से पहले सपने में गाय देखना भी बहुत शुभ होता है। इस सपने का अर्थ है कि आप जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में लाभ प्राप्त कर सकेंगे। धन संबंधी मामलों में भी आपको सफलता का अनुभव होगा।

अगर आपको दिवाली से पहले सपने में कोई पवित्र नदी जैसे गंगा, यमुना या साफ तालाब दिखाई दे तो यह बहुत ही शुभ संकेत माना जाता है। इस सपने का मतलब है कि माता लक्ष्मी आपके कार्यों से प्रसन्न हैं। ऐसा सपना देखकर आप उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। यह सपना आपकी वित्तीय क्षमताओं का विस्तार करने के लिए बनाया गया है।

पैसे आते ही खर्च हो जाते हैं, धन हाथ में टिकता ही नहीं, तो ये उपाय आज ही करें

महंगाई के समय में यूं तो जितना धन आए उतना कम पड़ जाता है । अगर हम बजट बनाकर चलते हैं और पैसे खर्च करते समय ध्यान रखते हैं कि फिजूल खर्ची तो नहीं हो रही, तो ऐसे में हम बचत कर सकते हैं। लेकिन इसके बावजूद भी अगर आपके पैसे नहीं टिकते, आने से पहले ही खर्चे तैयार रहते हैं तो आपको ये ज्योतिष उपाय करना चाहिए। धन का सही उपयोग कैसे किया जाए, यह एक महत्वपूर्ण सवाल है। अक्सर लोग कहते हैं कि पैसे नहीं आ रहे, लेकिन जो पैसा आता है उसका सही प्रबंधन और खर्च करने का तरीका भी बेहद ज़रूरी है। अगर आप पैसे का उपयोग अपने कपड़े खरीदने, उपहार देने या किसी महत्वपूर्ण काम में करते हैं, तो यह सही दिशा में हो रहा है। लेकिन पैसे का दुरुपयोग न करें, उसे व्यर्थ न गंवाएं।

पीली सरसों से समाधान

धन के उचित उपयोग और स्थिरता के लिए एक बहुत ही सरल उपाय है जो आपकी रसोई से ही आसानी से हो सकता है। पीली सरसों के कुछ दाने उठाकर उन्हें अपने बटुए, बैग या जहां भी आप अपना पैसा और कार्ड रखते हैं, वहां रखें। इसके बाद भगवान शिव का ध्यान करें। ऐसा करने से आपके पैसे की कभी कमी नहीं होगी और आप हमेशा धन्य महसूस करेंगे।

व्यवसाय और नौकरी में स्थिरता का उपाय

धन के आगमन को नियमित और स्थिर रखने के लिए ये उपाय करें। अगर आपको लगता है कि आपके व्यवसाय या नौकरी में अस्थिरता है, तो गोमती चक्र का उपाय इस समस्या का समाधान कर सकता है। गोमती चक्र भगवान विष्णु का प्रतीक माना जाता है।

इस चक्र के घुमावदार रेखाएं मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु के प्रतीक होती हैं। आपको एक छोटा और एक बड़ा गोमती चक्र लेना है और इसे सिंदूर में रख देना है। हमारी संस्कृति में सिंदूर को शुभ माना जाता है। इसके अलावा, आप एक गोमती चक्र को तांबे, पीतल या किसी धातु के बर्तन में रखकर अपने घर के मंदिर में स्थापित कर सकते हैं। यह एक मंडल बनाकर धन और स्थिरता को आकर्षित करता है।

रोगमुक्त जीवन के लिए ये हैं बुद्ध के 5 नियम, कभी नहीं होंगे बीमार

बुद्ध के जीवन में अद्वितीय ऊर्जा, तेजस्विता और स्वस्थता देखी गई, चाहे वह वृद्धावस्था में ही क्यों न हों। उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का रहस्य उनके जीवनशैली के नियमों में छिपा था। एक बार एक शिष्य ने उनसे पूछा कि इतने कम भोजन के बावजूद, आप हमेशा स्वस्थ और सक्रिय कैसे रहते हैं? बुद्ध ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया कि यह भोजन की मात्रा या प्रकार पर निर्भर नहीं करता, बल्कि भोजन को सही तरीके से ग्रहण करने और जीवन के कुछ नियमों का पालन करने पर निर्भर करता है। उन्होंने रोगमुक्त रहने के पांच प्रमुख नियम बताए, ये नियम क्या हैं आइए जानते हैं।

भोजन के प्रति जागरूकता

अगर आप रोगमुक्त जीवन चाहते हैं तो बुद्ध की इन बातों को ध्यान में रखते हुए भोजन करें। अगर कोई व्यक्ति किसी से बात करते हुए या अपने विचारों में डूबा हुआ भोजन करता है तो उसका मन भोजन से अलग रहता है। भोजन का प्रभाव तभी होता है जब उसे सही तरीके से ग्रहण किया जाए, मन को शांति और संतोष के साथ ही भोजन ग्रहण करना लाभकारी होता है।

सूर्यास्त के बाद भोजन न करें

बुद्ध ने कहा कि सूर्यास्त के बाद भोजन करने से बचना चाहिए। रात को भोजन करने से शरीर को उसे पचाने में समय लगता है जिससे शरीर अपनी मरम्मत की क्षमता को खो देता है।

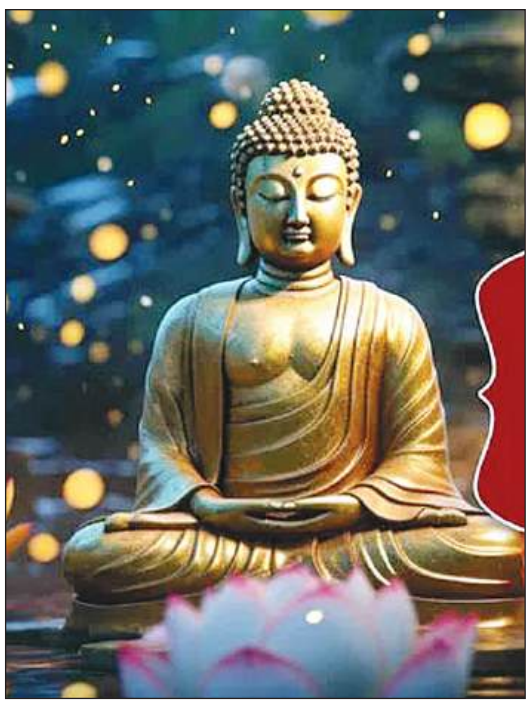

उन्होंने सुझाव दिया कि अगर रात को भोजन किया जाए तो वह हल्का और जल्दी पचने वाला हो।

सरल और पाच्य भोजन ग्रहण करें

महात्मा बुद्ध रोगमुक्त जीवन के लिए इस बात पर भी जोर देते हैं कि सबसे सरल और पचने योग्य भोजन, जैसे दाल-चावल होते हैं ऐसा भोजन करना चाहिए। यह भोजन न केवल स्वादिष्ट होता है बल्कि शरीर को आवश्यक ऊर्जा भी प्रदान करता है। उन्होंने मांसाहारी भोजन से बचने की सलाह दी क्योंकि उसमें हिंसा और पीड़ा के गुण समाहित होते हैं जो शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

भोजन पकाने वाले के भाव

बुद्ध ने कहा कि भोजन पकाने वाले के मनोभाव भी भोजन में समाहित होते हैं। भोजन प्यार, शांति और खुशी के भाव से बनाया गया हो, तो वह शरीर और मन दोनों को संतुष्टि देता है। वहीं, क्रोध या द्वेष के भाव से बना भोजन शरीर और मन दोनों को अशांत कर सकता है।

भोजन करते समय रीढ़ सीधी रखें

रोगमुक्त जीवन के लिए बुद्ध ने बताया कि भोजन करते समय रीढ़ सीधी रखना चाहिए। जब हमारी रीढ़ सीधी होती है तो भोजन आसानी से पेट में पहुंचता है और पचने की प्रक्रिया सुचारू रूप से होती है। झुकी हुई स्थिति में भोजन सही से नहीं पहुंचता और पाचन में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। बुद्ध के इन नियमों का पालन करके कोई भी व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकता है।

यहां से हुई थी छठ की शुरुआत, तालाब में नहाने से कुष्ठ रोगों से मिलती है मुक्ति!

श्रीकृष्ण के साथ जुड़ा है इतिहास

नालंदा जिले का बड़गांव, जो वैदिक काल से सूर्य मंदिर रहा है, आज भी श्रद्धालुओं के बीच एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यहां का सूर्य मंदिर अपनी ऐतिहासिकता और धार्मिक महत्व के कारण देशभर के भक्तों को आकर्षित करता है। बड़गांव में छठ पूजा का विशेष महत्व है। मान्यता है कि यहां पूजा करने से हर मुराद पूरी होती है। हर साल, चैत और कार्तिक माह में, लाखों श्रद्धालु यहां आकर छठ महापर्व मनाते हैं। छठ पूजा का यह आयोजन विशेष रूप से यहां के पवित्र सूर्य तालाब के किनारे होता है। भक्त सवेरे-सवेरे सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य देते हैं, जो कि इस परंपरा की एक महत्वपूर्ण विशेषता है।

कहा जाता है कि इस स्थान पर भगवान सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा की शुरुआत हुई, जो आज पूरे भारत में एक लोक आस्था के पर्व के रूप में स्थापित हो चुकी है। बड़गांव की इस धार्मिक परंपरा का प्रभाव इतना गहरा है कि ऐतिहासिक रूप से, भगवान कृष्ण ने भी युद्ध के लिए राजगीर जाते समय इस स्थान पर आकर भगवान सूर्य की आराधना की थी। यहां राजा साम्ब ने इस क्षेत्र में एक गड्ढे की खुदाई कर एक विशाल तालाब का निर्माण कराया। यह तालाब आज भी लोगों के लिए विशेष महत्व रखता है, जहां स्नान कर लोग कुष्ठ जैसे असाध्य रोगों से मुक्ति पाते हैं। तालाब की खुदाई में विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियां मिली हैं, जिनमें भगवान सूर्य, कल्प विष्णु, सरस्वती, लक्ष्मी और नवग्रह देवता शामिल हैं। राजा ने अपने दादा श्रीकृष्ण की सलाह पर तालाब के पास एक मंदिर का निर्माण कराया, जो 1934 में आए भूकंप में ध्वस्त हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तालाब से थोड़ी दूर एक नया मंदिर स्थापित किया, जहां सभी प्रतिमाओं को पुनर्स्थापित किया गया। यहां के सूर्य मंदिर में छठी माता, सूर्यदेव और सूर्यदेव के भाई की प्रतिमा स्थापित है जो कि तालाब से खुदाई के दौरान मिली थी।

यहां हर साल विशेषकर छठ महापर्व के दौरान, लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। श्रद्धालु इस पवित्र तालाब में स्नान कर पूजा अर्चना करते हैं, जिससे उन्हें अद्भुत अनुभव होता है। खासकर कार्तिक और चैत माह में यहां की रौनक बढ़ जाती है। इसके अतिरिक्त, अगहन और माघ माह में भी भक्त यहां आकर सूर्य देव को अर्घ्य देते हैं। बड़गांव का सूर्य पीठ न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और परंपरा का गहन प्रतीक भी है। इसकी ऐतिहासिकता और श्रद्धा का यह अनूठा संगम आज भी लोगों को खींचता है।

कैसा है भगवान विष्णु का विट्ठल स्वरूप?

क्यों पड़ा श्रीहरि का ये नाम, जानें पूजा का महत्व

हिन्दू धर्म में त्रिदेवों की भूमिका बहुत खास है और इनमें बात करें भगवान विष्णु की तो उन्होंने धरती और धर्म की रक्षा के लिए 10 अवतार लिए। इन अवतारों को दशावतार कहा जाता है और आप इनमें कई अवतारों के बारे में जानते भी होंगे। आपने श्रीहरि के अनेक नामों में से एक विट्ठल भी सुना होगा। खास तौर पर यह नाम महाराष्ट्र और कर्नाटक में सुनाई देता है, जहां लोग बड़े ही प्रेम और भक्ति के साथ यह नाम लेते हैं। इन क्षेत्रों में विट्ठल नाम से कई मंदिर हैं और भक्त पूरी श्रद्धा और समर्पण भाव से भगवान विट्ठल की पूजा करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं विष्णु जी का यह नाम कैसे पड़ा? इसके पीछे क्या है कथा? आइए जानते हैं

एक पौराणिक कथा में इस बात का उल्लेख मिलता है कि कैसे भगवान विष्णु का नाम विट्ठल पड़ा। कथा के अनुसार, एक बार की बात है जब भगवान विष्णु से देवी रुक्मिणी किसी बात को लेकर नाराज हो गईं। वे जब द्वारका से चली गईं तो श्रीहरि उन्हें ढुंढते हुए दिंडीवन पहुंचे और यहां उन्हें देवी रुक्मिणी मिल गईं। उसी समय वहां एक आश्रम में भगवान विष्णु का भक्त रहता था, जिसका नाम था पुंडलिक।

पुंडलिक भगवान विष्णु की खूब भक्ति करता था और साथ में अपने माता-पिता की सेवा भी करता था। ऐसे में भगवान विष्णु अपने भक्त से मिलने उसी समय देवी रुक्मिणी के साथ उनके आश्रम में पहुंचे। लेकिन तब पुंडलिक अपने माता-पिता की सेवा में व्यस्त था और ऐसे में जब श्रीहरि ने पुंडलिक से मिलने की बात कही तो भक्त ने भगवान को थोड़ा इंतजार करने को कहा।

कथा के अनुसार, पुंडलिक ने भगवान विष्णु को एक ईंट फेंककर कहा कि वह उस पर खड़े रहें और इंतजार करें। जिसके बाद भगवान ने अपने भक्त की बात मानी और ईंट पर खड़े होकर भक्त की प्रतीक्षा की और जब पुंडलिक उनके पास आया तो उससे वरदान मांगने को कहा।

पुंडलिक ने भगवान से सिर्फ छोटा सा निवेदन किया कि रुक जाएं और अपने भक्त की इस श्रद्धा को देख श्रीहरि उसी ईंट पर खड़े होकर, कमर पर हाथ रखकर, प्रसन्न मुद्रा में खड़े हो गए। कहा जाता है कि यह मुद्रा ही विट्ठल अवतार कहलाई और भगवान विष्णु का नाम 'विट्ठल' पड़ गया।

स्वर्ग से आया है ये पेड़! घर में लगा पौधा देगा सुख, सुगंध से तनाव होगा कम

प्रकृति में ऐसे अनेकों पौधे हैं जिनकी हिंदू धर्म में पूजा अर्चना की जाती है। यह पौधे आयुर्वेद में भी बहुत अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। कुछ पौधों का संबंध तो भूत प्रेत आत्माओं से भी होता है। ऐसा ही एक पौधा डगलस देवदार, इसे क्रिसमस ट्री के नाम से भी जाना जाता है। यह पौधा देखने में बहस सुंदर होता है इसलिए इसको गार्डन में प्रमुखता से उगाया जाता है।

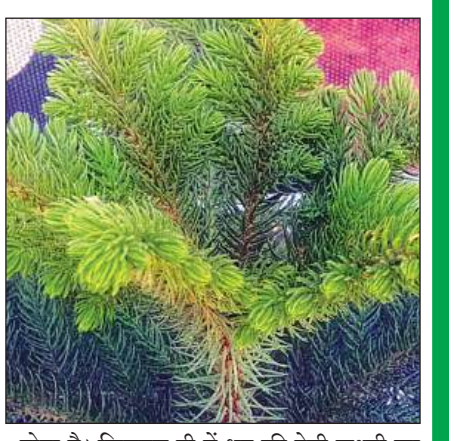

बहुत से लोग इस पौधे का संबंध ईसाई धर्म से जोड़ते हैं, लेकिन यह पेड़ हिंदू धर्म और स्थानीय मान्यताओं से भी जुड़ा हुआ है। धर्म विशेषज्ञ चंद्रप्रकाश ढांढण बताते हैं कि क्रिसमस ट्री का वास्तु शास्त्र में बड़ा महत्व है। इस पेड़ में धन की देवी लक्ष्मी जी का वास होता है। इस पौधे को बुरी आत्माओं को भगाने वाला पौधा भी कहां गया है। इसके अलावा क्रिसमस ट्री के पेड़ को स्वर्ग वृक्ष भी कहां जाता है। इस पेड़ की शाखाओं व तने पर सुइयों की तरह छोटे-छोटे कांटे बने होते हैं। यह इस पौधे को चौक आंगन व गार्डन व गमले में आसानी से लगाया जा सकता है। यह एक सदाबहार पौधा होता है।

घर में कैसे लगाएं क्रिसमस ट्री का पौधा

क्रिसमस ट्री गमले और मिट्टी दोनों तरीके से लगाया जा सकता है। गमले में लगाने के लिए लगभग एक-तिहाई हिस्सा ताज़ी मिट्टी और खाद का प्रयोग करें, फिर पौधे की जड़ों पर लगी मिट्टी को थोड़ा हटा लें और फिर गमले में रोपण कर दें और फिर पानी जरूर दें। क्रिसमस ट्री को हफ्ते में एक बार पानी देना चाहिए। इसको धूप की रोशनी में रखना चाहिए इससे पौधा अच्छा ग्रोथ करेगा। इसकी पत्तियां हरे से पीले रंग में बदलने लगे, तो इसकी देखभाल अच्छी तरह से करना चाहिए।

वास्तु के अनुसार धार्मिक महत्व

धर्म विशेषज्ञ चंद्रप्रकाश ढांढण ने बताया कि वास्तु शास्त्र के अनुसार क्रिसमस ट्री को समृद्धि वाला पौधा कहा गया है। इस पौधे को घर चौक आंगन में उत्तर पूर्व की दिशा में लगाना अच्छा होता है। क्रिसमस ट्री में धन की देवी लक्ष्मी का वास बताया गया है। इस पौधे को घर चौक आंगन में लगाना से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और पूरे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसलिए वास्तु शास्त्र के अनुसार क्रिसमस ट्री का पौधा लगाना शुभ माना गया है।

क्रिसमस में क्यों सजाते हैं ये पौधा

क्रिसमस ट्री को स्वर्ग वृक्ष भी कहां गया है। 25 दिसंबर को ईसा मसीह के जन्मदिन पर इस पौधे को विशेष सजाने का रिवाज है। इस पौधे पर सेब लटकाए जाते हैं। साथ ही रंगीन पत्तियों, कागज और लकड़ी के तिकोना तख्ते से भी सजाते हैं। कई जगह इस पेड़ को मोमबत्ती, ट्रॉफी और केक को रिबन और कागज की पत्तियों से सजाते हैं।

औषधीय गुणों से भरपूर

आयुर्वेदिक डॉक्टर किशन लाल ने बताया कि क्रिसमस ट्री के तने और फल का बना काढ़ा सांस, मानसिक तनाव, और यूरिन से जुड़ी समस्याओं में आराम देता है। इस पौधे के काढ़ा पीने से शरीर की सूजन खत्म होती है और किडनी, पेट से जुड़ी परेशानियां भी दूर हो जाती है। इसके अलावा क्रिसमस ट्री के पेड़ से आने वाली सुगंध काफी अच्छी होती है, इसकी सुगंध से तनाव कम होता है। इसमें बैक्टीरिया, कीड़े, और कवक को दूर भगाने के गुण होते हैं। इसलिए इसे आंगन में जरूर लगाना चाहिए।

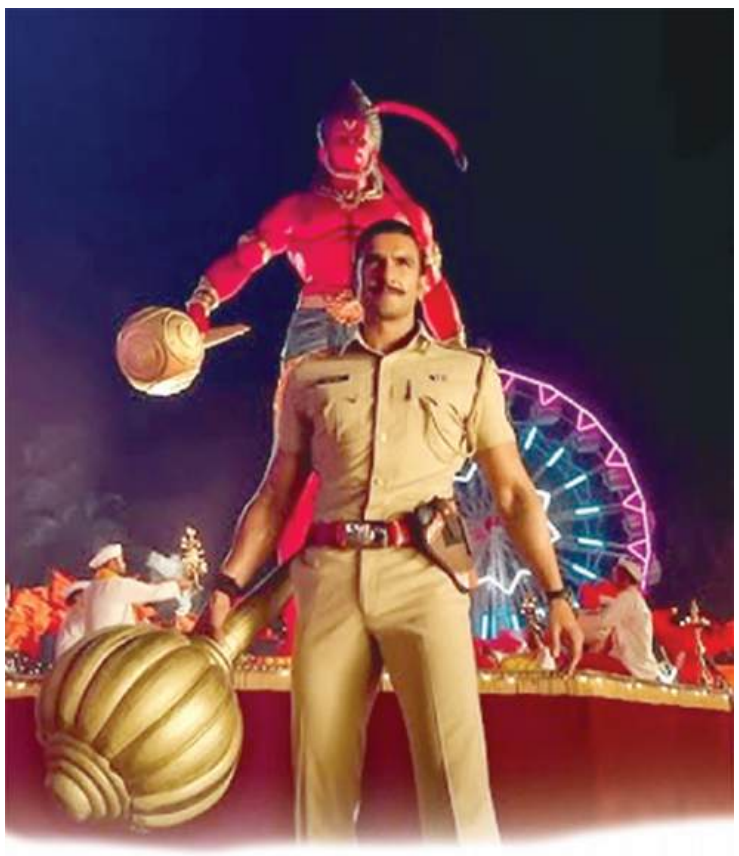

सिंघम अगेन का जय बजरंग बली सॉन्ग रिलीज

हनुमान चालीसा की धुन कर देगी रोंगटे खड़े

रोहित शेट्टी की आने वाली फिल्म सिंघम अगेन का पहला गाना जय बजरंगबली रिलीज हो गया है। यह गाना हनुमान चालीसा से प्रेरित है। 1 नवंबर, 2024 को फिल्म की रिलीज से पहले जय बजरंग बली सॉन्ग को रिलीज करते हुए मेकर्स ने सिंघम अगेन को लेकर उत्सुकता जगा दी है। यह गाना शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की परंपरा को जारी रखते हुए, फिल्म के एक्शन सीन के लिए टोन सेट करता है।जय बजरंग बली सॉन्ग हनुमान चालीसा से प्रेरित है जो इस ट्रैक में चार चांद लगा रही है। इस ट्रैक में रणवीर सिंह को हनुमान की तरह दिखाया गया है जो अजय देवगन से मिलते हैं और सीता के रूप में करीना को वापस लाने में उनकी मदद करते हैं। ट्रैक रिलीज होते ही फैंस कमेंट सेक्शन में खूब तारीफ कर रहे हैं। एक ने लिखा- वाव सुपर डुपर हिट। एक ने लिखा- राम और हनुमान जी की जोड़ी का हम इंतजार कर रहे हैं। एक ने कमेंट किया- ब्लॉकबस्टर मूवी।हाल ही में सिंघम अगेन का ट्रेलर रिलीज हुआ जिसे फैंस ने बहुत प्यार दिया। मेकर्स ने सिंघम अगेन का ट्रेलर 7 अक्टूबर को रिलीज किया। ट्रेलर में कलयुग के रामायण और मराठा साम्राज्य का जबरदस्त कॉम्बिनेशन देखने को मिला है। ट्रेलर में अजय देवगन जहां राम, करीना कपूर मॉर्डन सीता (आनवी), टाइगर श्रॉफ - लक्ष्मण, रणवीर सिंह- बजरंगबली, अक्षय कुमार- जटायु को रिप्रेजेंट कर रहे हैं। वहीं, अर्जुन कपूर को रावण का रोल अदा कर रहे है। दीपिका पादुकोण लेडी सिंघम के अवतार में नजर आई है। ट्रेलर देशभक्ति और गहन ड्रामा से भरपूर है। फिल्म के ट्रेलर को महज 24 घंटे के अंदर 138 मिलियन व्यूज मिले हैं और ये अब तक का सबसे बड़ा ट्रेलर भी है इसका रनटाइम 4 मिनट 58 सेकंड लंबा है।सिंघम अगेन में अजय देवगन, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ, अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं। सिंघम अगेन बॉक्स ऑफिस पर कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया से क्लैश करेगी।

बाहुबली 3 के लिए फिर साथ आएंगे प्रभास और एसएस राजामौली

निर्माता का खुलासा

साउथ के सुपरस्टार कहे जाने वाले प्रभास की फिल्म बाहुबली: द बिगिनिंग को 10 जुलाई, 2015 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, जिसकी सफलता के बाद 2017 में इस फिल्म की सीक्वल बाहुबली 2: द कन्क्लूजन आया और इसे भी दर्शकों का खूब प्यार मिला। इन दोनों फिल्मों का निर्देशन एसएस राजामौली ने किया था।अब खबर आ रही है कि बाहुबली की तीसरी कड़ी बाहुबली 3 पर जल्द काम शुरू होने वाला है।बाहुबली 3 के लिए प्रभास एक बार फिर राजामौली के साथ हाथ मिलाने वाले हैं।इस बात का खुलासा जाने-माने फिल्म निर्माता केई ज्ञानवेल राजा ने किया है, जो इस वक्त सूर्या, दिशा पाटनी और बॉबी देओल जैसे सितारों से सजी फिल्म कंगुवा को लेकर चर्चा में हैं।हाल ही में एक साक्षात्कार में ज्ञानवेल ने बाहुबली 3 पर मुहर लगाई। इसके साथ उन्होंने खुलासा किया कि फिल्म की कहानी पर काम जल्द शुरू हो जाएगा।ज्ञानवेल ने कहा, फिल्म बाहुबली 3 बन रही है। पिछले हफ्ते मैंने फिल्म के निर्माताओं के साथ बातचीत की है। उन्होंने बाहुबली और बाहुबली 2 को एक के बाद एक बनाया, लेकिन अब निर्माता कुछ अंतराल के बाद बाहुबली 3 की योजना बना रहे हैं।बता दें कि बाहुबली ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 118.7 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, वहीं बाहुबली 2 510.99 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।

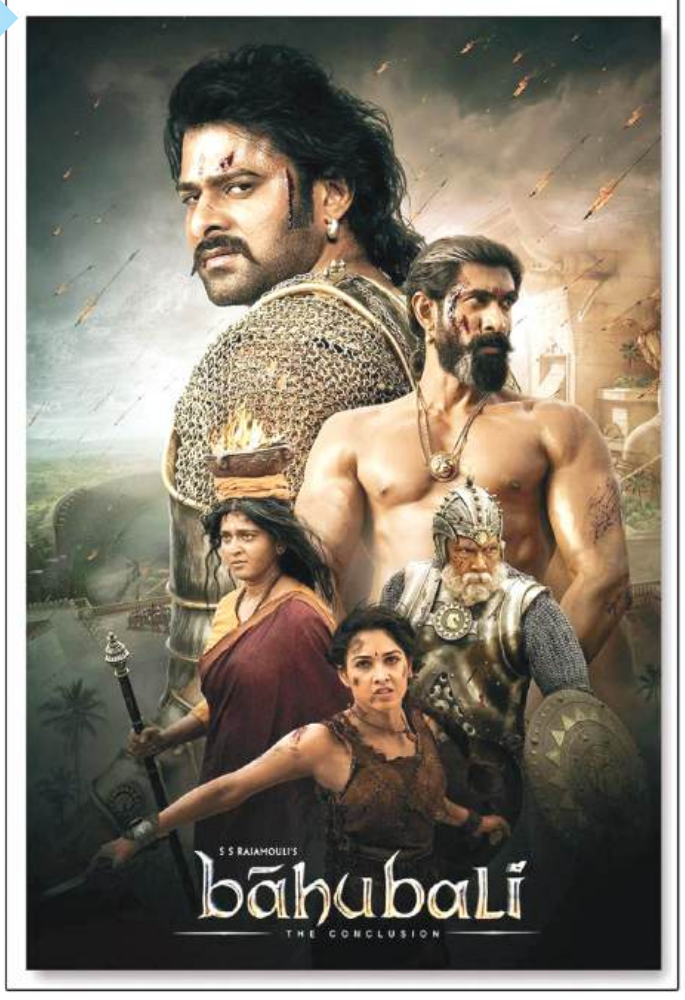

बॉक्स ऑफिस पर विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने वसूल ली लागत, जिगरा का संघर्ष जारी

बीते 11 अक्टूबर को 2 हिंदी फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थीं। एक विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और दूसरी जिगरा। दोनों फिल्मों से दर्शकों की उम्मीदें बंधी थीं, लेकिन इनमें से किसी ने भी बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं किया और ना ही दर्शकों या समीक्षकों से इन्हें हरी झंडी मिली।फिल्में रिलीज के दूसरे हफ्ते में प्रवेश कर चुकी हैं।आइए जानते हैं टिकट खिड़की पर दोनों फिल्मों का हाल।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और जिगरा दोनों ही सिनेमाघरों में मुश्किल दौर से गुजर रही है। हालांकि, दोनों की तुलना करें जिगरा, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से पीछे चल रही है।

फिल्मों को सिनेमाघरों में आए करीब 8 दिन गुजर चुके हैं। दोनों ही फिल्मों का खूब प्रचार हुआ, लेकिन परिणाम निल बटा सन्नाटा ही रहा। मतलब साफ है कि फिल्म में दम न हो तो कोई प्रमोशन और कोई भी तिकड़म काम नहीं आ सकता।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, जिगरा ने 8वें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को 1।15 करोड़ रुपये की कमाई की है, जो अब तक की कमाई का सबसे कम आंकड़ा है। यह अब तक 23।60 करोड़ रुपये बटोर पाई है।उधर विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की रफ्तार जिगरा से थोड़ी तेज दिखी है। फिल्म ने शुक्रवार को 1।35 करोड़ रुपये की कमाई की है और कुल मिलाकर इसने करीब 28।35 करोड़ के आसपास का कारोबार कर लिया है।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को करीब 20-30 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया। मतलब यह कि फिल्म ने अपना बजट वसूल लिया है।उधर जिगरा का बजट 90 करोड़ रुपये बताया जा रहा है और 8 दिनों में ये अपनी लागत का आधा पैसा भी नहीं कमा सकी है। ऐसे में साफ है कि फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर हाल-बेहाल है, वहीं विक्की विद्या का वो वाला वीडियो जिगरा को पछाड़कर आगे निकल गई है।जिगरा की कहानी है बहन सत्या (आलिया भट्ट) और उसके भाई अंकुर (वेदांग रैना) की। इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक हादसे के बाद सत्या अपने भाई अंकुर के लिए एक ऐसा सुरक्षा कवच बन जाती है, जिसे भेद पाना असंभव है।उधर विक्की विद्या।।। की कहानी विक्की (राजकुमार राव) और विद्या (तृप्ति डिमरी) पर आधारित है, जो अपनी शादी के बाद पहली रात को यादगार बनाने के लिए वीडियो बनाते हैं, लेकिन वह वीडियो खो जाता है।

सुजॉय घोष की फिल्म किंग में शाहरुख खान निभाएंगे हत्यारे की भूमिका

अभिनेता शाहरुख खान पिछली बार फिल्म डंकी में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया।85 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 212।42 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।पिछले कुछ समय से शाहरुख अपनी को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान सुजॉय घोष ने संभाली है।अब इस फिल्म में शाहरुख के किरदार से जुड़ी महत्वपूर्ण खबर सामने आ रही है।रिपोर्ट के मुताबिक, किंग में शाहरुख एक हत्यारे की भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन करते दिखाई देंगे।किंग खान को एक बार फिर खलनायक के किरदार में देखने के लिए प्रशंसक उत्साहित हो गए हैं। इससे पहले उन्होंने बाजीगर, अंजाम और डर जैसी फिल्म में नकारात्मक किरदार निभाया है।इस फिल्म की कहानी सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर होने वाली है।शाहरुख की किंग इसलिए ज्यादा खास है, क्योंकि इसके जरिए वह पहली बार अपनी बेटी और अभिनेत्री सुहाना खान के साथ काम करने वाले हैं।इस फिल्म में अभिषेक बच्चन भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अभय वर्मा भी फिल्म का हिस्सा हैं।किंग की कहानी लिखी जा चुकी है और अगले साल की शुरुआत में यानी जनवरी, 2025 में फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी।यह फिल्म ईद, 2026 के खास मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

आगामी फिल्म किंग

कंगुवा का दूसरा गाना वामोस ब्रिंकर बेबी 21 अक्टूबर को होगा रिलीज, सूर्या करते दिखेंगे पार्टी

तमिल सुपरस्टार सूर्या अपनी अपकमिंग फिल्म कंगुवा की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। कंगुवा अगले महीने रिलीज होने जा रही है। इससे पहले साल 2024 की सबसे महंगे बजट की फिल्म कंगुवा का दूसरा गाना वामोस ब्रिंकर बेबी रिलीज होने जा रहा है। कंगुवा के मेकर्स स्टूडियो ग्रीन ने गाने वामोस ब्रिंकर बेबी का टाइटल पोस्टर भी शेयर किया है। साथ ही पोस्टर पर गाने की रिलीज डेट भी लिखी हुई है। सॉन्ग वामोस ब्रिंकर बेबी कब रिलीज होगा।वामोस ब्रिंकर बेबी के पोस्टर पर नजर डाले थे, सूर्या एक गाड़ी पर हाथ में बोतले लिए झूमते दिख रहे हैं और वहीं उनकी बगल में उनकी हीरोइन बैठी हुई है। सनसेट का नजारा पोस्टर को रोमांटिक बना रहा है, लेकिन यह एक पार्टी सॉन्ग बताया जा रहा है, जिसे पुष्पा के म्यूजिक डायरेक्ट देवी सिंह प्रसाद ने कंपोज किया है। बता दें, सॉन्ग वामोस ब्रिंकर बेबी आगामी 21 अक्टूबर को रिलीज होने जा रहा है।अपने सोशल मीडिया पर मेकर्स ने फिल्म के दूसरे सिंगल, वामोस ब्रिंकर बेब की रिलीज की घोषणा करते हुए एक कमाल का पोस्टर शेयर किया है। साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा है, रात भर नाचने के लिए तैयार हो जाइए, कंगुवा से दूसरा सिंगल 21 अक्टूबर को होगा रिलीज, देवी सिंह प्रसाद म्यूजिकल।शिवा के डायरेक्शन में बनी फिल्म कंगुवा में बॉबी देओल विलेन बनकर सूर्या से लड़ते दिखेंगे। साथ ही फिल्म में दिशा पटानी और कॉमेडी एक्टर योगी बाबू भी नजर आएंगे। फिल्म कंगुवा 14 नवंबर को रिलीज होने जा रही हैं।बता दें, कंगुवा के प्रोड्यूसर ज्ञानवेल राजा ने दावा किया है कि फिल्म वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 2000 करोड़ रुपये का बिजनेस करेगी। अगर ऐसा हुआ तो कंगुवा इंडियन सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन जाएगी।

रेखा, जया, परवीन नहीं इस एक्ट्रेस ने बिग बी के साथ दी 11 हिट फिल्में

अमिताभ बच्चन के साथ किसी हीरोइन की जोड़ी का सवाल आता है तो सबसे पहले नाम रेखा का याद आता है। बिग बी के कुछ डाई हार्ड फैन्स को शायद परवीन बाबी का नाम भी याद आता होगा। कुछ लोगों को अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की रियल लाइफ जोड़ी ही रील लाइफ में भी ज्यादा पसंद आती होगी। लेकिन आपको जानकर ताज्जुब होगा कि अमिताभ बच्चन के साथ सबसे ज्यादा हिट फिल्म देने वाली एक्ट्रेस में इन तीन में से किसी का भी नाम शामिल नहीं है। जिस एक्ट्रेस ने अमिताभ बच्चन के साथ एक या दो नहीं बल्कि पूरी 11 फिल्में हिट दी हैं, वो एक्ट्रेस कोई और ही है। जिसने बिग बी की ऑनस्क्रीन लव इंटरेस्ट के अलावा उनकी मां का भी किरदार अदा किया है।

ये है वो एक्ट्रेस

हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं वो हैं राखी। राखी भी फिल्म इंडस्ट्री की एक दमदार और हिट अदाकारा रही हैं। जिन्होंने एक लंबी फिल्मी पारी खेली है। अपनी फिल्मी पारी में उन्होंने धर्मेंद्र, शशि कपूर, शत्रुघ्न सिन्हा और अमिताभ बच्चन जैसे तमाम बड़े सितारों के साथ काम किया है। अपने फिल्मी करियर में राखी ने अमिताभ बच्चन के साथ करीब 13 फिल्मों में काम किया। आपको जानकर ताज्जुब होगा कि इन 13 फिल्मों में से सिर्फ दो ही फिल्म फ्लॉप रहीं। इसके अलावा 11 फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खूब जम कर पैसे कूटे हैं।

सबसे ज्यादा किया ऑनस्क्रीन रोमांस

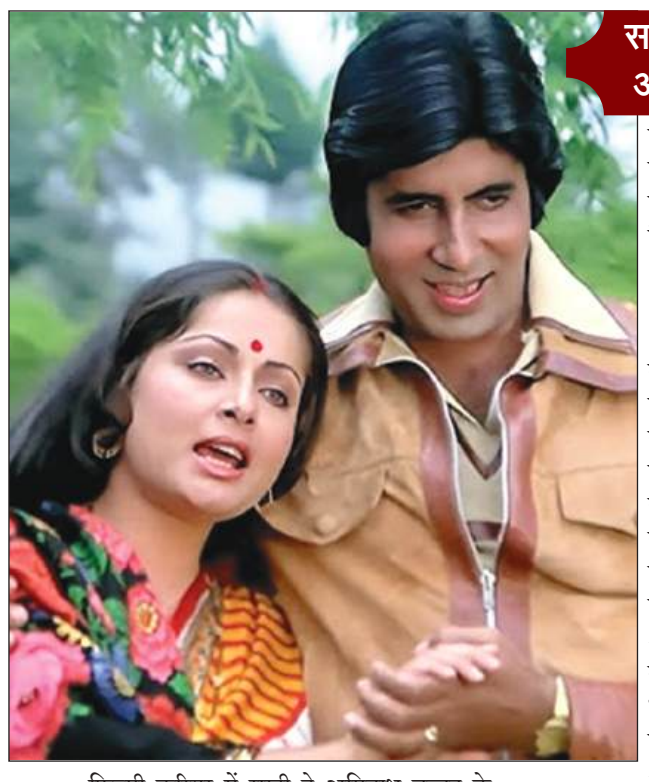

प्रेमिका से लेकर मां तक का किरदार

राखी ने अमिताभ बच्चन के साथ हर तरह का रोल निभाया है। वो फिल्मों में अमिताभ बच्चन का लव इंटरेस्ट रहीं तो उनकी मां बनकर भी आईं। फिल्म कभी कभी, बरसात की एक रात, कसमें वादे, बेमिसाल और त्रिशूल जैसी मूवीज में राखी पर्दे पर बिग बी की हीरोइन बनकर आईं। इसके बाद मूवी शान में राखी ने अमिताभ बच्चन की भाभी का दमदार रोल अदा किया। फिल्म शक्ति अगर आपको याद हो तो बता दें कि इस फिल्म में राखी बिग बी की मां बनी थीं और दिलीप कुमार की पत्नी।

बाबा विश्वनाथ की कृपा से पूरा हो रहा स्वस्थ और समर्थ भारत का मिशन : मोदी

प्रधानमंत्री ने आर जे शंकर नेत्र चिकित्सालय का उद्घाटन किया

वाराणसी, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वाराणसी में आर जे शंकरा नेत्र चिकित्सालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने काशीवासियों और पूरे पूर्वांचल को इस आधुनिक अस्पताल की सौगात मिलने पर बधाई दी। उन्होंने इसे काशी के लिए आधुनिकता और आध्यात्मिकता का संगम बताया और कहा कि भगवान शंकर की नगरी में स्थापित यह अस्पताल यहां के बुजुर्गों, बच्चों और गरीबों को बेहतर नेत्र चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ और समर्थ युवा पीढ़ी ही विकसित भारत के संकल्प को पूरा कर सकेगी। उन्होंने कहा कि इस मिशन में शंकराचार्य का आशीर्वाद उनके साथ है और बाबा विश्वनाथ की कृपा से यह मिशन सफल होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि काशी के लिए यह दिन विशेष है, क्योंकि इस आधुनिक नेत्र चिकित्सालय की स्थापना से पूर्वांचल को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि यह अस्पताल केवल नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा देगा। यहां मेडिकल कॉलेज के छात्रों को प्रैक्टिस का अवसर मिलेगा, वहीं सपोर्ट स्टाफ के रूप में नौकरियों के भी रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा, काशी अनंत काल से धर्म और संस्कृति की राजधानी रही है, और अब यह स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी अग्रणी हो रही है। काशी अब यूपी के बड़े आरोग्य केंद्र यानी हेल्थकेयर हब के रूप में उभर रही है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में शंकराचार्य जी के आशीर्वाद को विशेष रूप से याद किया। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह बहुत संतोष का विषय है कि शंकराचार्य जी के मार्गदर्शन में मैंने कई कार्य पूरे किए हैं। उनके आशीर्वाद से पूर्वांचल को यह आधुनिक अस्पताल मिला है। यह मेरे संसदीय क्षेत्र के लोगों के लिए एक बड़ी सौगात है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें शंकराचार्यों का सानिध्य और स्नेह प्राप्त हुआ, और यह उनके जीवन का बड़ा सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि जगद्गुरु शंकराचार्य का काशी आना और यहां के जनप्रतिनिधि के रूप में उनका स्वागत करना उनके लिए एक व्यक्तिगत संतोष का विषय है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर अपने मित्र और व्यापार जगत के प्रसिद्ध व्यक्ति राकेश झुनझुनवाला को भी याद किया। उन्होंने कहा, झुनझुनवाला जी की व्यापार जगत में एक विशिष्ट पहचान थी, लेकिन वह सेवा कार्यों से भी जुड़े थे। उनकी विरासत को उनका परिवार आगे बढ़ा रहा है, और यह अस्पताल उसी का एक प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर झुनझुनवाला के सेवा कार्यों की सराहना की और कहा कि उनका योगदान समाज के लिए प्रेरणादायक रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वांचल में पिछले एक दशक में हुए स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, आज से 10 साल पहले पूर्वांचल में दिमागी बुखार जैसी गंभीर बीमारियों के लिए ब्लॉक स्तर पर उपचार की कोई सुविधा नहीं थी। लेकिन आज, 100 से अधिक केंद्र इन बीमारियों के इलाज के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 10,000 से अधिक बेड जोड़े गए हैं। इसके अलावा, गांवों में 5,500 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं, और 20 से अधिक डायलिसिस यूनिट अब काम कर रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति पुरानी सोच और अप्रोच को पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी भारत की नई राजनीति के पांच स्तंभ हैं। पहला बीमारी से पहले का बचाव, दूसरा बीमारी की समय पर जांच, तीसरा मुफ्त और सस्ता इलाज एवं दवाइयां, चौथा छोटे शहरों में अच्छा इलाज और डॉक्टरों की उपलब्धता और पांचवां टेक्नोलॉजी का विस्तार।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को बीमारी से बचाना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है, क्योंकि बीमारी गरीब को और गरीब बना देती है। बीते 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं, लेकिन एक गंभीर बीमारी उन्हें फिर से गरीबी में धकेल सकती है। इसी कारण सरकार पोषक खानपान और टीकाकरण पर विशेष जोर दे रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 10 साल पहले करोड़ों बच्चे टीकाकरण से वंचित थे। उन्होंने मिशन इंद्रधनुष की शुरुआत की, जिससे टीकाकरण की दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उन्होंने बताया कि यह अभियान कोरोना काल में भी काफी मददगार साबित हुआ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीमारी का समय पर पता लगना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि उसका इलाज। इसी उद्देश्य से देशभर में आरोग्य धाम मंदिर, क्रिटिकल केयर ब्लॉक, और आधुनिक लैब का नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही डिजिटल हेल्थ आईडी और ई-संजीवनी ऐप के माध्यम से घर बैठे परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने छोटे शहरों में बड़े अस्पतालों के विस्तार का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि बीते पांच वर्षों में हजारों नई मेडिकल सीटें जोड़ी गई हैं, और अगले पांच वर्षों में 75,000 नई मेडिकल सीटें और जोड़ी जाएंगी।

इसके साथ ही, ड्रोन टेक्नोलॉजी को भी स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि बिहार में भी शंकर नेत्रालय जैसे अस्पताल खोले जाएंगे, ताकि वहां के मेहनती और परिश्रमी लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।

उद्घाटन समारोह में कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य जगद्गुरू स्वामी विजयेन्द्र सरस्वती का आशीर्वाद लेने के बाद प्रधानमंत्री ने उन्हें धन्यवाद दिया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, डॉ. बालासुब्रमण्यम, रेखा झुनझुनवाला और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

किसानों के कल्याण पर बोले सीएम योगी आदित्यनाथ

रसायन मुक्त खेती से ही मिट्टी और मानव दोनों का भला

लखनऊ, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रसायनमुक्त खेती पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इसी से मिट्टी और मानव दोनों का भला होगा। सहफसली से किसानों की आय बढ़ेगी। सीएम योगी ने कहा, हमें गंभीर बीमारियों से बचने के लिए रसायनमुक्त खेती की ओर बढ़ना होगा। इससे किसानों की आय भी बढ़ेगी और प्राकृतिक खेती करने में उत्पादन लागत भी कम होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में कुछ प्रगतिशील किसान इस दिशा में बेहतर काम कर रहे हैं। बिजनौर में एक प्रगतिशील किसान टिश्यू कल्चर से गन्ना की खेती से तीन गुना तक उत्पादन ले रहा है।

आम तौर पर पूर्वी यूपी में 100-150 क्विंटल प्रति एकड़, पश्चिमी यूपी में 300 क्विंटल प्रति एकड़ गन्ने की पैदावार होती है। वहीं, बिजनौर का यह प्रगतिशील किसान 900 क्विंटल प्रति एकड़ तक पैदावार ले रहा है। यह किसान खुद ही गन्ने के रस से सिरका बनाकर बाजार में आपूर्ति करना है। इस तरह की उद्यमशीलता किसानों के जी-वनस्तर में बड़ा बदलाव लाने में सक्षम है।

प्राकृतिक या जैविक खेती करने वाले किसानों को अपनी उपज की मार्केटिंग करने में आने वाली दिक्कतों और उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाने के मसले पर सीएम ने कहा कि जीरो बजट और प्राकृतिक खेती में रसायनिक खाद और कीटनाशक इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं होती है। इससे लागत में प्रति एकड़ 10-15 हजार रुपए तक की कमी आ जाती है। सीएम ने कहा कि किसानों को इस तरह से ली जाने वाली पैदावार का प्रमाणीकरण (सर्टिफिकेशन) लेना जरूरी है। इससे बाजार में अपेक्षाकृत बेहतर दाम भी मिलता है। हम प्रमाणीकरण के लिए हर मंडी में व्यवस्था कर रहे हैं। किसान बीज से बाजार तक, हर स्तर पर प्रमाणीकरण करवाकर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। एक बार इस ओर बढ़ें तो किसानों के लिए आय में वृद्धि के रास्ते खुद ही खुलते जाते हैं।

सीएम ने प्राकृतिक खेती से मिलने वाली उपज के लाभ भी साझा किए। सीएम ने कहा कि प्राकृतिक खेती से मिलने वाली उपज की गुणवत्ता अच्छी होती है। यह साफ-सुथरी भी होती है। इसकी महक भी इतनी अच्छी होती है कि उपभोक्ता भी अच्छे दाम देने को तैयार हो जाते हैं। सीएम ने कहा कि कैंसर, किडनी और लिवर की गंभीर बीमारियों से बचने के लिए रसायन मुक्त खेती की ओर जाना होगा। इससे मानव और मिट्टी दोनों का स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

प्राकृतिक खेती को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए उठाए जा रहे कदम के बारे में सीएम योगी ने कहा कि सरकार इस दिशा में काफी गंभीरता से काम कर रही है। हर विद्यालय में पुस्तकालय स्थापित किए गए हैं। समाचार पत्रों के माध्यम से भी विद्यार्थियों को प्राकृतिक खेती समेत तमाम विषयों की जानकारी दिए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। किसान विकास केंद्र (केवीके) और कृषि विवि के साथ मिलकर मीडिया भी इस दिशा में जागरूकता लाने में अपना योगदान दे सकता है।

लखनऊ में 250 साल पुराने शिव मंदिर पर वक्फ बोर्ड ने किया दावा

लखनऊ, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। लखनऊ में वक्फ बोर्ड ने 250 साल पुराने शिवालय मंदिर को अपनी सम्पत्ति होने का दावा किया है। यह मामला सआदतगंज के शिव मंदिर से जुड़ा है, जिसे वक्फ बोर्ड ने अपने दस्तावेजों में दर्ज कर लिया है।

सआदतगंज का यह शिवालय लगभग 250 वर्ष पुराना है और स्थानीय लोगों के लिए यह एक श्रद्धा का केंद्र है। जबकि, वक्फ बोर्ड ने पिछले आठ वर्षों में इस मंदिर को अपने कब्जे में लेने का दावा किया है। स्थानीय निवासी, लक्ष्मण, ने कहा कि हम नहीं समझ पा रहे हैं कि वक्फ का दावा कैसे संभव है। यह मंदिर सनातन धर्म का केंद्र है और यहां वर्षों से पूजा अर्चना होती आई है।

वक्फ बोर्ड का दावा है कि मंदिर की भूमि वक्फ की सम्पत्ति है। इसके पीछे का कारण एक कागज है जो यह दर्शाता है कि खसरा नंबर 1944 शिवालय के नाम पर दर्ज है। 2016 में वक्फ बोर्ड ने इसे अपनी सम्पत्ति घोषित किया।

इस प्रक्रिया में कुछ हलफनामे भी शामिल हैं, जिसमें कहा गया है कि यह भूमि वक्फ में दर्ज की जानी चाहिए। सैयद अब्बास आमिर का एक हलफनामा भी इस मामले में सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि शिवालय की जमीन को वक्फ में शामिल किया जाना आवश्यक है। यह दावे इस बात की ओर इशारा करते हैं कि शायद कोई प्रशासनिक लापरवाही या राजनीतिक दबाव काम कर रहा है।

एक मंदिर की जमीन वक्फ की सम्पत्ति कैसे हो सकती है? वक्फ सम्पत्ति केवल उन जमीनों पर लागू होती है जो मुसलमानों द्वारा दान की गई हों लेकिन कोई भी मुस्लिम व्यक्ति मंदिर लिए दान नहीं कर सकता, इसलिए वक्फ बोर्ड के दावे पर निश्चित रूप से सवाल उठेगा।

इस पूरे मामले को और भी गंभीर बनाता है वक्फ बोर्ड की गतिविधियां, जिसमें उन्होंने न केवल मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जा किया। इसके बाद वक्फ बोर्ड ने यह जमीन माफिया मुख्तार अंसारी की पत्नी अफशां अंसारी को पट्टे पर दे दी। आरोप है कि अफशां अंसारी ने वक्फ बोर्ड से लीज पर ली गई जमीन को प्लॉटों में बांटकर बेच दिया। यह सब तब हुआ जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार थी।

10 वर्ष में काशी में 44 हजार करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत: योगी

वाराणसी, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। वाराणसी में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक ओर जहां इंफ्रास्ट्रक्चर में रोजगार के नए-नए माध्यम सृजित हुए हैं, वहीं दूसरी ओर देश के अंदर आम नागरिक के जीवन से जुड़ी स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य योजनाएं भी नए रूप में देखने को मिली हैं। सौभाग्य है कि नए भारत के नेतृत्वकर्ता के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के काशी से देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। अपनी आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए नए काया और कलेवर के रूप में 10 वर्ष में बदलती काशी को पूरा देश-दुनिया देख रही है। सीएम योगी ने कहा कि 10 वर्ष में केवल काशी में ही 44 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं। 34 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि 10 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। दीपावली के ठीक पहले आज काशीवासियों को 3200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उपहार प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित किया। सीएम ने अंगवस्त्र ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न प्रदान कर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। सीएम योगी ने कहा कि 10 वर्ष में हमने बदलते हुए नए भारत को देखा है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार होते और मूर्त रूप लेते देखा है। भारत ने प्रत्येक क्षेत्र में विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। रोड, एयर कनेक्टिविटी, वाटरवे या रेलवे-पब्लिक ट्रांसपोर्ट, नगरीय क्षेत्रों की मेट्रो व रैपिड रेल की सुविधा हो, प्रत्येक क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर का आज आधुनिक मॉडल देखने को मिला है। दीपावली के ठीक पहले पीएम के करकमलों से काशीवासियों, प्रदेशवासियों और देशवासियों को 6700 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उपहार प्राप्त हो रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा की ऐतिहासिक विजय पर प्रदेशवासियों व काशीवासियों की तरफ से पीएम का स्वागत-अभिनंदन किया।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम के करकमलों से काशी में एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन के शिलान्यास, आगरा में नए एयरपोर्ट के शिलान्यास व सहारनपुर के सरसावा एयरपोर्ट के लोकार्पण हो रहा है। इसके लिए सहारनपुर व आगरा के नागरिकों की तरफ से आभार प्रकट करता हूं। समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, योगी सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना, अनिल राजभर, रवींद्र जायसवाल, गिरीश चंद्र यादव, दयाशंकर मिश्र 'दयालु', महापौर अशोक तिवारी, विधायक नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, टी. राम, डॉ. अवधेश सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

इटावा में फर्जी दस्तावेजों से नौकरी पाए आठ सरकारी शिक्षक बर्खास्त

इटावा, 20 अक्तूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी पाए आठ सरकारी शिक्षकों को जांच के बाद तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है। इटावा के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ.राजेश कुमार ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इटावा जिले में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के फर्जी अंकपत्र से नौकरी पाने वाले आठ शिक्षकों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इनमें से एक शिक्षिका सेवाएं समाप्ति की कार्रवाई से पहले ही त्यागपत्र दे चुकी है। अब विभाग बर्खास्त शिक्षकों से वसूली समेत अन्य कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। डॉ. कुमार ने बताया कि फर्जी अभिलेखों से आठ शिक्षक अलग-अलग परिषदीय विद्यालयों में नौकरी कर रहे थे।

इन शिक्षकों ने 2011 में टीईटी में फेल होने पर फर्जी प्रमाणपत्र लगाकर नौकरी हासिल की थी। उन्होंने बताया कि विभागीय स्तर पर 2020 में हुए सत्यापन में इनके अंकपत्र फर्जी मिले थे। इस पर सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की संस्तुति की गई थी।

इस दौरान आदेश के खिलाफ शिक्षक कोर्ट चले गए थे। याचिका पर सुनवाई के दौरान न्यायालय ने मामले में फिर से जांच के आदेश दिए थे। इस पर बीईओ मुख्यालय उदय सिंह राज की ओर से मामले की दोबारा जांच की गई।

दोबारा जांच में भी फर्जी अंकपत्र की बात पुष्ट होने पर चार अक्तूबर को नियुक्ति निरस्त करने की कार्रवाई की गई।

इन शिक्षकों में चार ताखा, दो चकरनगर, एक बसरेहर और एक भरथना विकास खंड के हैं। कार्रवाई की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी है।

चकरनगर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय चौरेलापार के शिक्षक सौरभ श्रीवास्तव, उच्च प्राथमिक विद्यालय कचहरी के उपेंद्र यादव, बसरेहर के संतोषपुरा घार की रश्मी वर्मा, भरथना के ऊमरसेंड़ा विद्यालय के योगेंद्र कुमार, ताखा के प्राथमिक विद्यालय सरावा के राजवीर सिंह, प्राथमिक विद्यालय भागा के विकास कुमार, प्राथमिक विद्यालय रिदोली के दिलीप सिंह और उच्च प्राथमिक विद्यालय कुदरैल के शैलेंद्र प्रताप पर कार्रवाई की गई है। रश्मि वर्मा ने पहले ही इस्तीफा दे दिया था। कुमार ने बताया कि शासन की ओर से नए आदेशों का इंतजार किया जा रहा है नए जो भी आदेश आयेगे उसी अनुरूप अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

रायबरेली में बैंक की बिल्डिंग में लगी आग,कोई हताहत नहीं

रायबरेली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली के चंदापुर मंदिर के सामने स्थित केनरा बैंक बिल्डिंग में रविवार को भीषण आग लगने से अफरा तफरी मच गई, तत्काल फायर ब्रिगेड गाड़ियां पहुंचने से किसी के हताहत होने की सूचना नही है।

फायर ब्रिगेड विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार चंदापुर शिव मंदिर के सामने नागेश्वर कॉम्प्लेक्स बिल्डिंग में जहां केनरा बैंक स्थित है , उसके बेसमेंट में भीषण आग लग गयी। फायर ब्रिगेड विभाग को दिन में करीब 11 बजे आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां तथा आईटीआई की एक गाड़ी और बिरला सीमेंट फैक्टरी की एक गाड़ी कुल मिलाकर कर 5 गाड़ियां मौके पर पहुंच गई और राहत कार्य शुरू कर दिया गया। बताया गया कि यह आग नीचे बेसमेंट में लगी थी जहां जूते आदि की दुकानें है। बेसमेंट के ठीक ऊपर कई बड़ी दुकानें है। इसी बिल्डिंग के ऊपर की मंजिल में केनरा बैंक स्थित है। आग लगने से भयंकर धुंआ चारो ओर फैल गया जिससे आसपास के लोगो मे दहशत फैल गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने लगातार राहत व बचाव का कार्य करते हुए तत्काल आग पर काबू पाया और इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नही है।

रोहित शर्मा ने आईपीएल 2025 के लिए फैन के सवाल का मजेदार जवाब दिया

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

इस समय भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में व्यस्त हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर उनका नाम आईपीएल 2025 से जुड़ी खबरों में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस बीच रोहित का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और फैंस इसका जमकर आनंद ले रहे हैं।

जब से यह खबरें आई थीं कि रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के बजाय किसी और टीम के लिए आईपीएल खेल सकते हैं। इस बीच, ड्रेसिंग रूम में एक फैन ने रोहित से सवाल किया कि वह अगले आईपीएल में किस टीम के लिए खेलेंगे। इसका जवाब रोहित शर्मा ने बड़े ही मजाकिया अंदाज में दिया। जबाव देते हुए रोहित ने मजाकिया अंदाज में कहा, तू बता दे, किससे खेलूं फैन ने तुरंत जवाब दिया, भाई आरसीबी में आ जाओ यार! इसके बाद रोहित ने हंसते हुए कहा, तुझे कौन सी चाहिए बोल... इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और फैंस इसका जमकर आनंद ले रहे हैं।

मुंबई इंडियंस की कप्तानी को लेकर भी कुछ चर्चा है। आईपीएल 2024 से पहले मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा को कप्तानी से हटा कर हार्दिक पंड्या को टीम की कमान सौंपी थी, लेकिन हार्दिक पंड्या टीम के लिए अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए। रोहित शर्मा ने भी बल्ले से कुछ खास योगदान नहीं दिया था। पिछले सत्र में, मुंबई इंडियंस की टीम आईपीएल के दूसरे चरण में छह मैचों में केवल 20 रन से अधिक की पारी नहीं खेल सकी थी।

रोहित शर्मा, जो कि मुंबई इंडियंस के कप्तान रहे हैं, ने आईपीएल में पांच बार चैंपियन बनने का कारनामा किया है। मुंबई इंडियंस की आईपीएल ट्रॉफी जीत की लिस्ट में 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 शामिल हैं।

रोहित ने अब तक आईपीएल में 158 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें से 87 मैचों में जीत हासिल की और 67 मैचों में हार का सामना करना पड़ा। उनका जीत प्रतिशत 55.06 प्रतिशत है। इस बातचीत ने एक बार फिर रोहित शर्मा के फैंस को रोमांचित कर दिया है, और उनकी आईपीएल 2025 में खेलने को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

न्यूज ब्रीफ

गगनजीत भुल्लर एशियाई टूर खिताब की ओर अग्रसर, तीसरे दौर में बोगी रहित 66 का कार्ड खेला

बैंकॉक। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने शनिवार को ब्लैक माउंटेन चैम्पियनशिप के तीसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए बिना बोगी किए 66 का कार्ड खेला। इस बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भुल्लर अपने 12वें एशियाई टूर खिताब की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने पहले दो दौर में क्रमशः 65 और 66 के स्कोर बनाए थे, जिससे उनका कुल स्कोर 19 अंडर है। भुल्लर इस समय अमेरिका के जॉन कैटलिन (65) से दो शॉट की बढ़त बनाए हुए हैं। भुल्लर का अब तक का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है, जिसमें उन्होंने तीन दौर में कुल 21 बर्डी लगाई हैं और केवल दो बोगी की हैं। इस लय को बरकरार रखते हुए वह खिताब जीतने की प्रबल दावेदारी कर रहे हैं। अन्य भारतीय गोल्फरों में खालिन जोशी ने तीसरे दौर में 73 का कार्ड खेला और नौ अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 39वें स्थान पर हैं। वहीं, करणदीप कोचर भी 73 का कार्ड खेलकर संयुक्त रूप से 65वें स्थान पर बने हुए हैं। भुल्लर की शानदार बढ़त ने उन्हें खिताब जीतने की मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया है, और अंतिम दौर में वह अपने प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए इस खिताब पर कब्जा जमाने का प्रयास करेंगे।

रचिन की नेटवर्थ 2 मिलियन डॉलर के आस पास, रचिन रवींद्र ने की शानदार बैटिंग, लगाया शतक

नई दिल्ली । टीम इंडिया के खिलाफ पहली पारी में न्यूजीलैंड के लिए शानदार बैटिंग करते हुए खिलाडी रचिन रवींद्र ने शानदार शतक लगाया। टीम इंडिया फिलहाल न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही है। रचिन रवींद्र ने 157 गेंदों में 134 रन की पारी खेली और अंत तक खड़े रहे। अपनी पारी में उन्होंने 14 चौके और 4 छक्के मारे। रचिन का कनेक्शन भारत से रहा है। उनके माता पिता भारत से ही थे। बाद में वह न्यूजीलैंड में जाकर बस गए। रचिन ने 5 साल की उम्र में ही क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। वह क्लब क्रिकेट खेलने के लिए बैंगलोर भी आया करते थे। वर्ल्डस कप के उद्घाटन मैच में ही उन्होंने इंग्लैंदड के खिलाफ शतक जड़ दिया था। इसके बाद यह बात सामने आई थी कि भारतीय टीम के दिग्गएज प्लेयर राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर के शुरुआती नाम को जोड़कर रचिन का नाम रखा गया है। हालांकि, ऐसा कुछ नहीं था। रचिन नाम रचिन की मां ने सुझाया था इस बात का खुलासा उनके पिता ने किया था। न्यूजीलैंड के युवा बैटर रचिन रवींद्र जिन्होंने वर्ल्ड कप 2023 के बाद से क्रिकेट में अपनी गहरी पहचान बनाई है। रचिन रवींद्र ने 2023 में ही डेब्यू किया और ईश सोढ़ी के चोटिल होने पर वर्ल्ड कप स्क्वॉड के लिए पहले ऑप्शन बने थे। उन्होंने वर्ल्ड कप में 10 मैच में 578 रन ठोके, जिसमें दो फिफ्टी और 3 शतक शामिल थे। वह शतक बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर थे।

रुतुराज गायकवाड़ कर सकते हैं भारत ए की कप्तानी

नई दिल्ली। महीने के अंत में शुरू होने वाले दो चार दिवसीय प्रथम श्रेणी मैचों में रुतुराज गायकवाड़

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की कप्तानी कर सकते हैं। सभी की निगाहें भारत ए के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर होंगी जिसमें गायकवाड़ के साथ अभिमन्यु ईश्वरन और साई सुदर्शन शामिल हो सकते है ।बात दें कि कप्तान रोहित शर्मा अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने वाली बहुप्रतीक्षित बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले दो टेस्ट मैचों में से एक में नहीं खेल पाएंगे, जिसके बाद भारत एक रिजर्व ओपनर की तलाश है। ईश्वरन दोनों मैचों के दौरान चर्चा का विषय रहने वाले है। उन्होंने अपनी शानदार फॉर्म के दम पर शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने दलीप ट्रॉफी में दो शतक लगाए और इसके बाद ईरानी कप में एक और शतक लगाया। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैचों को खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता साबित करने और पांच टेस्ट के लिए भारत की टीम में जगह बनाने का ऑडिशन माना जा सकता है। देवदत्त पडिक्कल, बाबा इंद्रजीत और रिकी भुई भारत ए टीम में मध्यक्रम की मजबूत बल्लेबाजी कर सकते हैं।

न्यूजीलैंड ने भारत में 36 साल बाद जीता टेस्ट मैच, बेंगलुरु टेस्ट में भारतीय टीम को 8 विकेट से हराया

बेंगलूरु, 20 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम को 8 विकेट से हरा दिया। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मैच में पांचवें अर्थात आखिरी दिन मेहमान टीम को जीत के लिए 107 रन बनाने थे, जिसे उसने 27.4 ओवर में 2 विकेट पर 110 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ कीवी टीम ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का अगला मुकाबला 24 अक्टूबर से पुणे में खेला जाएगा।

मैच की पहली पारी में भारतीय टीम मात्र 46 रन पर ही ऑलआउट हो गई थी। जवाब में न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 402 रन बनाए और 356 रन की बढ़त ली। इसके बाद दूसरी पारी में भारतीय टीम ने जबरदस्त वापसी की और 462 रन बनाए। इससे भारतीय टीम को 106 रन की बढ़त मिली। इस तरह न्यूजीलैंड को जीत के लिए 107 रनों का लक्ष्य मिला। आखिरी दिन रविवार को लक्ष्य का पीछा करते हुए कीवी टीम को शुरुआत में काफी परेशानी हुई। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने अपनी गेंदबाजी से कीवी बल्लेबाजों को खूब परेशान किया। बुमराह ने अपनी दूसरी गेंद पर ही न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम को एलबीडब्ल्यू कर पवेलियन भेज दिया। लैथम खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद 35 के स्कोर पर बुमराह ने डेवोन कॉन्वे को एलबीडब्ल्यू कर मेहमान टीम को दूसरा झटका दिया। कॉन्वे ने 17 रन बनाए। हालांकि इसके बाद विल यंग और रचिन रवींद्र ने टीम का कोई और विकेट नहीं गिरने दिया और अपनी टीम को जीत दिला दी। विल यंग 48 रन और रचिन रविंद्र 39 रन बनाकर नाबाद रहे।

36 साल बाद भारत में जीता टेस्ट मैच - भारतीय टीम के खिलाफ भारतीय सरजमीं पर न्यूजीलैंड ने 36 साल बाद कोई टेस्ट मैच जीता है। ओवर ऑल भारत की धरती पर यह तीसरा टेस्ट मैच जीता है। इससे पहले आखिरी बार 1988 में वानखेड़े में न्यूजीलैंड ने भारत को 136 रन से हराया था। वहीं 1969 में न्यूजीलैंड ने नागपुर में भारतीय टीम को 167 रन से हराया था। इतना ही नहीं वर्ष 2000 के बाद यह पहला मौका है जब किसी मेहमान टीम ने भारत में चौथी पारी में 100+ रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया है।

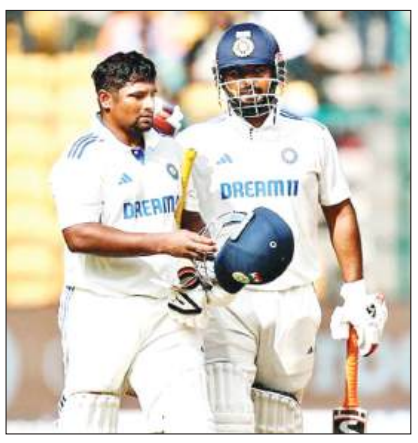

भारतीय टीम की पहली पारी - मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम पहली पारी में केवल 46 रनों पर सिमट गई थी। भारत की तरफ से ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 20 रन बनाए थे, जबकि पांच बल्लेबाजों ने खाता भी नहीं खोला और तीन बल्लेबाज तीन रनों का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। ऋषभ पंत के अलावा यशस्वी जयसवाल (13) ही दहाई का आंकड़ा छू सके, जबकि विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन खाता भी नहीं खोल सके थे। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने 5 विकेट झटके, जबकि विलियम ओरूर्के ने 4 विकेट लिए, वहीं टिम साउथी को 1 विकेट मिला।

न्यूजीलैंड टीम की पहली पारी - न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 402 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड के लिए रचिन रविंद्र ने 134 रनों की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने 157 गेंदों का सामना किया और 13 चौके व 4 छक्के लगाए। उन्होंने टिम साउथी के साथ मिलकर आठवें विकेट के लिए 137 रनों की साझेदारी भी की, जिसमें साउथी की 65 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी भी शामिल थी। साउथी ने 73 गेंदों का सामना किया और 5 चौके और 4 छक्का लगाया। इन दोनों के अलावा डेवोन कॉन्वे ने 91 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। भारत की तरफ से कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा ने 3-3, मोहम्मद सिराज ने 2, रविचंद्रन अश्विन और जसप्रीत बुमराह ने 1-1 विकेट लिया।

भारतीय टीम ने दूसरी पारी में बनाए 462 रन - भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 462 रन बनाए। दूसरी पारी में कप्तान रोहित शर्मा और युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 72 रन जोड़े। यशस्वी 52 गेंदों पर 35 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान रोहित ने टेस्ट करियर का 18वां अर्धशतक जड़ा। रोहित अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन वह अजीब तरीके से आउट हो गए। दरअसल, रोहित ने गेंद को अच्छे से डिफेंड कर लिया था, लेकिन गेंद पीछे की ओर गई और स्टम्प्स में जा लगी। इस तरह रोहित आउट हो गए। रोहित ने 63 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 52 रन बनाए। दो विकेट गिरने के बाद विराट कोहली और सरफराज खान ने पारी को आगे बढ़ाया। इस दौरान सरफराज ने अपने टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक लगाया। फिर इसके बाद कोहली ने भी पचासा जड़ दिया। इस दौरान कोहली टेस्ट में नौ हजार रन पूरे करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज भी बन गए। कोहली और सरफराज दोनों 100 रन से अधिक साझेदारी कर भारतीय टीम को मुश्किल से निकाल रहे थे, लेकिन तीसरे दिन के खेल की अंतिम गेंद पर कोहली ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर विकेटकीपर के हाथों कैच आउट हो गए।

सरफराज और ऋषभ पंत ने खेली बेहतरीन पारी - इसके बाद सरफराज खान और ऋषभ पंत ने शुरुआत में संभलकर खेला, लेकिन इसके बाद अपने हाथ खोलने शुरू किये। सरफराज ने 110 गेंदों पर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया। पंत ने भी 55 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत ने 71 ओवर में 3 विकेट पर 344 रन बना लिए थे, तभी बारिश शुरू हो गई और अंपायरों ने लंच की घोषणा कर दी। मैच दोबारा जब शुरू हुआ तो पंत और सरफराज ने उसी अंदाज से आगे भी बल्लेबाजी की। दोनों की शानदार साझेदारी से भारतीय टीम का स्कोर दूसरी पारी में 400 रन के पार पहुंच गया। इसके बाद सरफराज ने अपने 150 रन भी पूरे किए। हालांकि इसके ठीक बाद वह आउट हो गए। सरफराज ने 195 गेंद का सामना करते हुए 18 चौके और 3 छक्कों की मदद से बेहतरीन 150 रन बनाए। सरफराज के आउट होने के कुछ ही देर बाद ऋषभ पंत भी आउट हो गए। पंत नर्वस 90 का शिकार हो गए।

शतक जड़कर श्रेयस अय्यर ने दिखाया दम, टीम में वापसी की जताई इच्छा

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

टीम इंडिया से बाहर चल रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने लंबे समय बाद रणजी ट्रॉफी के मैच में शानदार शतक बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की अपनी प्रबल इच्छा जताई है। महाराष्ट्र के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच में अय्यर ने शानदार शतक जड़ा, जो उनके लिए एक भावनात्मक पल था। पीठ की सर्जरी के बाद श्रेयस ने अपनी फिटनेस पर काफी मेहनत की है और टेस्ट क्रिकेट में एक बार फिर से जगह बनाने के लिए तैयार हैं। श्रेयस अय्यर को पिछले कुछ समय पहले बार-बार पीठ की चोट का सामना करना पड़ा, जिसके कारण उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इसके चलते वह कई महीनों तक क्रिकेट से दूर रहे। उन्होंने अपने करियर का आखिरी टेस्ट शतक नवंबर 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में जड़ा था, और अब लगभग तीन साल बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शतक बनाया है। अय्यर ने दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, बहुत लंबे समय बाद वापसी करना मेरे लिए खास है। चोटों के कारण मैं थोड़ा निराश महसूस कर रहा था, लेकिन अब शतक बनाना बेहद संतोषजनक है। अय्यर ने अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा कि वह भारतीय टेस्ट टीम में वापसी के लिए बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं वापसी के लिए पूरी तरह से उत्सुक हूं, लेकिन मुझे केवल उन्हीं चीजों पर ध्यान देना है जो मेरे नियंत्रण में हैं। मेरा काम है निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना और जितना हो सके उतना क्रिकेट खेलना। इसके साथ ही शरीर की फिटनेस बनाए रखना भी बेहद जरूरी है। अय्यर का मानना है कि केवल निरंतर अच्छा प्रदर्शन ही उन्हें फिर से भारतीय टेस्ट टीम में जगह दिला सकता है। श्रेयस अय्यर ने फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में आखिरी बार भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था।

सुनील गावस्कर ने रिची रैफल को प्रतिष्ठित इंडिया एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान किया

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अपने अत्याधुनिक बायो-सैनिटेशन उत्पादों के लिए प्रसिद्ध रिची रैफल बायोटेक को प्रतिष्ठित इंडिया एक्सीलेंस अवार्ड - एनवायरनमेंटल एंटरप्राइज ऑफ द ईयर 2023-24 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए पर्यावरण के अनुकूल समाधान बनाने के लिए दिया गया है।

यह पुरस्कार रिची रैफल बायोटेक के निदेशक पिडिंटला चंद्रशेखर रेड्डी को होटल द पार्क में आयोजित एक शानदार समारोह में क्रिकेटर सुनील गावस्कर द्वारा प्रदान किया गया।

रसायन गहन उत्पाद में पर्यावरण के अनुकूल पहल की सराहना करते हुए, सुनील गावस्कर ने कहा, मि चंद्रशेखर द्वारा विकसित यह अभिनव, रसायन मुक्त, टिकाऊ समाधान बायोरिको पर्यावरण पर एक महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए तैयार है।

भावी पीढ़ियों की भलाई को प्राथमिकता देकर और धरती माता की रक्षा करके, उनका दृष्टिकोण हम सभी के लिए एक स्वच्छ, हरित और अधिक जिम्मेदार भविष्य का मार्ग प्रशस्त करता है।

पीसीबी चाहता है भारत चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान में ही खेले, प्रस्ताव दिया

यह टूर्नामेंट 19 फरवरी से 9 मार्च तक लाहौर, रावलपिंडी और करांची में होना है

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए भारत को पाकिस्तान बुलाने के लिए हर कोशिश कर रहा है। पीसीबी ने इसके संबंध में बीसीसीआई के सामने एक प्रस्ताव रखा है। पीसीबी ने कहा है कि भारतीय टीम चाहे तो अपना मैच खेलकर उसी दिन वापस इंडिया लौट सकती है। इससे चलता है कि पीसीबी हर हाल में भारत को पाकिस्तान में खेलने के लिए बुलाना चाहता है, क्योंकि उसे भी पता है कि अगर भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आती है तो इससे उसे फायदा ही होगा।

पीसीबी ने बीसीसीआई को एक ऐसी व्यवस्था का प्रस्ताव दिया है जिसके अंतर्गत अगर भारत सुरक्षा कारणों चलते अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान में नहीं रुकना चाहता है तो वह अपने मैचों के बीच में नई दिल्ली या चंडीगढ़ में से कहीं भी मैच खेल कर वापस लौट सकता है। पीसीबी ने बीसीसीआई को मौखिक सुझाव दिया है कि भारतीय टीम नई दिल्ली, चंडीगढ़ या मोहाली में शिविर लगा सकती है और अपने मैचों के लिए विशेष उड़ान का इस्तेमाल करके लाहौर जा सकती है। सूत्र ने कहा कि इन विकल्पों पर अधिकारियों के बीच मौखिक रूप से चर्चा हुई है। भारत का अपने मैच पाकिस्तान में खेलना तय हो सके। चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से 9 मार्च तक लाहौर, रावलपिंडी और करांची में खेली जाएगी। पीसीबी मानसिक रूप से इसके लिए तैयार है कि भारत चैंपियंस ट्रॉफी खेलने आने से इनकार कर सकता है लेकिन वह 9 मार्च को होने वाला फाइनल लाहौर से बाहर ले जाने के लिए तैयार नहीं है। भले ही भारत इसके लिए क्वालीफाई कर ले। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद बोर्ड के सदस्यों की दुबई में 18 से 21 अक्टूबर तक होने वाली बैठक में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल का मुद्दा भी उठ सकता है। पीसीबी चाहता है कि फाइनल लाहौर में ही हो। भारत फाइनल में पहुंचता भी है तो पीसीबी चाहेगा कि लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में मैच हो। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट 2008 के मुंबई हमले के बाद से बंद है।

भारत ए ने रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान ए को 7 रन से हराया

ओमान, 20 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

अल अमीरात क्रिकेट ग्राउंड में एसीसी मेन्स टी20 इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024 के तहत खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में भारत ए ने पाकिस्तान ए को 7 रन से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 183 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया, जिसमें अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरण सिंह और कप्तान तिलक वर्मा की बेहतरीन पारियों का अहम योगदान रहा। जवाब में पाकिस्तान ए की टीम 176 रन ही बना पाई और भारत ने मुकाबला 7 रनों से जीत लिया। इस जीत के साथ भारत ए ने टूर्नामेंट में अपनी मजबूत स्थिति कायम रखी।

भारत ए की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी भारत ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बेहतरीन शुरुआत की। ओपनर अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरण सिंह ने पहले विकेट के लिए 6 ओवरों में 68 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। अभिषेक ने 22 गेंदों पर 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से

35 रन बनाए, जबकि प्रभसिमरण ने 19 गेंदों पर 3 चौके और 3 छक्कों की मदद से 36 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। कप्तान तिलक वर्मा ने भी महत्वपूर्ण 44 रन जोड़े, जिसमें 2 चौके और 2 छक्के शामिल थे। नेहल वडेहरा (25 रन) और रमनदीप सिंह (17 रन) ने भी अंतिम ओवरों में तेजी से रन बटोरकर टीम का स्कोर 183 तक पहुंचाया। पाकिस्तान के लिए सुफियान मुकीम ने 28 रन देकर 2 विकेट हासिल किए।

183 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ए की शुरुआत खराब रही। कप्तान मोहम्मद हारिस ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा, लेकिन दूसरी ही गेंद पर अंशुल कंबोज ने उन्हें बोल्ड कर दिया। उमेर युसूफ भी जल्द ही 2 रन बनाकर आउट हो गए। यासिर खान ने 33 रन और कासिम अकरम ने 27 रनों की छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, लेकिन टीम एक समय 78 रनों पर 4 विकेट खो चुकी थी।

मध्यक्रम में अराफात मिन्हास ने 41 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिसमें उन्होंने 5 चौके और 1 छक्का लगाया। अब्दुल समद ने भी 25 रन बनाए, लेकिन रासिख सलाम की शानदार गेंदबाजी ने पाकिस्तान की पारी को दबाव में ला दिया। अंत में अब्बास अफरीदी ने 18 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन उनकी टीम 176 रनों पर सिमट गई और भारत ए ने यह मुकाबला 7 रनों से जीत लिया। भारत ए की इस जीत में बल्लेबाजों के साथ-साथ गेंदबाजों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। रासिख सलाम ने मैच के महत्वपूर्ण क्षणों में 2 विकेट लेकर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया।

संपादकीय

फिर सैनी की ताजपोशी

भले ही यह अप्रत्याशित हो, लेकिन यह एक टकसाली हकीकत है कि हरियाणा में भाजपा को तीसरे कार्यकाल के लिये स्पष्ट जनादेश मिला है। हो सकता है पार्टी यह कहे कि यह निर्णायक जनादेश भाजपा के शासन मॉडल के प्रति विश्वास मत के रूप में अभिव्यक्त हुआ है, लेकिन इसके बावजूद जरूरत इस बात की है कि उन मुद्दों पर मंथन किया जाए जिनको लेकर चुनाव के दौरान जनता में असहजता थी। निस्संदेह, नायब सिंह सैनी, जिनको पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की छाया में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था, लेकिन उनके नेतृत्व में पार्टी ने पिछली बार से अधिक सीटें लेकर पूर्ण बहुमत से सरकार बनायी है। मगर जिस चीज से नायब सिंह सैनी को सावधान रहने की जरूरत है, वह है अति-आत्मविश्वास। हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अति-आत्मविश्वास की कीमत चुकाई है। निस्संदेह, सैनी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार के पास हरियाणा में आधारभूत बदलाव से जनाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने का सुनहरा मौका है। उन्हें पूर्ण बहुमत वाली सरकार के रूप में जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिये कृतसंकल्प होने की जरूरत है। दरअसल, चुनावी राजनीति में जनता के दरबार में उछले विपक्षी नेताओं के आरोप कई बार सत्तापक्ष को आत्मविश्लेषण का मौका भी देते हैं। चुनावी माहौल में जहां विपक्षी दल सत्ता पक्ष की रीतियों-नीतियों को लेकर मुखर होते हैं, वहीं ऐसे मौके पर जनता की अभिव्यक्ति का भी अहसास होता है। भाजपा जैसे कुशल संगठन वाली कैडर आधारित पार्टी से उम्मीद की जाती है कि जिस तरह उसने चुनावों में माइक्रो मैनेजमेंट किया, उसी तरह उसकी सरकार से भी उम्मीद की जाती है कि वह समस्याओं को भी बेहद करीब से सूक्ष्म स्तर पर महसूस करेगी। बहरहाल, भाजपा की इस जीत ने एक संदेश यह भी दिया है कि महज सत्ताविरोधी रुझान ही चुनाव परिणामों की दिशा-दशा तय नहीं करते। बदलाव की आकांक्षा को सुशासन व बेहतर प्रबंधन के मुद्दे भी गहरे तक प्रभावित करते हैं। निश्चित रूप से मुख्यमंत्री की दूसरी पारी में कार्यभार संभालने वाले नायाब सिंह सैनी की सरकार पर जनाकांक्षाओं का भारी दबाव होगा। उनका प्राथमिक उद्देश्य जनता से किये गए वायदों और उनके क्रियान्वयन होगा, जिससे जनता सुशासन की उपलब्धि महसूस कर सके। निश्चित रूप से किसी योजना की सार्थकता इस बात पर निर्भर करती है कि जनता उससे किस हद तक लाभान्वित महसूस करती है। कई बार व्यवस्था की विसंगति इस मार्ग में बाधक बन जाती हैं। इसके लिये आश्वासन व क्रियान्वयन में साम्य जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, पिछले मार्च में जब सैनी ने अपने गुरु मनोहर लाल खट्टर की छत्रछाया में सरकार का दायित्व हासिल किया था तो उन्हें राजनीतिक हलकों में गंभीरता से नहीं लिया गया। लेकिन उन्होंने पिछले विधानसभा चुनावों में न केवल खुद को साबित किया बल्कि राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। निस्संदेह, हरियाणा के इस नये जनादेश के दूरगामी परिणाम होंगे। इतना ही नहीं इस जीत ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व में भी एक नया उत्साह भर दिया। यह उत्साह महाराष्ट्र व झारखंड के चुनाव अभियान में भी नजर आ रहा है। निश्चित रूप से इन चुनावों ने मुख्यमंत्री के रूप में नायब सिंह सैनी का राजनीतिक कद बढ़ाया है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से भी उन्हें सकारात्मक प्रतिसाद व संबल मिला है। वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं तो उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ गई हैं। उन्हें क्षेत्र व जाति की सीमाओं से परे 'सबका साथ, सबका विकास' का लक्ष्य हासिल करना है। उनके लिये यह सुखद है कि जहां राज्य में उन्हें पिछली बार के मुकाबले ज्यादा सीटें मिलने से पूर्ण बहुमत हासिल हुआ है, वहीं केंद्र से भी उन्हें भरपूर समर्थन मिल रहा है। निस्संदेह, उन्हें 'डबल इंजन की सरकार' के मुहावरे को साकार करने का अवसर मिला है। जरूरत इस बात की कि वे पूर्व सरकार के मुखिया की छाया से निकलकर शासन की नई सर्व स्वीकार्य दिशा तय करें। वे महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम नजर आएं, जिससे राज्य में सरकार की स्वीकार्यता बढ़ सके। जिसमें पार्टी के वरिष्ठ विधायकों का अनुभव व कनिष्ठ विधायकों की ऊर्जा मददगार होगी।

> निस्संदेह, नायब सिंह सैनी, जिनको पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की छाया में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था, लेकिन उनके नेतृत्व में पार्टी ने पिछली बार से अधिक सीटें लेकर पूर्ण बहुमत से सरकार बनायी है। मगर जिस चीज से नायब सिंह सैनी को सावधान रहने की जरूरत है, वह है अति-आत्मविश्वास। हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अति-आत्मविश्वास की कीमत चुकाई है। निस्संदेह, सैनी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार के पास हरियाणा में आधारभूत बदलाव से जनाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने का सुनहरा मौका है। उन्हें पूर्ण बहुमत वाली सरकार के रूप में जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिये कृतसंकल्प होने की जरूरत है। दरअसल, चुनावी राजनीति में जनता के दरबार में उछले विपक्षी नेताओं के आरोप कई बार सत्तापक्ष को आत्मविश्लेषण का मौका भी देते हैं।

नई सरकार को विकास की चल रही योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए आतंकमुक्त कश्मीर के संकल्प को मंजिल तक पहुंचाना होगा

जम्मू-कश्मीर में महका लोकतंत्रः सरकार से बड़ी उम्मीदें

ललित गर्ग

> जम्मू-कश्मीर को निर्वाचित सरकार मिल गयी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद केन्द्र शासित प्रदेश में यह पहली चुनी हुई सरकार है, जो नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। उमर अब्दुल्ला पहले भी एक बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनकी यह पारी हर तरह से खास है। नई सरकार के मुखिया के तौर पर उमर अब्दुल्ला के सामने आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कठिन चुनौती भी है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है।

आखिरकार जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की धूप खिल ही गयी, पांच साल बाद केन्द्र शासित जम्मू-कश्मीर को निर्वाचित सरकार मिल गयी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद केन्द्र शासित प्रदेश में यह पहली चुनी हुई सरकार है, जो नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। उमर अब्दुल्ला पहले भी एक बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनकी यह पारी हर तरह से खास है। नई सरकार के मुखिया के तौर पर उमर अब्दुल्ला के सामने आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कठिन चुनौती भी है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है। घाटी में दशकों तक अब्दुल्ला परिवार के शासन के अनुभव के मद्देनजर घाटी के लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भरोसा जताया। तमाम ऊहापोह, सुरक्षा चुनौतियों तथा विदेशी दखल की तमाम आशंकाओं को निर्मूल करते हुए जम्मू-कश्मीर के जनमानस ने स्पष्ट सरकार बनाने का जनादेश दिया है। इस भूमिका तक पहुंचाने में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं। कश्मीर में विकास, पर्यटन में भारी वृद्धि, शांति एवं सौहार्द का वातावरण बनना ऐसे ही प्रयासों की सार्थक निष्पत्ति है। नई सरकार को विकास की चल रही योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए आतंकमुक्त कश्मीर के संकल्प को मंजिल तक पहुंचाना होगा। जम्मू एवं कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार का गठन अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेगा बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। बहरहाल, ऐसे में नवनिर्वाचित सरकार और केंद्र का दायित्व है कि घाटी के लोगों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा जतायी है, उसे पूरा करने में भरपूर सहयोग करें। एक समय राज्य में मतदाता डर कर मतदान करने हेतु नहीं निकलते थे। मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहता था। इस बार मतदाता निर्भीकता के साथ मतदान करने निकले। जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संकल्प को सकारात्मक समर्थन दिया है। यद्यपि लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस को कामयाबी नहीं मिल पायी थी, लेकिन जनता ने उन्हें राज्य में सरकार चलाने का स्पष्ट जनादेश दिया है। वहीं दूसरी ओर, इस भारी मतदान व स्पष्ट बहुमत का एक निष्कर्ष यह भी है कि लोग घाटी में शांति और सुकून, अमन एवं विकास, सौहार्द एवं सद्भावना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा कि इस क्षेत्र में शांति कायम होने के साथ विकास की नई बयार चले। जिसमें आम नागरिक खुद को सुरक्षित अनुभव करते हुए राष्ट्रीय विकास की धारा के साथ-साथ कदमताल कर सके। निश्चित ही उमर के सामने चुनौतियां बड़ी हैं, आम लोगों को भी उनकी कठिनाइयों का अंदाजा है, वहीं खुद उमर ने भी व्यावहारिक नजरिया अपनाने का संकेत दिया है। चुनाव के दौरान अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग पर कड़ा रुख अपनाने वाले उमर ने चुनाव नतीजे आने के बाद इस मसले पर अपना रुख नरम कर लिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात ऐसे नहीं हैं, जिनमें इस मुद्दे पर जोर देने का किसी को कुछ फायदा होगा। उम्मीद बढ़ाने वाली बात यह भी है कि चुनावी कड़वाहट को पीछे छोड़ते हुए सभी पक्षों ने सहयोग का रुख अपनाने का संकेत दिया है। न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नई सरकार के साथ मिलकर काम करने का संकेत दिया है बल्कि खुद उमर ने भी उपराज्यपाल से टकराव की बजाय आपसी समझ एवं सकारात्मकता से शासन करने की मंशा जतायी है, जो जहां जम्मू-कश्मीर की जनता के हित में है वही उमर की राजनीतिक सूझबूझ, परिपक्वता एवं विवेक का परिचायक है। चाहे उपमुख्यमंत्री पद जम्मू संभाग से चुने गए विधायक सुरिंदर चौधरी को स्थान देने की बात हो या कांग्रेस के लिए कैबिनेट में स्थान खाली रखने की, उमर अब्दुल्ला यह संकेत दे रहे हैं कि वह सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। कांग्रेस ने फिलहाल सरकार को बाहर से समर्थन देने की बात कही है, लेकिन इसका कारण राज्य का दर्जा न मिलने को बताया है। उमर को हर कदम सावधानी से उठाने होंगे ताकि कोई भी स्थिति मंत्री पदों की संख्या का या इंडिया गठबंधन के घटक दलों में मतभेद एवं टकराव का न बन जाए। उमर के एक-एक फैसले पर कैबिनेट और उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र का मसला सामने आ सकता है। ऐसे में देखना होगा कि इन सबके बीच जम्मू-कश्मीर की नई सरकार उमर के नेतृत्व में कितने सधे कदमों से आगे बढ़ती है। क्योंकि सरकार को अपना दायित्व इस बात को ध्यान में रखकर निभाना होगा कि केंद्रशासित प्रदेश में उपराज्यपाल के पास व्यापक अधिकार हैं। केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का खासा उत्साह लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूती दे रहा है। कहीं न कहीं जनता ने स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे हिंसा, अस्थिरता, आतंकवाद व अलगाववाद से छुटकारा चाहते हैं। जाहिरा तौर पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने की चुनौती होगी। इसलिये जम्मू-कश्मीर में नई सरकार को व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करते हुए बदली हुई शासन व्यवस्था के साथ भी साम्य स्थापित करना है। इस बात का अहसास उमर अब्दुल्ला को भी है कि शासन चलाने में अब पहले जैसी स्वतंत्रता नहीं होगी। विश्वास किया जाना चाहिए कि कम से कम सीमावर्ती घाटी की संवेदनशीलता को देखते हुए इस केंद्रशासित प्रदेश में वैसा टकराव देखने को नहीं मिलेगा, जैसा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार और एलजी के बीच देखने को मिलता रहा है। विश्वास करें कि नई सरकार को प्रशासनिक मामलों में नौकरशाही का पर्याप्त सहयोग मिलता रहेगा। नीति-नियंताओं को ध्यान रखना होगा कि सरकार चलाने में किसी भी तरह का अनावश्यक व्यवधान कालांतर अशांति का वाहक बनेगा। उम्मीद करें कि यथाशीघ्र पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर में प्रशासन की विसंगतियां दूर की जा सकेंगी।

दृष्टि कोण

राजनीतिक असंवेदनशीलता से बढ़ता स्वास्थ्य जोखिम

दिल्ली में कूड़े के पहाड़ गंभीर समस्या बन चुके हैं, और इस पर प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी चिंता जताई है। प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए गठित विशेष कार्यबल की बैठक में कचरे के निपटान में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर कचरा निपटान के लिए मौजूदा कानूनों के सख्त अनुपालन और कचरे से बिजली बनाने की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके साथ ही, सड़कों और निर्माण गतिविधियों में धूल नियंत्रण के उपायों को भी प्राथमिकता देने की बात की गई। वास्तव में स्वच्छ भारत मिशन का मुख्य उद्देश्य दिल्ली में वर्षों से जमा कूड़े के ढेरों को समाप्त करना था, जो अब पहाड़ की शक्ल ले चुके हैं। यह मिशन 2 अक्तूबर, 2014 को शुरू हुआ, और एक महत्वपूर्ण पड़ाव 1 अक्तूबर 2021 को आया जब एसबीएम-2.0 की शुरुआत हुई। इस योजना के तहत कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया, और यह सुनिश्चित किया गया कि भविष्य में ऐसी समस्याएं न उभरें। केंद्र सरकार ने कूड़े के ढेरों को समाप्त करने के लिए 3000 करोड़ रुपये से अधिक की योजना शुरू की थी, जिसमें राज्यों से सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा की गई थी। हालांकि, राजनीतिक दांवपेच के चलते इन कूड़े के पहाड़ों का निवारण अब तक नहीं हो सका है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में केवल 15 फीसदी कूड़े के पहाड़ कम हो पाए हैं, जिसकी आवास और शहरी विकास मंत्रालय द्वारा भी पुष्टि की गई है। यह स्थिति समस्या के समाधान में अनिच्छा और समन्वय की कमी को दर्शाती है। देश में 2,421 कूड़ाघर हैं, जहां 1,000 टन से अधिक ठोस कचरा जमा है। आवास और शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार, कूड़े के पहाड़ों में लगभग 15,000 एकड़ जमीन पर 16 करोड़ टन से ज्यादा कचरा फंसा है, जिसका निस्तारण एक बड़ी चुनौती है। प्रयासों के बावजूद, केवल 470 स्थानों को पूरी तरह साफ किया जा सका है, जबकि 730 साइटें अभी तक निस्तारण की प्रक्रिया से बाहर हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि नगर निकायों के पास कचरे के निस्तारण की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है। कुछ राज्यों की बात करें तो इस मामले में गुजरात शीर्ष पर है, जहां 202 लाख टन ठोस कचरे में से केवल 10.73 लाख टन कचरे का ही वहां निस्तारण होना बाकी है। जबकि देश की राजधानी दिल्ली में 203 लाख टन ठोस कचरे में से 126.02 लाख टन कचरे का निस्तारण अभी बाकी है। महाराष्ट्र में 388 लाख टन में से 242 लाख टन, पंजाब में 73.62 लाख टन में से 37.73 लाख टन, मध्य प्रदेश में 63.23 लाख टन में से 47.68 लाख टन, जम्मू-कश्मीर में 22.10 लाख टन में से 21.08 लाख टन, उत्तराखंड में 14.12 लाख टन में से 7.36 लाख टन और छत्तीसगढ़ में 6.54 लाख टन में से 0.52 लाख टन कचरे का निस्तारण अभी बाकी है। आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार 1,250 डंप साइटों में कूड़ा निस्तारण का काम पिछले दिनों शुरू कर दिया गया है। राजधानी दिल्ली में लाख कोशिशों के बावजूद कूड़े के पहाड़ खत्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं। यहां चार बार तो समय सीमा भी बदली जा चुकी है। सरकार, नगर निगम के बीच दांवपेच के चलते अभी तय की गयी दिसम्बर, 2028 की समय सीमा में फिर बदलाव हो सकता है। दिल्ली में गाजीपुर, ओखला और भलस्वा ये तीन मुख्य लैंडफिल साइटें हैं। यहां ओखला और भलस्वा में कचरा निस्तारण का काम बंद पड़ा है। गाजीपुर लैंडफिल साइट पर निस्तारण प्रक्रिया की धीमी गति के कारण, वहां 30 लाख मीट्रिक टन कूड़े का निस्तारण होना चाहिए था, लेकिन अब तक केवल 12 लाख मीट्रिक टन कचरे का ही निस्तारण हो सका है।

कुछ अलग

महंगाई की फिक्र

ऐसे वक्त में जब भारतीय बाजार त्योहार की रंगत में रंगने लगे हैं और कारोबारियों को बेहतर कारोबार की उम्मीद है, भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को लेकर फिक्रमंद है। उसे चिंता है कि महंगाई बढ़ी तो त्योहार की रौनक प्रभावित हो सकती है। तभी मौद्रिक नीति की घोषणा करते वक्त केंद्रीय बैंक ने रेपो दर को यथावत बनाये रखा है। बहरहाल, ये आने वाला वक्त बताएगा कि रिजर्व बैंक किस हद तक महंगाई पर नियंत्रण रखने में सफल हो पाता है। दरअसल, केंद्रीय बैंक का लक्ष्य है कि महंगाई की दर को चार फीसदी से नीचे रखी जाए। चिंता जतायी जा रही है कि आने वाले दो वर्ष में यह दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। जब दो साल पहले खुदरा महंगाई की दर सात फीसदी के करीब पहुंच गई थी तो केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक उपायों से महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया। बैंक ने धीरे-धीरे रेपो दर में वृद्धि की थी। फिलहाल छह बार की बढ़ोतरी से फिलहाल इस दर में करीब ढाई फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। अब महंगाई बढ़ने की फिक्र में केंद्रीय बैंक ने दसवीं बार रेपो दर को यथावत रखा है। जो फिलहाल साढ़े छह फीसदी है। दरअसल, बैंक का आकलन है कि आने वाले दो वर्षों में महंगाई की दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। केंद्रीय बैंक यदि उद्यमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में कमी नहीं कर रहा है तो उसकी वजह महंगाई की फिक्र में थमे कदम हैं। बैंक का आकलन है कि यदि हम महंगाई की दर को अपने लक्ष्य चार फीसदी से कम लाने में कामयाब हो जाते हैं तो देश की विकास दर के ऊंचे लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। इतना ही नहीं, विकास दर दो अंकों का आंकड़ा छू सकती है। वैसे जिस तरह कोविड संकट से उबरती दुनिया को रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिम एशिया के संकट से जूझना पड़ रहा है, भारत उससे अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में कामयाब रहा है। यह एक हकीकत है कि जहां दुनिया के अन्य विकसित देश मंदी के संकट से जूझ रहे हैं, भारत मंदी के दुष्प्रभाव से अर्थव्यवस्था को बचा पाया है। निस्संदेह, हमारी मौद्रिक नीतियां आर्थिकी को स्थायित्व प्रदान करने में किसी हद तक सफल रही हैं। यही वजह है कि संवेदनशील आर्थिकी के वैश्विक परिदृश्य में केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीतियों में बदलाव से परहेज किया है। निस्संदेह, भारत इस समय दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। इस स्थिति को बनाए रखने के लिये खासी सावधानी भी जरूरी है। लेकिन ऊंची रेपो दर का नुकसान देश के उन उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है, जो घर-वाहन लोन की ईएमआई कम होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। हालांकि, देश के बुजुर्गों को बचत खाते में अधिक ब्याज मिलने से लाभ जरूर हो रहा है। लेकिन महंगाई का प्रभाव तो समाज के हर वर्ग पर पड़ रहा है। वहीं थोक व फुटकर की महंगाई के आंकड़े भले ही इसके कम होने की बात कर रहे हों, लेकिन व्यवहार में फल-सब्जी व खाद्य पदार्थों की महंगाई उपभोक्ताओं के बजट को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर कर्ज लेने वाले लोगों को बढ़ी किस्तें भी परेशान कर रही हैं। कारोबारी और कामकाजी लोग काफी समय से आस लगाए बैठे थे कि यदि रिजर्व बैंक रेपो दरों में कुछ कमी करता है तो ऋण सस्ते होने से उनके कर्ज की किस्त कुछ हल्की हो जाएगी। लेकिन महंगाई की चिंता कर रहा केंद्रीय बैंक ऐसे किसी कदम को उठाने से परहेज कर रहा है। लेकिन एक बात तो तय है कि महंगाई दर में कमी के दावों का अहसास आम आदमी को भी होना चाहिए। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि महंगाई के आंकड़ों पर काबू पाने का वास्तविक लाभ आम उपभोक्ता को कैसे और कब मिलेगा। कोशिश की जानी चाहिए कि त्योहार के मौसम में आम आदमी को दैनिक उपभोग की वस्तुएं मसलन खाद्यान्न, सब्जी-फल, डेरी उत्पाद व खाद्य तेल वाजिब दामों में मिले। तभी महंगाई पर नियंत्रण के सरकारी दावे सिरे चढ़ सकेंगे।

देश दुनिया से

लोकतंत्र की कसौटी पर 'एक राष्ट्र, एक चुनाव'

> गठबंधन सरकार के नेतृत्व के साथ- जल्द ही हरियाणा राज्य और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। जिसके पिछले सप्ताह घोषित परिणामों ने राजनेताओं और चुनाव विशेषज्ञों, दोनों को चौंका दिया। हरियाणा में मोदी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अप्रत्याशित जीत हासिल की, जहां पर उसकी हार की उम्मीद बताई जा रही थी। वहीं जम्मू-कश्मीर में विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने अपने क्षेत्रीय सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर जीत पाई, जबकि वहां पर चुनावों में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी की गई थी।

भारतीय लोकतंत्र की गरिमा बचाने वाला एक अनुग्रह है- हालांकि कुछ लोगों के लिए यह भारत की सबसे अधिक परेशान करने वाली खामियों में एक होगा – कि व्यावहारिक रूप से यहां सदा कोई न कोई चुनाव चलता रहता है। इसलिए, पिछले आम चुनाव की गूंज जैसे ही खत्म हुई – जिसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पद पर तो बनाए रखा, लेकिन बहुमत के बिना और गठबंधन सरकार के नेतृत्व के साथ– जल्द ही हरियाणा राज्य और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। जिसके पिछले सप्ताह घोषित परिणामों ने राजनेताओं और चुनाव विशेषज्ञों, दोनों को चौंका दिया। हरियाणा में मोदी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अप्रत्याशित जीत हासिल की, जहां पर उसकी हार की उम्मीद बताई जा रही थी। वहीं जम्मू-कश्मीर में विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने अपने क्षेत्रीय सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर जीत पाई, जबकि वहां पर चुनावों में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी की गई थी। जून के लोकसभा चुनाव में भी चुनाव पंडितों के कयास गलत निकले थे – उन्होंने भाजपा की तगड़ी जीत का अनुमान लगाया था – निश्चित रूप से भारत के मतदाता का अंदाज़ा पहले से नहीं लगाया जा सकता। अपेक्षाओं को धता बताने के और अधिक मौके भारतीय मतदाताओं को शीघ्र ही मिलने जा रहे हैं। साल खत्म होने से पहले और दो राज्यों -महाराष्ट्र और झारखंड – में चुनाव होने जा रहे हैं। उनके बाद नंबर दिल्ली का होगा, जिसके संकटग्रस्त मुख्यमंत्री ने हाल ही में इस्तीफा देकर समय से पहले चुनाव कराने की मांग की है (जो वैसे भी अगले मार्च तक होने हैं)। दूसरे शब्दों में, चुनाव एक साथ होने के बजाय – भारत के 28 राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों में से हर कोई अपनी सरकारें चुनता है – भारत का यह चुनावी पंचांग अब बदलने की बात हो रही है। मोदी सरकार के लिए, यह सारी चुनाव से संबंधित अनिश्चितता बहुत दूर निकल चुकी है। वह चाहते हैं कि भारत एक निश्चित चुनावी कार्यक्रम स्थापित करे, जिसके अंतर्गत लोकसभा (संसद का निचला सदन), राज्यों की विधानसभाओं और स्थानीय निकायों, सभी के लिए हर पांच साल में एक ही तारीख को मतदान हो। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च-स्तरीय समिति ने हाल ही में इस दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए एक बृहद रिपोर्ट तैयार की, जिसे पीएम मोदी ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का नाम दिया है। चुनावों की बारम्बारता वास्तव में किसी राष्ट्रीय सरकार के लिए एक चुनौती है। मसलन, जहां राज्य व स्थानीय चुनावों में अधिकांशतः स्थानीय मुद्दे प्रभावी होते हैं और अक्सर इन्हें राष्ट्रीय सरकार पर एक प्रकार के जनमत संग्रह के रूप में देखा जाता है। दूसरी ओर, स्वतंत्र चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता के कारण चुनाव के दौरान शासन व्यवस्था ठप हो जाती है, ताकि कार्यकारी सरकार ऐसी नीतिगत घोषणाएं न करने पाए, जिससे कि मतदाता उनके पक्ष में मतदान करने के लिए प्रभावित हो। इसके अलावा, राष्ट्रीय नेता चुनाव वाले राज्यों में प्रचार करने में व्यस्त हो जाते हैं, जिनमें से प्रत्येक का अपना राजनीतिक इतिहास होता है और अक्सर, उनकी अपनी पार्टियां भी। पीएम मोदी और उनके गृह मंत्री अमित शाह अपने दस वर्षीय कार्यकाल के दौरान अंतहीन चुनावी अभियान में व्यस्त रहे, जिससे कि उनके अपने आधिकारिक कर्तव्यों के लिए बहुत कम समय बचा। प्रधानमंत्री मोदी की दलील है कि बार-बार चुनाव कराने से पैसा और समय दोनों बर्बाद होते हैं। हो सकता है उन्हें यह विचार भी आया होगा कि एक साथ चुनाव करवाने पर राष्ट्रीय पार्टियों और मुद्दों का फायदा राज्य चुनावों में मिल सकता है, ताकि राष्ट्र व्यापी चुनाव प्रचार में स्थानीय नेताओं और समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की संभावना कम ही रहे। विपक्ष इस प्रस्तावित सुधार को खारिज करता है, यह इंगित करते हुए कि सभी चुनाव एक साथ करवाने पर खर्च में जो भी मामूली बचत हो पाएगी, उसके बरक्स, चुनाव अभियानों में जिस प्रकार बड़े पैमाने पर पैसा लगाए जाने से आर्थिकी को प्रोत्साहन मिलता है, उससे वंचित होने का नुकसान होगा। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि यह प्रस्ताव भारत के संघीय स्वरूप और विविधता को कुचलने का मंसूबा दर्शाता है, जोकि मोदी के एकात्मकवाद के प्रति लगाव को कार्यकुशलता के रूप में पेश करता है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के साथ सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह अव्यावहारिक है, जिसको हम अपने अनुभवों से जानते हैं। स्वतंत्रता उपरांत, भारत ने एक ही तारीख पर चुनाव करवाने वाली व्यवस्था कायम की थी। लेकिन यह व्यवस्था 1952 से 1967 तक, केवल पंद्रह वर्षों तक चल पाई। इसकी वजह भारत की संसदीय प्रणाली के मूल में निहित हैः सरकारों के लिए विधायी बहुमत बनाए रखना जरूरी है। यदि कोई सरकार अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले बहुमत खो देती है, तो नए चुनाव होने चाहिए।

आप का नजरिया

दुर्भाग्यपूर्ण विवाद

गत एक वर्ष से अधिक समय से भारत तथा कनाडा के बीच जारी कड़वे विवाद का जो चरम हाल ही में देखने में आया है, वह दोनों देशों के दीर्घकालीन संबंधों के हित में कदापि नहीं कहा जा सकता है। निश्चय ही यह दोनों देशों के रिश्तों में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। अपने घरेलू राजनीतिक हितों को साधने के लिये जस्टिन ट्रूडो के हालिया तल्ख आरोपों के चलते ही भारत आलोचना- निंदा जैसे कदमों से कहीं और आगे निकल गया है। भारत की यह प्रतिक्रिया स्वाभाविक ही थी जब जून 2023 में कट्टरपंथी सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर, जिसे भारत ने आतंकवादी घोषित किया था, की हत्या में शीर्ष भारतीय राजनयिकों की संलिप्तता के आरोप कनाडा सरकार द्वारा लगाये गए। नई दिल्ली ने खुले तौर पर इस कटुता को पैदा करने में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की नकारात्मक भूमिका का आरोप लगाया है। जिसके मूल में उनका घरेलू राजनीतिक एजेंडा है। भारत सरकार ने उन पर आरोप लगाया है कि अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये तैयार घरेलू एजेंडे के तहत ही जस्टिन ट्रूडो भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अपना रहे हैं। निश्चित रूप से इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम की परिणति के चलते राजनयिकों के निष्कासन ने दोनों देशों के संबंधों को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। यह निर्विवाद सत्य है कि पिछले एक साल से जारी इस विवाद को सुलझाने में कनाडा की तरफ से संयम दिखाने के प्रयास ना के बराबर ही हुए हैं। जिसकी जवाबदेही जस्टिन ट्रूडो को ही स्वीकारनी होगी। दरअसल, कनाडा में अल्पमत सरकार चला रहे जस्टिन ट्रूडो लगभग नौ वर्ष के कार्यकाल के दौरान अपने घर में लगातार अलोकप्रिय होते जा रहे हैं। यहां तक कि उनके अपने राजनीतिक दल लिबरल पार्टी में उनका मुखर विरोध हो रहा है। इसके चलते पार्टी के भीतर पद छोड़ने को लेकर लगातार दबाव बढ़ रहा है। जो उनकी अपरिपक्व राजनीति का ही पर्याय कहा जा सकता है। दरअसल, अपनी सत्ता को डांवाडोल होते देख, कनाडा के लोगों का ध्यान हटाने के लिये ट्रूडो इस तरह के अप्रिय विवादों को हवा दे रहे हैं। आरोप लगाया जा रहा है कि सत्ता पर कब्जा बनाये रखने के लिये ट्रूडो सिख चरमपंथी तत्वों का तुष्टीकरण करने हेतु इस तरह के आरोपों को हवा दे रहे हैं। निश्चय ही भारत पर इस तरह के आरोप, राजनीतिक आकांक्षाओं के चलते लगाने से भारत के साथ कनाडा के संबंधों को जो नुकसान होगा, उसकी भरपाई करना अगले कुछ वर्षों में संभव नहीं हो सकेगा। निस्संदेह इस घटनाक्रम ने राजनयिक संकट को और गहरा किया है। इसमें दो राय नहीं कि भारत कनाडा सरकार द्वारा लगातार अलगाववादियों को समर्थन देने पर चिंता व्यक्त करता रहा है। लेकिन अपनी सरकार बचाने में जुटे जस्टिन ट्रूडो ने भारत की मांग को कभी भी गंभीरता से नहीं लिया है। जो मामला अब लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। यह अजीब बात है कि कनाडा सरकार सिख अलगाववादियों को निशाना बनाने के लिये आपराधिक नेटवर्क चलाने का आरोप लगा रही है। हालांकि, भारत विगत में ओटावा से भारतीय मूल के गैंगस्टरों पर लगाम लगाने के लिये कहता रहा है। बहरहाल, आक्रामक राजनीति का यह रवैया भारत-कनाडा के संबंधों को लगातार खतरे में डाल रहा है।

डिज्नी प्लस हॉटस्टार में जियोसिनेमा का होगा मर्जर

मुंबई। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो ने डिज्नी हॉटस्टार को खरीद लिया है। इसके बाद कंपनी डिज्नी प्लस हॉटस्टार में जियोसिनेमा का मर्जर हो जाएगा। डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ जियोसिनेमा का मर्जर होने के बाद यह भारत के सबसे बड़ा ओटीटी प्लेटफॉर्म बन सकता है, क्योंकि दोनों ओटोटी ऐप के पास बड़ा यूजरबेस मौजूद है। इस मर्जर के बाद जियो के पास जियो के पास कुल 100 चैनल हो सकते हैं। रिलायंस जियो दो अलग-अलग ओटीपी ऐप्स नहीं चलाना चाहती हैं क्योंकि अलग-अलग ओटीटी ऐप के लिए अलग रिचार्ज पैक की जरूरत होती है। दोनों दोनों ऐप का अलग से प्रमोशन करना होगा। इससे ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे। स्टार इंडिया और वियाकॉम 18 का मर्जर हो गया है।

बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट रही

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बीते सप्ताह खरीफ तिलहन फसलों की आवक बढ़ने के दौरान देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में सभी तेल-तिलहनों के भाव में गिरावट देखने को मिली। इस दौरान सरसों, सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के भाव नुकसान के साथ बंद हुए।

बाजार सूत्रों ने कहा कि खाद्य तेल-तिलहन कारोबार के समीक्षकों की यह आशंका निर्मूल साबित हुई है कि आयात शुल्क बढ़ाने के बाद खाद्य तेलों की महंगाई बढ़ जायेगी। इसके विपरीत आयात शुल्क बढ़ाये जाने के बाद मूंगफली जैसे महंगे खाद्य तेल के थोक दाम भी गुजरात और राजस्थान में टूटे हैं। गुजरात में शुल्क वृद्धि से पहले मूंगफली तेल का थोक भाव 148 रुपये लीटर बैठता था जो शुल्क वृद्धि के बाद घटकर 135 रुपये लीटर रह गया है।

इसी प्रकार राजस्थान में जिस मूंगफली तेल का थोक दाम पहले 130 रुपये लीटर था वह अब घटकर 118 रुपये लीटर रह गया है। आवक बढ़ने और महंगा होने के कारण लिवाली कमजोर होने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट रही। बीते सप्ताह सरसों दाने का

थोक भाव 250 रुपये की गिरावट के साथ 6,400-6,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरसों दादरी तेल का थोक भाव 875 रुपये की जोरदार गिरावट के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 65-65 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 2,115-2,215 रुपये और 2,115-2,230 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश: 4,650-4,695 रुपये और 4,350-4,585 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश: 250 रुपये, 150 रुपये और 100 रुपये घटकर क्रमश: 13,100 रुपये, 12,650 रुपये और 9,600 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। आवक बढ़ने के बीच महंगे मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले हानि का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 75 रुपये की हानि के साथ 6,300-6,575 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये की गिरावट के साथ 14,800 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 35 रुपये की गिरावट के साथ 2,250-2,550 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 200 रुपये की गिरावट के साथ 11,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 13,325 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 300 रुपये की हानि के साथ 12,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 650 रुपये की जोरदार गिरावट के साथ 12,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेस नेतृत्व ने...

सबसे पहले भगवा आतंकवाद शब्द का प्रयोग किया था।

केंद्रीय गृहमंत्री के रूप में 25 अगस्त 2010 को डीजीपी और आईजी के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए चिदंबरम ने कहा था, मैं आपको सावधान करना चाहता हूं कि भारत में युवा पुरुषों एवं महिलाओं को कट्टरपंथी बनाने के प्रयासों में कोई कमी नहीं आई है। इसके अलावा हाल में भगवा आतंकवाद सामने आया है, जो अतीत में कई बम विस्फोटों में पाया गया है। पी चिदंबरम ने समझौता एक्सप्रेस और कुछ प्रमुख मुस्लिम धार्मिक स्थलों के खिलाफ विस्फोटों की पृष्ठभूमि में भगवा आतंकवाद शब्द गढ़ा था। कांग्रेस के तत्कालीन महासचिव एवं पार्टी की मीडिया इकाई के प्रमुख जनार्दन द्विवेदी ने उस समय कहा था कि भगवा या केसरिया मुद्दा नहीं है। मुद्दा आतंकवाद है। आतंकवाद का काले के अलावा कोई रंग नहीं होता है। द्विवेदी ने यह भी कहा भगवा रंग हमारी प्राचीन परंपरा का हिस्सा रहा है और हमारी स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है। चिदंबरम के स्थान पर केंद्रीय गृह मंत्री का प्रभार संभालने वाले वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुशील कुमार शिंदे ने भी 20 जनवरी 2013 को तब विवाद उत्पन कर दिया जब उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर भगवा आतंकवाद फैलाने के लिए आतंकी प्रशिक्षण शिविर चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने जयपुर में कांग्रेस के सम्मेलन में कहा, जांच के दौरान रिपोर्ट आई है कि भाजपा और आरएसएस आतंकवाद फैलाने के लिए आतंकी प्रशिक्षण शिविर चलाते हैं। समझौता एक्सप्रेस, मक्का मस्जिद में बम लगाए गए थे और मालेगांव में भी एक विस्फोट किया गया था। उन्होंने कहा, हमें इसके बारे में गंभीरता से सोचना होगा और सतर्क रहना होगा। जब उनकी टिप्पणी पर भाजपा और आरएसएस की ओर से हमला किया गया तो शिंदे ने बाद में कहा, यह पेपर में कई बार आया है। यह कोई नई बात नहीं है जो मैंने आज कही है।

कांग्रेस नेता एवं पूर्व गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने कांग्रेस की साजिशों का खुलासा करके प्रायश्चित करने का काम किया। हालांकि कांग्रेस के जयपुर अधिवेशन में भगवा आतंकवाद बोलने के एक महीने बाद उन्होंने अपनी टिप्पणी के लिए खेद व्यक्त किया था। शिंदे ने कहा चूंकि मेरे बयान के कारण विवाद पैदा हुआ है मैं यह स्पष्टीकरण जारी कर रहा हूं और उन लोगों के लिए खेद व्यक्त कर रहा हूं जिन्होंने मेरे बयान से आहत महसूस किया। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार अपने कर्तव्यों का पालन करना जारी रखूंगा कि भारत के सामाजिक ताने-बाने में सद्भाव बरकरार रहे।विडंबना यह है कि जयपुर अधिवेशन में शिंदे की टिप्पणी के दो दिन बाद तत्कालीन केंद्रीय गृह सचिव आरके सिंह (वर्तमान में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री और भाजपा नेता) ने शिंदे की टिप्पणी को उचित ठहराने की कोशिश की थी। सिंह ने 22 जनवरी 2013 को कहा था कि पूरे भारत में विभिन्न आतंकवादी कृत्यों में 10 लोगों को आरोपी बनाया गया जिनके आरएसएस और उससे जुड़े संगठनों से करीबी संबंध थे। सिंह ने कहा था, हां समझौता एक्सप्रेस, मक्का मस्जिद और अजमेर दरगाह शरीफ विस्फोटों की जांच के दौरान हमने कम से कम 10 ऐसे लोगों के नाम पाए जो किसी न किसी समय आरए-सएस से जुड़े रहे हैं। सिंह ने यह भी कहा था, हमारे पास उनके खिलाफ सबूत हैं, गवाहों के बयान हैं।यहां तक हुआ कि गृह मंत्रालय ने आनन फानन 10 भगवा आतंकियों की लिस्ट भी जारी कर दी थी। तत्कालीन केंद्रीय गृह सचिव आरके सिंह ने इस रिपोर्ट पर मुहर लगाते हुए कहा था कि यह लिस्ट पुख्ता सबूतों के आधार पर तैयार की गई है। इस लिस्ट में संघ कार्यकर्ता सुनील जोशी, संघ प्रचारक संदीप डांगे, संघ के नगर कार्यवाह लोकेश शर्मा, संघ की संस्था वनवासी कल्याण परिषद से जुड़े स्वामी असीमानंद, संघ के वर्ग विस्तारक राजेंद्र, संघ कार्यकर्ता मुकेश वासानी, संघ के प्रचारक देवेंद्र गुप्ता, संघ प्रचारक चंद्रशेखर लेवे, संघ प्रचारक कमल चौहान और संघ कार्यकर्ता रामजी कालसंगरा के नाम शामिल थे। इनमें से कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था और उन्हें भीषण यातनाएं दी गई थीं। इस कुकृत्य में तत्कालीन गृह सचिव आरके सिंह शरीक थे, जो आज भाजपा के नेता बने बैठे हैं।आरके सिंह रिटायर होने के बाद 2013 में भाजपा में शामिल हो गए और खुद को उस शब्द से दूर कर लिया और कहा कि उन्होंने कभी इसका इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने कहा, भगवा आतंकवाद शब्द को तब के गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने गढ़ा था। मैंने कभी उस शब्द का इस्तेमाल नहीं किया। भाजपा में शामिल होने के बाद सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर कड़े रुख के लिए पार्टी की सराहना की। बहरहाल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने भी हिंदू आतंकवाद शब्द का इस्तेमाल किया था। बाद में उन्होंने कहा कि वे केवल संघी आतंकवाद का उल्लेख कर रहे थे। कभी भी हिंदू आतंकवाद का उल्लेख नहीं किया।

अब मंदिरों की...

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने आंध्र प्रदेश सरकार से कहा है कि वह तिरुपति बालाजी सहित राज्य के सभी मंदिर हिंदू समाज को सौंप दे। मंदिरों के प्रबंधन में सरकारों, राजनीतिक व्यक्तियों तथा गैर हिंदुओं का कोई काम नहीं है। डॉ. जैन का कहना है कि हिंदुओं के महान तीर्थ तिरुपति बालाजी मंदिर से मिलने वाले महाप्रसाद की पवित्रता के संबंध में जिस प्रकार के समाचार आए उससे संपूर्ण विश्व का हिंदू समाज आक्रोशित है। आस्थाओं की सुरक्षा तो दूर मंदिरों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है। आंध्र प्रदेश में कई मंदिरों व हिंदू कार्यक्रमों पर जेहादियों के द्वारा आक्रमण किए गए परंतु दुर्भाग्य से अपराधियों पर अभी तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है। हिंदू आस्थाओं के साथ खिलवाड़ करने के ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण समाचार कई स्थानों से मिले हैं। इनमें से अधिकांश मंदिरों का संचालन सरकारों के द्वारा ही किया जाता है। हमारी आस्थाओं का तभी सम्मान हो सकता है जब इनका संचालन स्वयं हिंदू समाज के द्वारा किया जाएगा।

विहिप के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा, सरकार द्वारा नियंत्रित तिरुपति बालाजी सहित अनेक अन्य मंदिरों में हिंदुओं के द्वारा अत्यंत श्रद्धा भाव से अर्पित की गई देव राशि के सरकारी अधिकारियों व राजनेताओं द्वारा दुरुपयोग की अब तक कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इतना ही नहीं हिंदुओं का धर्मांतरण करने या हिंदू समाज को नष्ट करने का प्रयास कर रही संस्थाओं को इस पवित्र राशि से अनुदान देने के समाचार भी मिलते रहे हैं। हिंदू समाज के पैसे का उपयोग हिंदू धर्म को नष्ट करने वालों के पोषण के लिए किए जाने से हिंदू समाज बहुत व्यथित है। तिरुपति बालाजी सहित सरकार द्वारा नियंत्रित मंदिरों के प्रबंधन में कई गैर हिंदुओं की नियुक्ति करके हिंदू आस्थाओं के साथ खिलवाड़ भी किया गया है। डॉ. जैन ने कहा कि सरकारों द्वारा मंदिरों का नियंत्रण न केवल असंवैधानिक है अपितु हिंदू आस्थाओं के साथ खिलवाड़ भी है। माननीय न्यायपालिका ने कई मामलों में स्पष्ट किया है कि सरकारों को मंदिरों के संचालन और उनकी सम्पत्तियों की व्यवस्था से अलग रहना चाहिए। सरकारों द्वारा मंदिरों पर नियंत्रण संविधान की धारा 12, 25 वह 26 का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन है।

विहिप का आरोप है कि मंदिरों पर कब्जा करने वाली सरकारें औपनिवेशिक मानसिकता से ग्रस्त हैं। मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मंदिरों को लूटा, अपमानित किया और नष्ट किया। अंग्रेजों ने चतुराई पूर्वक उन पर नियंत्रण स्थापित किया और उन्हें निरंतर लूटने की प्रक्रिया स्थापित कर दी। सनातन को समाप्त करने का संकल्प लेने वाली सेकुलर राजनीतिक पार्टियां सनातनियों के मंदिरों की आय और सम्पत्ति को लूट कर अपने घर भी भरती हैं और सनातन विरोधी एजेंडा को पूरा करने का प्रयास भी करती हैं। हिंदू सम्पत्ति का हिंदू कार्यों के लिए ही उपयोग होना चाहिए। हिंदुओं के कल्याण और महान हिंदू संस्कृति के उत्थान के कई कार्य इन मंदिरों की आय से होने चाहिए थे जिनकी अब तक सर्वथा उपेक्षा की जाती रही है।

इसके साथ साथ ही विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि स्वतंत्रता के 77 वर्ष बाद भी हिंदुओं को अपने मंदिरों को संचालन करने के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। अल्पसंख्यकों को तो अपने धार्मिक संस्थान चलाने की अनुमति है परंतु हिंदू समाज को यह संविधान सम्मत अधिकार क्यों नहीं दिया जा रहा है? जबकि, हिंदू समाज अपने लाखों मंदिरों का कुशलतापूर्वक संचालन कर रहा है? सामाजिक और राष्ट्रीय आपदा के समय इन मंदिरों का योगदान हमेशा बहुत महत्वपूर्ण रहा है। हिंदू समाज की सशक्त आवाज है कि मंदिरों का सरकारीकरण नहीं समाजीकरण होना चाहिए।विश्व हिंदू परिषद ने आंध्र प्रदेश सरकार से मांग की है कि तिरुपति बालाजी सहित समस्त हिंदू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करके हिंदू संतों व भक्तों को एक निश्चित व्यवस्था के अंतर्गत सौंप दे। इस व्यवस्था का प्रारूप पूज्य संतों ने कई वर्षों के मनन और चिंतन के बाद निर्धारित किया है। तब तक, हिंदू मंदिरों के प्रबंधन व संचालन में नियुक्त अनास्थावान लोगों / गैर हिंदुओं को अविलंब हटाया जाए और यह आदेश दिया जाए कि किसी भी गैर हिंदू व राजनेताओं को मंदिर के संचालन में कभी नियुक्त नहीं किया जाएगा। हिंदू मंदिरों के पास भोजन, प्रसाद या पूजा सामग्री की कोई दुकान गैर हिंदू की ना हो, यह सुनिश्चित करना चाहिए। हिंदू मंदिरों और कार्यक्रमों पर हमला करने वाले जेहादियों व अन्य अपराधियों पर कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए जिससे भविष्य में कोई हिंदुओं पर हमला करने की सोच भी न सके। विहिप ने यह भी कहा कि हिंदू समाज इन विषयों को लेकर आक्रोशित है और यदि ये मांगें नहीं मानी गईं तो अपना संकल्प व्यक्त करने के लिए आंध्र प्रदेश का हिंदू समाज आगामी 5 जनवरी 2025 को विजयवाड़ा में विशाल संख्या में प्रदर्शन करेगा। इसके बाद भी अगर हिंदू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त नहीं किया गया और हिंदू समाज की मांगें स्वीकार नहीं की गईं तो एक व्यापक जन आंदोलन प्रारंभ किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि देश में मंदिर मुक्ति की मांग दशकों से हो रही है, लेकिन सरकार इस मांग के उलट ज्यादा से ज्यादा मंदिरों को अपने कब्जे में ले रही है। सुप्रीम कोर्ट में भी एक के बाद एक, कई याचिकाएं दायर हो चुकी हैं। कुछ याचिकाओं में मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करके हिंदुओं के साथ धार्मिक भेदभाव को खत्म करने की अपील की गई है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील और भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय ने अपनी याचिका में दो विकल्प रखे। उन्होंने कहा कि सरकार तुरंत मंदिरों से अपना नियंत्रण छोड़े या फिर मस्जिदों, दरगाहों और गिरजाघरों पर भी अपना कब्जा जमाए। सामाजिक महत्व के कई प्रमुख विषयों पर याचिकाएं दाखिल करने वाले अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि इन दोनों ही स्थिति में धार्मिक आधार पर हो रहा भेदभाव खत्म हो जाएगा। उपाध्याय सामाजिक महत्व के विभिन्न विषयों पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करते रहते हैं।देश में मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण का इतिहास अंग्रेजों के जमाने से जाकर जुड़ता है। यह परंपरा आजादी के बाद भी जारी रही और बकायदा कानून बनाकर मंदिरों पर नियंत्रण जारी रखा। तमिलनाडु में अभी हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ दान बंदोबस्त कानून 1959 के तहत करीब 45 हजार मंदिरों को सरकारी नियंत्रण में संचालित किया जा रहा है। इनमें 17 जैन मंदिर भी शामिल हैं। इसके खिलाफ साधु-संतों से लेकर सामाजिक-धार्मिक संगठन तक आवाज उठाते रहे हैं। दशकों पुराने मंदिर मुक्ति अभियान के तहत सामाजिक स्तर पर चौतरफा काम हो रहा है। विश्व हिंदू परिषद से लेकर संतों के कई संगठन इस आंदोलन को आगे बढ़ा रहे हैं।

भाजपा की सरकारें भी मंदिरों को नियंत्रण मुक्त करना तो दूर, उल्टे इसका दायरा और बढ़ाती रहीं। उत्तराखंड में तत्कालीन त्रिवेंद्र सिंह रावत की सरकार ने चारधाम एक्ट लाकर और तत्कालीन मनोहर लाल खट्टर की हरियाणा सरकार ने चंडीदेवी समेत कई प्रमुख मंदिरों को अपने नियंत्रण लेने का फैसला किया था। लेकिन तमिलनाडु और कर्नाटक के चुनावों में यही भाजपा मंदिरों को मुक्त करवाने के वादे करती है। मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण के पक्ष में कई दलीलें दी जाती हैं। सरकार मंदिरों के उचित प्रबंधन और विकास का हवाला देती है। साथ ही, यह भी कहा जाता है कि सरकार का नियंत्रण होने से मंदिरों के जरिए सामाजिक न्याय को भी मजबूती दी जाती है। सरकार मंदिर प्रबंधन समितियों में सभी वर्गों और जातियों को शामिल किया जाता है ताकि हिंदू समाज में ऊंच-नीच के भेद खत्म हो सके। ये दावे बहुत हद तक सही हैं, लेकिन इस बात से भी इन्कार नहीं किया जा सकता है कि मंदिरों के ट्रस्ट सत्ताधारी दलों के अपने लोगों को सेट करने का भी साधन बन गए हैं। पार्टी के लिए काम कर रहे लोग जब मंदिर ट्रस्ट में आते हैं तो उनका ध्यान धर्मार्थ कार्यों या मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा बढ़ाने पर न होकर अपनी जेबें भरने पर होती हैं। इस कारण से मंदिर के धन की लूटपाट होती है। हालांकि, मंदिर मुक्ति के विरोध में सबसे बड़ी दलील भी यही है कि दान में मिलने वाले धन का पंडों-पुजारियों में बंदरबांट करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।सुप्रीम कोर्ट भी हिंदू मंदिरों पर सरकारी कब्जे को कई बार अनुचित ठहरा चुका है। सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन जज जस्टिस एसए बोबडे ने 2019 में पुरी के जगन्नाथ मंदिर मामले में कहा था, मैं नहीं समझ पाता कि सरकारी अफसरों को क्यों मंदिर का संचालन करना चाहिए? उन्होंने अपनी टिप्पणी में तमिलनाडु का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकारी नियंत्रण के दौरान वहां अनमोल मूर्तियों की चोरी की अनेक घटनाएं होती रही हैं। जस्टिस बोबडे ने तब साफ कहा था कि ऐसी स्थितियों का कारण भक्तों के पास अपने मंदिरों के संचालन का अधिकार न होना है। इससे पहले सर्वोच्च न्यायालय ने 2014 में तमिलनाडु के प्रसिद्ध नटराज मंदिर पर सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने का आदेश दिया था।

पिछले कुछ वर्षों में हिंदू संगठनों की ओर से यह मांग जोर-शोर से उठाई गई है कि हिंदू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किया जाए। हिंदू संगठनों से जुड़े लोगों ने कहा है कि सरकारी नियंत्रण में मंदिरों की पवित्रता और शुद्धता को बनाए रखना असंभव हो गया है। आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर के ताजा लड्डू विवाद ने हिंदू संगठनों की इस मांग को तेज कर दिया है। लड्डू विवाद के बाद आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने मंदिरों से जुड़े मुद्दों के लिए सनातन धर्म रक्षण बोर्ड बनाने की मांग की है। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने की मांग को लेकर देश भर में अभियान चलाने का ऐलान किया है। वीएचपी का कहना है कि मंदिरों का सरकार के नियंत्रण में होना मुस्लिम आक्रमणकारियों और औपनिवेशिक ब्रिटिश मानसिकता का प्रतीक है।

हिंदू संगठनों का कहना है कि देशभर में लाखों मठ-मंदिर हैं जिन पर राज्य सरकार का कब्जा है लेकिन दूसरे मत-मजहब के धार्मिक स्थलों पर कोई कब्जा नहीं है। उनका कहना है कि यह हिंदू धर्म को मानने वालों के साथ भेदभाव करने जैसा है और इसे लेकर देश भर में आवाज उठाने की जरूरत है। ऐसे में बड़ा सवाल सामने आता है कि भारत में धार्मिक स्थलों का प्रबंधन कैसे होता है। मुस्लिम और ईसाई समुदाय के लोग अपने धार्मिक स्थलों और इससे जुड़े संस्थानों का प्रबंधन बोर्ड या ट्रस्ट के जरिए करते हैं जबकि हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध धर्म के बड़े पूजा स्थलों के प्रबंधन में सरकार का दखल है।कई राज्यों ने ऐसे विशेष कानून बनाए हैं जो उन्हें हिंदू मंदिरों के प्रशासन, उनकी आय और खर्चों में भी नियंत्रण का हक देते हैं। यह नियंत्रण उन बोर्डों और ट्रस्टों के जरिये होता है जिनमें सरकारी प्रतिनिधि होते हैं या फिर इनका नेतृत्व कोई सरकारी अफसर करता है। तमिलनाडु में सबसे ज्यादा हिंदू मंदिर सरकारी नियंत्रण में हैं। यहां राज्य सरकार ने हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग बनाया है। तिरुपति मंदिर को तिरुमला तिरुपति देवस्थानम नाम का निकाय चलाता है और यह आंध्र प्रदेश सरकार के नियंत्रण में है। अहम बात यह है कि देवस्थानम के प्रमुख की नियुक्ति राज्य सरकार ही करती है।सवाल यह भी है कि हिंदू मंदिर सरकारों के नियंत्रण में कैसे आए? 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत में लगभग 30 लाख धार्मिक स्थल हैं और इसमें से ज्यादातर हिंदू मंदिर हैं। ब्रिटिश शासन ने मंदिरों को एक बड़ी सम्पत्ति का भंडार माना और इनकी सरकार द्वारा निगरानी का काम किया। इसके लिए ब्रिटिश सरकार ने बंगाल, मद्रास और मुंबई प्रेसिडेंसी में कई कानून बनाए और इन कानूनों के जरिए उन्हें मंदिरों के प्रशासन में दखल देने का हक मिला। लेकिन आम लोगों ने इसका जोरदार विरोध किया और इसके पीछे वजह यह बताई गई कि एक ईसाई सरकार हिंदू मंदिरों का प्रबंधन कर रही थी। 1863 में धार्मिक बंदोबस्ती अधिनियम पारित हुआ और इसके जरिये मंदिरों का नियंत्रण समितियों को सौंप दिया गया। इसके बाद भी कई कानून ब्रिटिश सरकार की ओर से बनाए गए।1947 में देश के आजाद होने के बाद ब्रिटिश सरकार वाली व्यवस्था ही कायम रही और 1925 में ब्रिटिश सरकार द्वारा बनाए गए विशिष्ट हिंदू मंदिर कानून के तहत काम होता रहा। आईआईएम, बेंगलुरू के सेंटर ऑफ पब्लिक पॉलिसी के प्रोफेसर जी. रमेश द्वारा मंदिर प्रबंधन पर लिखे गए एक पेपर के अनुसार, यह कानून और इसके बाद आए संशोधनों ने मंदिरों के प्रबंधन को देखने के लिए बोर्ड की व्यवस्था करने का हक दिया और कुछ मामलों में तो बोर्ड मंदिर के प्रबंधन को पूरी तरह से अपने हाथ में ले सकता था।मंदिरों से सरकारी नियंत्रण को समाप्त करने की मांग 1959 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने पहली बार उठाई थी। संघ की मांग की थी कि मंदिरों का नियंत्रण हिंदू समुदाय को सौंप दिया जाना चाहिए और इस संबंध में प्रस्ताव पास किया था। इसके बाद आरएसएस से जुड़ी अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने काशी विश्वनाथ मंदिर के संदर्भ में एक प्रस्ताव पास कर उत्तर प्रदेश सरकार से कहा था कि इस मंदिर को हिंदुओं को लौटाने के लिए कदम उठाए जाएं। 1988 में संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल ने फिर से इस मांग को उठाया। इससे पहले दक्षिण भारत में मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो चुके थे।

वीएचपी 1970 के दशक से इस मुद्दे को लगातार उठा रही है। 2021 में उसने इस संबंध में एक प्रस्ताव भी पारित किया था। साल 2014 में भाजपा के नेतृत्व में केंद्र सरकार बनने के बाद हिंदू संगठनों ने मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने की मांग को बड़े जोर-शोर के साथ उठाया है। उनकी इस मांग को बल तब मिला था जब पिछले साल तेलंगाना में एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु सरकार पर हिंदू मंदिरों को अपने नियंत्रण में लेने का आरोप लगाया था लेकिन इसका तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने खंडन किया था।पूर्व भाजपा सांसद सत्यपाल सिंह ने संसद में एक प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया था। 2019 में उत्तराखंड में भाजपा की सरकार ने एक बोर्ड बनाकर चार धाम मंदिरों और 49 अन्य मंदिरों का प्रबंधन एक बोर्ड के अधीन कर दिया था। लेकिन इसका जोरदार विरोध हुआ और फिर इसे रद्द करना पड़ा। मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार ने 2023 में मंदिरों पर राज्य सरकार का नियंत्रण कम किया जबकि कर्नाटक की भाजपा सरकार ने भी ऐसा करने का ऐलान किया लेकिन वह अपने कार्यकाल में इस पर आगे नहीं बढ़ सकी। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत की ओर से राज्य के 51 मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से बाहर करने की घोषणा उस मुहिम का नतीजा है, जिसके तहत कुछ समय से सचेत हिंदू पूरे देश में मंदिरों की मुक्ति का अभियान चला रहे हैं। धीरे-धीरे इसमें इतनी गति आ गई है कि राजनीतिक दल भी इसे अपने वादों में स्थान देने लगे हैं। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान सदगुरु जग्गी वासुदेव ने लोगों से निवेदन किया कि वे वोट मांगने वालों से मंदिरों को राजकीय चंगुल से मुक्त कराने का वचन लें। इसी तरह अपवर्ड, जयपुर डायलॉग्स जैसे कुछ शैक्षिक-वैचारिक मंच भी इसके लिए जन-जागरण चला रहे हैं। इस बीच भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कई मंदिरों के लिए केंद्रीय बोर्ड बनाने की भी बात छेड़ी है यानी मंदिरों को अप्रत्यक्ष सरकारी नियंत्रण में लेने का प्रस्ताव। इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं हुई हैं। इसके पीछे कुछ विशेष संगठनों को मंदिरों के संचालन में स्थायी अधिकार देने की योजना देखी जा रही है। यह आशंका निराधार नहीं।हमारे देश में स्वतंत्रता के समय से ही सोवियत मॉडल पर राज्यतंत्र के अधिकाधिक विस्तार की बुरी परंपरा बनी। उससे होने वाली हानियां, व्यापक भ्रष्टाचार और अंतत: सोवियत संघ का विघटन देखकर भी हमारे राजनीतिक दलों में उसका आकर्षण नहीं घटा। कारण यही है कि राज्यतंत्र का विस्तार उनकी निजी ताकत और सुविधाएं बढ़ाता है। यह आशंका गलत नहीं कि मंदिरों को कब्जे में लेकर नेतावर्ग अपनी ताकत एवं आमदनी और बढ़ाना चाहें। इसका सबसे दुखद पहलू यह है कि जिस हिंदू समाज के बल पर भारतीय राज्यतंत्र दशकों से चल रहा है, उसी के हितों की लगातार बलि चढ़ाई जाती रही है। स्वतंत्र भारत में ही हिंदुओं को मुस्लिम और ईसाई समुदायों की तुलना में हीन दर्जे में कर दिया गया, जो ब्रिटिश राज में भी नहीं था।स्वयं भारतीय संविधान में ऐसी व्यवस्था कर दी गई कि हिंदुओं को मुस्लिमों, ईसाइयों की तुलना में कम शैक्षिक, धार्मिक, कानूनी अधिकार हैं। इस ओर संकेत करते हुए डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान को गैर-सेक्युलर कहा था, क्योंकि यह विभिन्न समुदायों के बीच भेदभाव करता है। इसी मूल गड़बड़ी का नतीजा हिंदू मंदिरों पर सरकारी कब्जा भी है। यह हिंदूवादी कहलाने वालों के शासन में भी जारी है।

खराब सड़कों...

और जल्द ही जेवर में एक भव्य इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी बनकर तैयार हो रहा है। प्रधानमंत्री ने योगी आदित्यनाथ की नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं और यूपी अब निवेश और रोजगार का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है।प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि इस बार की परियोजनाओं में यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के अलग-अलग एयरपोर्ट का भी शुभारंभ किया गया है, जिसमें बाबतपुर एयरपोर्ट के अलावा आगरा और सहारनपुर भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से इन राज्यों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश की जनता ने तीसरी बार उन्हें सेवा का अवसर दिया, तो उन्होंने तीन गुना गति से काम करने का वादा किया था। अभी केवल सवा सौ दिन ही हुए हैं, और इस दौरान 15 लाख करोड़ रुपए से अधिक की योजनाओं पर काम शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा, 10 साल पहले सरकार के घोटालों की खबरें छाई रहती थीं, जबकि आज देश के विकास की खबरें घर-घर में चर्चा का विषय हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य जनता का पैसा जनता पर ही खर्च करना है और इसे पूरी ईमानदारी से करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने जोर दिया कि पिछले 10 वर्षों में देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास पर बड़ा काम हुआ है। हाईवे, रेलवे ट्रैक, और ब्रिज जैसी परियोजनाओं से नागरिकों को सुविधा मिल रही है और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने युवाओं को राजनीति में आगे लाने की प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि वे 1 लाख नए युवाओं को राजनीति में लाएंगे, जिनका राजनीति से कोई पूर्व कनेक्शन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को परिवारवादियों से सतर्क रहना चाहिए क्योंकि वे देश और युवाओं का नुकसान करते हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि समाज का विकास तभी हो सकता है जब महिलाएं और नौजवान सशक्त हों। उन्होंने बताया कि सरकार ने महिलाओं के लिए मुद्रा लोन जैसी योजनाओं के माध्यम से उन्हें व्यापार करने की सहूलियत दी है। गांव-गांव में महिलाएं अब लखपति दीदी और ड्रोन पायलट बन रही हैं। काशी की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर की ओर इशारा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी में मां अन्नपूर्णा स्वयं भगवान शिव को भिक्षा देती हैं, और इसलिए यहां नारी शक्ति का सम्मान और सशक्तिकरण विशेष महत्व रखता है। प्रधानमंत्री ने यह भी घोषणा की कि सरकार जल्द ही 3 करोड़ और नए घर बनाने जा रही है, जिसमें वाराणसी की उन महिलाओं को भी शामिल किया जाएगा जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। इसके अलावा, उन्होंने मुफ्त बिजली योजना की भी चर्चा की, जिससे महिलाओं के जीवन को और अधिक सरल बनाया जाएगा।वाराणसी में सारनाथ के विकास से जुड़ी करोड़ों रुपए की परियोजनाओं का भी लोकार्पण हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा, सारनाथ का पाली और प्राकृत भाषा से गहरा नाता है, और यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हमने इन्हें शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। काशी के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, और यह शहर अब शहरी विकास की एक मॉडल सिटी बनता जा रहा है। उन्होंने गंगा नदी पर अंग्रेजों के जमाने में बने मालवीय पुल के बगल में बनने वाले नये डबल डेकर ब्रिज की चर्चा करते हुए कहा कि इससे वाराणसी और चंदौली की जनता को बहुत लाभ मिलेगा।इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, यह हमारा सौभाग्य है कि नए भारत के नेतृत्वकर्ता नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश की काशी से देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। दीपावली के पहले पीएम के करकमलों से काशीवासियों, प्रदेशवासियों और देशवासियों को योजनाओं का उपहार मिलने पर सीएम योगी ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया। योगी ने कहा कि एक ओर जहां इंफ्रास्ट्रक्चर में रोजगार के नए-नए माध्यम सृजित हुए हैं, वहीं दूसरी ओर देश के अंदर आम नागरिक के जीवन से जुड़ी स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य योजनाएं भी नए रूप में देखने को मिली हैं। सौभाग्य है कि नए भारत के नेतृत्वकर्ता के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के काशी से देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। अपनी आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए नए काया और कलेवर के रूप में 10 वर्ष में बदलती काशी को पूरा देश-दुनिया देख रही है। सीएम योगी ने कहा कि 10 वर्ष में केवल काशी में ही 44 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं। 34 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि 10 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। दीपावली के ठीक पहले आज काशीवासियों को 3200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उपहार प्राप्त हो रहा है।

सीएम योगी ने अंगवस्त्र ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न प्रदान कर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। सीएम योगी ने कहा कि 10 वर्ष में हमने बदलते हुए नए भारत को देखा है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार होते और मूर्त रूप लेते देखा है। भारत ने प्रत्येक क्षेत्र में विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। रोड, एयर कनेक्टिविटी, वाटरवे या रेलवे-पब्लिक ट्रांसपोर्ट, नगरीय क्षेत्रों की मेट्रो व रैपिड रेल की सुविधा हो, प्रत्येक क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर का आज आधुनिक मॉडल देखने को मिला है। दीपावली के ठीक पहले पीएम के करकमलों से काशीवासियों, प्रदेशवासियों और देशवासियों को 6700 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उपहार प्राप्त हो रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा की ऐतिहासिक विजय पर प्रदेशवासियों व काशीवासियों की तरफ से पीएम का स्वागत-अभिनंदन किया। सीएम योगी ने कहा कि पीएम के करकमलों से काशी में एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन के शिलान्यास, आगरा में नए एयरपोर्ट के शिलान्यास व सहारनपुर के सरसावा एयरपोर्ट के लोकार्पण हो रहा है। इसके लिए सहारनपुर व आगरा के नागरिकों की तरफ से आभार प्रकट करता हूं।समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, योगी सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना, अनिल राजभर, रवींद्र जायसवाल, गिरीश चंद्र यादव, दयाशंकर मिश्र दयालु, महापौर अशोक तिवारी, विधायक नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, टी. राम, डॉ. अवधेश सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा आदि मौजूद थे।

प्रदेश को मिली ...

रोजगार के नए अवसर पैदा करने और नागरिकों की जीवनशैली को बेहतर बनाने में सहायक होंगी। प्रधानमंत्री ने वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के विस्तार के लिए भी महत्वपूर्ण घोषणा की। लगभग 2,870 करोड़ की लागत से हवाईअड्डे के रनवे के विस्तार, एक नए टर्मिनल भवन के निर्माण और संबद्ध कार्यों की आधारशिला रखी गई। इससे हवाईअड्डे की क्षमता और सुविधाओं में विस्तार होगा, जिससे पर्यटकों और व्यापारियों के लिए वाराणसी और पूर्वांचल का कनेक्टिविटी और विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा।खेल प्रतिभाओं को बढ़ाने के लिए 219 करोड़ की लागत से वाराणसी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के फेज दो और तीन का लोकार्पण। नेशनल सेंटर ऑफ एक्सिलेंस, खिलाड़ियों और कोच के लिए हॉस्टल सुविधा, क्रिकेट और फुटबॉल मैदान, शूटिंग रेंज, डॉ भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में 100 बेड के हॉस्टल के साथ ही पवेलियन का निर्माण। 4 करोड़ की लागत से भरथरा और चिरईगांव में स्वास्थ्य केंद्रों का लोकार्पण। 20 पार्कों के सौंदर्यीकरण और नवनिर्माण। सारनाथ में 90 करोड़ से सौंदर्यीकरण। गुरुधाम और बाणासुर मंदिर का सौंदर्यीकरण। दो करोड़ से टाउनहाल शॉपिंग कॉम्पलेक्स का निर्माण। 7 करोड़ से आईटीआई की हाईटेक लैब। 14 करोड़ से सीपैट में छात्रावास। 6 करोड़ से करसड़ा में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट कार्य। ककरमता में 1 करोड़ से प्ले एक्टिविटी जोन। सेंट्रल जेल में 11 करोड़ की लागत से कारागार बैरक। 4 करोड़ से कस्तूरबा गांधी में एकेडमिक ब्लॉक।

सीआरपीएफ...

करने मौके पर पहुंची। सुरक्षा एजेंसियां आसपास के कई सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी हैं। रोहिणी जिला के डीसीपी समेत अन्य अधिकारियों द्वारा ये सख्त निर्देश दिया गया है कि कोई भी सीसीटीवी का कोई भी क्लिप लीक नहीं होना चाहिए। वहीं, एफएसएल टीम ने घटनास्थल से नमूने एकत्र किए हैं।

उड़ान भर...

मगर एयर इंडिया की ओर से इसे लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई। इस सप्ताह अब तक 90 से अधिक उड़ानों में बम की धमकियां मिल चुकी हैं।बम धमकी की घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। देशभर की एयरलाइंस को एक हफ्ते में 80 से ज्यादा बम की धमकियां मिली हैं। इन घटनाओं ने यात्रियों में डर और असुविधा का माहौल पैदा किया है, जबकि एयरलाइंस और सुरक्षा एजेंसियों पर अतिरिक्त दबाव बना है। इस संदर्भ में नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो और अन्य संबंधित एजेंसियाँ लगातार प्रयासरत हैं कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान हो सके।

इन धमकियों के बाद डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) के प्रमुख विक्रम देव दत्त का तबादला कर दिया गया है। उन्हें कोयला मंत्रालय में सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है और उनकी जगह जल्द ही एक संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी लेंगे। बताया जा रहा है कि यह कदम हालिया बम धमकी की घटनाओं के बाद लिया गया है। शनिवार को 30 से अधिक विमानों को बम की धमकी मिली, जिससे हवाई सुरक्षा में चिंता बढ़ गई। अब तक कुल 80 विमानों को धमकियां मिल चुकी हैं। इन विमानों में विस्तारा, इंडिगो, एयर इंडिया, स्पाइसजेट, स्टार एयर, एलाएंस एयर जैसी कंपनियां शामिल थीं। इस बीच, मुंबई से कोलंबो जा रही विस्तारा की फ्लाइट में बम की खबर मिलने के बाद सभी 96 यात्रियों और 8 क्रू सदस्यों को सुरक्षित उतारा गया। इसके अलावा कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को भी धमकियों का सामना करना पड़ा।

ऐसी प्रत्येक धमकी के बाद होने वाली जांच और प्रोटोकॉल को पूरा करने में काफी समय और पैसा खर्च होता है। ऐसी हर धमकी पर 3 करोड़ से ज्यादा का नुकसान होता है। एक अनुमान के मुताबिक, इन धमकियों से अब तक 200 करोड़ से अधिक का नुकसान हो चुका है। साथ ही यात्रियों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है।

हिंदू कर्मचारियों...

चंचल त्यागी ने अपने उत्पीड़न की शिकायत पहले एयरपोर्ट प्रशासन और फिर दिल्ली पुलिस कमिश्नर के पास की, लेकिन जब वहां से कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने एक वीडियो जारी कर अपनी व्यथा व्यक्त की और पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्य सरकार से न्याय की गुहार लगाई। उनका कहना है कि नौकरी छोड़ने के अलावा उनके पास अब कोई विकल्प नहीं बचा है, क्योंकि महजबीन लगातार उनका उत्पीड़न कर रही हैं।

एयर इंडिया की मुस्लिम अधिकारी महजबीन से इस बारे में बात की गई, तो उन्होंने सभी आरोपों को निराधार बताया। उनका कहना था कि कंपनी के नियम और ड्रेस कोड सभी कर्मचारियों पर समान रूप से लागू होते हैं, चाहे वह हिंदू हो या मुस्लिम। महजबीन ने कहा, कंपनी में ड्रेस कोड के तहत हिंदू कर्मचारी को तिलक लगाने और मुस्लिम कर्मचारी को टोपी पहनने की अनुमति नहीं है। एयरपोर्ट पर विभिन्न धर्मों के यात्री आते हैं, और इसलिए यह नियम बनाए गए हैं ताकि किसी भी धार्मिक प्रतीक को दिखाने से बचा जा सके। महजबीन ने यह भी कहा कि कंपनी में सभी धर्मों के लोग काम करते हैं और उन पर समान नियम लागू होते हैं। लेकिन चंचल त्यागी ने इन नियमों का उल्लंघन किया, जिसके बाद उन्हें हिदायत दी गई थी। एयर इंडिया की ओर से इस विवाद पर अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। चंचल त्यागी के वीडियो के वायरल होने के बाद यह मामला तूल पकड़ गया है। सोशल मीडिया पर कई लोग चंचल के समर्थन में आ गए हैं और इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।हिंदू कर्मचारियों के साथ धार्मिक भेदभाव का प्रकरण लगातार सामने आ रहा है। अभी हाल ही में प्रयागराज में डायसिस ऑफ लखनऊ में तैनात कर्मचारी आकाश त्रिपाठी ने डायसिस ऑफ लखनऊ के बिशॉप मारिश एडगर दान और उनके बेटे एलन दान, पादरी अजीत फ्रांसिस, महिला पादरी विनीता इशुबियस पर जबरन धर्मपरिवर्तन का आरोप लगाया है। युवक पर ईसाई धर्म का प्रचार प्रसार करने का जबरन दबाव बनाया जा रहा है! पीड़ित ने मामले की तहरीर सिविल लाइंस थाने में दर्ज कराई है।

पीड़ित ने बताया कि डायसिस के कर्मचारी कई माह से मुझ पर जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहे थे। इसके लिए उन्होंने मुझे संस्था में स्थाई नौकरी का प्रलोभन व मोटी रकम देने को कहा। इसका विरोध करने पर मुझे नौकरी से निकालने की धमकी दी जाने लगी। उसे कमरे में बुलाकर बिशप के अलावा एलन दान, कटरा चर्च के पादरी अजीत फ्रांसिस, अमर मोसेस, विनीता इसुबियस, आर्ची तिमोथी सहित कई लोग मौजूद थे, उन्होंने उसके ऊपर जल छिडक कर कहा कि अब तुम ईसाई बन गए हो। बिशप ने कहा कि अब प्रभु ईशू का प्रचार प्रसार करोगे, हिंदू देवी देवताओं की पूजा नहीं करोगे। अब तुम्हे स्थाई नौकरी और बीस हजार की राशि दी जाएगी। इसके दूसरे दिन तिलक लगाकर कार्यालय पहुंचने पर उसके साथ बदसलूकी की गई और कार्यालय के बाहर रोक दिया गया। त्रिपाठी ने कहा, अब मेरा कार्यालय में जाना प्रतिबंधित कर दिया गया है।मुरादाबाद के लैक्मे फैशन एकेडमी की तरह कलावा-तिलक को लेकर हिंदू छात्र-छात्राओं के उत्पीड़न के मामले रुहेलखंड में भी लगातार सामने आ रहे हैं। अमरोहा और रामपुर के दो कॉलेजों में बच्चों को तिलक-कलावा की वजह से परेशान किया गया, तो हिंदू संगठन सड़कों पर उतर आए। कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। आक्रोश का ज्वार देखकर अमरोहा में मुस्लिम प्रबंधक बैकफुट पर आ गए तो रामपुर में शिकायत पर मुस्लिम शिक्षिका को कॉलेज से हटा दिया गया है।हाथ में कलावा और माथे पर तिलक की वजह से हिंदू बच्चों के उत्पीड़न का एक मामला अमरोहा में मंडी धनौरा मार्ग पर स्थित पियर्स चड्ढा इंटर कालेज में सामने आया है। पीड़ित छात्रों ने बताया कि कॉलेज प्रबंधन उनके साथ भेदभाव कर रहा था। कलावा और तिलक देखकर उनको परेशान किया जाता था और कॉलेज आने से रोका जाता था। अभिभावकों के जरिए इसकी जानकारी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को लगी तो गुस्साए कार्यकर्ता मैदान में उतर आए।अमरोहा जैसा ही प्रकरण रामपुर जिले में धमौरा स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में देखने को मिला। कॉलेज में स्टाफ की कमी के चलते प्राइवेट तौर पर एक मुस्लिम शिक्षिका फिरदौस को पढ़ाने के लिए रखा गया था। कट्टरपंथी विचारों वाली फिरदौस को हिंदू छात्रों के कलावा बांधकर और तिलक लगाकर आने से चिढ़ थी। फिरदौस ने कुछ छात्राओं को डांट-डपटकर कलावा-तिलक के बिना ही कॉलेज आने की चेतावनी दी। छात्राओं ने इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी तो अभिभावकों ने पूरी स्थिति से हिंदू संगठनों को अवगत कराया। इसी तरह दमोह के गुड शेफर्ड स्कूल में हिंदू लड़कियों को टीसी में ईसाई बताने का प्रकरण सामने आ चुका है। उस स्कूल में हिंदुओं को एडमिशन नहीं दिया जा रहा।

विरोध करने वाले...

तेलंगाना भाजपा प्रवक्ता तुल्ला वीरेंद्र गौड़ ने टिप्पणी की कि कांग्रेस शासन में हिंदू और उनके मंदिर सुरक्षित नहीं हैं।निश्चित ही यह बहुत गंभीर विषय है कि जब इस मामले में केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने मंदिर का दौरा किया था और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की थी। उन्होंने इसे शर्मनाक घटना बताते हुए साफ कहा था कि देव प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने वाला यहां चोरी करने नहीं आया था, बल्कि हिंदू समाज का अपमान करने आया था। हैदराबाद में विभिन्न स्थानों पर ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं, कुछ लोग हैदराबाद में तनाव पैदा करने और हैदराबाद में सांप्रदायिक दंगे बढ़ाने के लिए जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने राज्य की रेवंत रेड्डी सरकार से ऐसे घटित सभी मामलों में जल्दी कार्रवाई करने और दोषियों को गिरफ्तार करने के लिए ही तो कहा था, जबकि सरकार आज क्या कर रही है? उल्टे यह मांग करने वाले प्रदर्शनकारियों पर डंडे बरसा रही है और दूसरी तरफ श्री मुथ्यलम्मा मंदिर में घुसकर मुख्य मूर्ति को अपवित्र करने का काम जिसने किया उस सलमान सलीम को कांग्रेस सरकार जेल में बिरयानी खिला रही है! तेलंगाना में कांग्रेस की रेवंत रेड्डी सरकार का ये कैसा न्याय सही बात कहने वालों पर लाठीचार्ज? जबकि उसे अभी अन्य आरोपियों को पकड़ना चाहिए था!

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज सम्मेलन 6.0 का समापन

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री अन्न पारिस्थितिकी तंत्र एवं भावी कार्य योजनाओं पर ध्यान किया गया केंद्रित

तेलंगाना के कृषि मंत्री ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं को दिया पूर्ण सहयोग का आश्वासन

न्यूट्रीहब भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान हैदराबाद द्वारा 17 से 19 अक्तूबर के दौरान आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज सम्मेलन 6.0 (आईएनएनसी 6.0) एक उच्च टिप्पणी के साथ संपन्न हुआ, जिसमें श्री अन्न पारिस्थितिकी तंत्र के प्रमुख हितधारकों को चुनौतियों का समाधान करने और भावी मार्ग तैयार करने हेतु एक मंच पर लाया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन रविवार 19 अक्तूबर, को एक गोलमेज सम्मेलन हुआ, जिसमें श्री अन्न को बढ़ावा देने और भावी कार्य-योजनाएं तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। डॉ. बी दयाकर राव, प्रभारी निदेशक, भाश्रीअनुसं तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी, न्यूट्रीहब ने समापन सत्र का नेतृत्व किया, जिसमें विशेष अतिथि थुम्मला नागेश्वर राव, कृषि मंत्री, तेलंगाना, एन चालुवरायस्वामी, कृषि मंत्री, कर्नाटक, और डॉ. आर सी अग्रवाल, उप महानिदेशक (शिक्षा), भाकृअनुप को सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन के दौरान, थुम्माला नागेश्वर राव ने श्री अन्न संवर्धन में न्यूट्रीहब तथा भाकृअनुप - भाश्रीअनुसं की सराहना की और आश्वासन दिया कि तेलंगाना सरकार किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए किसान प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और रियायती मूल्य प्रदान करके श्री अन्न की

खेती को बढ़ावा देने के लिए भाकृअनुप - भाश्रीअनुसं के साथ मिलकर काम करेगी। एन चालुवरायस्वामी ने श्री अन्न उत्पादन में अग्रणी-कर्नाटक की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा श्री अन्न मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए क्षेत्रीय सहयोग के महत्व पर बल दिया। डॉ. आर सी अग्रवाल ने टिकाऊ और पौष्टिक फसल के रूप में श्री अन्न में बढ़ती रुचि का समर्थन करने के लिए निरंतर अनुसंधान और शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न पुरस्कारों के माध्यम से श्री अन्न के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को सम्मानित किया गया। डॉ. के भास्कराचार्य (पूर्व निदेशक एनआईएन), प्रो. वी पलानीमुथु (निदेशक, एनआईएफटीआईएम, तंजावुर) और डॉ. सुधांशु (सचिव, एपीडा) को आजीवन उपलब्धि पुरस्कार प्रदान किए गए। पोषक अनाज पुरस्कारों में विविध श्रेणियों में उपलब्धियों को पुरस्कृत किया गया। स्टार्टअप ऑफ द ईयर का पुरस्कार स्कंदनशी एग्रो फूड्स प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया, मेमराइजिंग मिलेट्स, महाद-ेवा एंटरप्राइजेज, संहिर फूड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और स्काईरूट्स वेंचर्स एलएलपी को प्रदान किया गया। इसायु फूड्स को सोशल वेंचर ऑफ द ईयर अवार्ड मिला, जबकि विजयांजलि न्यूट्री सीरियल्स एलएलपी को मिलेट फ्रैंचाइज़ ऑफ द ईयर के रूप में मान्यता मिली। डॉ. एस शोभना को श्री अन्न खपत में अनुसंधान व विकास के उत्प्रेरक के रूप में सम्मानित किया गया। पोषक अनाज एफपीओ ऑफ द ईयर अवार्ड लांबासिंगी ट्राइबल प्रोडक्ट्स एफपीसीएल को मिला और हमारा अनाज को श्री अन्न खेती में चैंपियन से सम्मानित किया गया। मिलेट पाककला उत्कृष्टता पुरस्कार झुमरू रेस्टोरेंट को दिया गया और युवा श्री अन्न उद्यमी ऑफ द ईयर का खिताब निसर्ग मिलेट किचन को दिया गया। आईएनएनसी 6.0 ने 1600 से ज्यादा प्रतिभागियों के साथ, श्री अन्न किसानों, शोधकर्ताओं, नीति-निर्माताओं और उद्योगपतियों के मध्य महत्वपूर्ण संवादों को सुविधाजनक बनाया, जिससे श्री अन्न उत्पादन और खपत में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारत की स्थिति मजबूत हुई है।

अग्रसेन बायोडेटा कमेटी की साप्ताहिक बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रसेन बायोडेटा कमेटी की साप्ताहिक बैठक रविवार को सिकंदराबाद पान बाज़ार ऑफ़िस में आयोजित की गई। पंकज संघी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार हर रविवार यहां पर मीटिंग होती है और सभी अग्रवाल बंधु अपने अपने पुत्र-पुत्री के बायोडाटा आदान-प्रदान कर इस सिलसिले पर चर्चा करते हैं। आज की बैठक में दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज कुमार संघी, सत्यनारायण मोदी, अरविंद गोयल, ओमप्रकाश अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, संजय, भगवती प्रसाद अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, महेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज की मैरेज डेटा कमेटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज की मैरेज डेटा कमेटी की 49वीं बैठक समाज कार्यालय राघव रत्ना टॉवर में आयोजित की गई। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रति रविवार कमेटी की बैठक 11 बजे से 1 बजे तक होती है जिसमे अभिभावक गण अपने बालक एवं बालिकाओं के बायोडेटा जमा कर उपलब्ध बायोडेटा का संज्ञान ले सकते हैं।

कमेटी द्वारा व्हाट्सप में एक ग्रुप एएमडीसी ऑनली बायोडाटा का बना हुआ है जिसमे उन सभी लड़कियों के जिनके बायोडेटा समाज में उपलब्ध हैं केवल उन्हीं के अभिभावक गण उस ग्रुप के सदस्य हैं तथा सभी बालकों के बायोडेटा फोटो सहित ग्रुप में उपलब्ध है। लड़कियों के अभिभावक गण उस ग्रुप में देखकर अपनी लड़की के लिए उचित लड़का ढूँढ सकते हैं। पहली बार यह ग्रुप बनाया गया है जो काफ़ी उपयोगी सिद्ध हो रहा है। सभी अग्रबंधुओं से आग्रह है अपने अपने विवाह योग्य बालक बालिकाओं के बायोडेटा समाज में जमा करवायें । व्हाट्सप ग्रुप के बारे में जानकारी कमेटी के किसी भी सदस्य से ली जा सकती है। कमेटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल के घर पर भी बायोडेटा जमा करके उपलब्ध बायोडेटा का संज्ञान लिया जा सकता है । रोज़ाना 12 बजे से 5 बजे तक अपने निवास बंजारा हिल्स पर वे उपलब्ध है । उनसे फ़ोन नंबर 9396222880 पर बात कर समय लेकर संपर्क किया जा सकता है । कमेटी में उपलब्ध बायोडेटा में समाज के इस सत्र अर्थात् 14 महीने में 142 रिश्ते नक्की हुए हैं। बैठक में अग्रवाल समाज की मैरेज डेटा कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, कन्विनर रमेश कुमार तुल्सियान, वाइस चेयरमैन सतीश कुमार अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, सुनील कुमार मित्तल, समाज के आक्यूपंचर के डॉक्टर बालकृष्ण सुरेखा एवं बालक-बालिकाओं के अभिभावक गण उपस्थित थे।

बधर माता धाम में शतचंडी पाठ एवं यज्ञ 8 नवम्बर से

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सोमानी, मर्दा, छापरवाल, बागड़ी, मक्कड़ सहित 14 माहेश्वरी खापों की कुलदेवी बधर माता का तृतीय वार्षिक महोत्सव गोपाष्टमी 8 नवम्बर से 10 नवम्बर तक बधर माता धाम, ताना गांव चितौड़ (राज) में आयोजित किया ज़ा रहा है। इसके प्रचार हेतु रविवार को बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति की बैठक आज सेवा समिति के अध्यक्ष राजेश सोमानी के निवास स्थान पर संपन्न हुई। राजेश सोमानी के अध्यक्षता में संपन्न इस बैठक में बधर माता ट्रस्ट के राष्ट्रीय सह सचिव गोविंद सोमानी ने संबोधित करते हुए बताया कि बधर माता धाम में निर्माणाधीन अत्याधुनिक भक्त निवास के निर्माण कार्य निरंतर हो रहा है। अभी तक दो मंज़िल के छत निर्माण का कार्य पूर्ण हो गया है। सर्व प्रथम 13 अत्याधुनिक रूम का निर्माण होगा। इस वर्ष बधर माता धाम में त्रिदिवसीय वार्षिक कार्यक्रम के अंतर्गत 8 नवम्बर कों देवी का शतचण्डी पाठ के साथ नौ कुंडिय यज्ञ का आयोजन प्रारंभ होगा, 9 नवम्बर को रात्रि चितौड़ निवासी राजेश सोमानी तथा किशनगढ़ निवासी अंकित सोमानी द्वारा माताजी का भव्य जागरण प्रस्तुत किया जाएगा। 10 नवम्बर को नौ कुण्डी यज्ञ की पूर्णाहुति, बधर माता ट्रस्ट की सर्व साधारण वार्षिक बैठक तथा माताजी के भंडारे साथ कार्यक्रम का समापन होगा। त्रिदीवसीय कार्यक्रम् में संपूर्ण भारत वर्ष से सैकडो की संख्या में कुलपुत्र बधर माता धाम पधारेंगे। हैदराबाद से भी लगभग 40 भक्त पधारेंगे।उपाध्यक्ष रमेश मर्दा ने अपने संबोधन में हैदराबाद के जागरण की तैयारियाँ करने तथा इस वर्ष अधिक से अधिक भक्तों से प्रत्यक्ष रूप से मिलने का सुझाव दिया, जिसे अनुमोदन करते हुए राजगोपाल मर्दा ने सभी सदस्यों में सक्रिय रूप से कार्य करने की विनती की। बधर माता सेवा समिति हैदराबाद के सहसचिव हनुमान सोमानी ने सभी सदस्यों को धन्यवाद देते हुए अधिक से अधिक भक्तों को कुलदेवी के बधर माता धाम चलने का आग्रह किया। पधारने वाले सभी भक्तों की आवास तथा भोजन की व्यवस्था ट्रस्ट द्वारा कियी गई है। बैठक में राजेश सोमानी, गोविंद सोमानी, रमेश मर्दा, राज-गोपाल मर्दा, शाम सुंदर सोमानी, सुनील सोमानी, राधेशाम सोमानी, लक्ष्मीनारायण सोमानी, सीए सर्वेश सोमानी, रामगोपाल मर्दा, मदन गोपाल सोमानी तथा हनुमान भाई सोमानी उपस्थित रहे।

रविवार को बड़ा निर्माण अखाड़ा पुराना पुल के महंत योगी प्रशांत दास का सम्मान लालचंद जायलवाल, संदीप जायलवाल और विशाल शर्मा द्वारा किया गया।

बिहार समाज सेवा संघ और बिहार अग्रवाल समाज की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार समाज सेवा संघ और बिहार अग्रवाल समाज की संयुक्त बैठक रविवार को आगामी छठ पूजा कार्यक्रम के आयोजन हेतु पैराडाइज स्थित अग्रवाल समाज फंक्शन हॉल में सम्पन्न हुई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा और व्रतियों एवं आगंतुकों के लिए पूजा संबंधी तैयारियों पर व्यापक चर्चा हुई। बिहार अग्रवाल समाज के साथ आने से छठ पूजा को और भव्य तरीके से मनाने का निर्णय लिया गया। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए उनके प्रबंधन और सुविधाओं पर दोनों समाज के पदाधिकारियों ने टीम बनाकर सुचारू रूप से सम्पन्न करने की योजना बनाई। इस अवसर पर बिहार समाज के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा, अध्यक्ष मनीष तिवारी, सचिव विकास सिंह और कोषाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति उपस्थित थे।

बिहार अग्रवाल समाज की तरफ से अध्यक्ष विकास केशान, उपाध्यक्ष संतोष टांटिया, सचिव भीम फिटकरीवाला, सह सचिव अनूप झुनझुनवाला, कोषाध्यक्ष विकी सराफ, कन्वेयर विकास हिसारिया, रमेश गोयल, विनय कुमार जैन, अर्जुन फिटकरीवाला और हरि मोहन सराफ शामिल हुए। दोनों समाज के पदाधिकारियों ने इस संयुक्त आयोजन पर खुशी जताई और आगे भी इसे जारी रखने पर सहमति बनाई।

सनातन मित्र मंडल, अपरपल्ली अत्तापुर द्वार अन्नप्रसादम का आयोजन किया गया। रामकिसन, चंद्र प्रकाश केडिया, शंकरलाल, नवीन, मुकेश, आदर्श, आनंद, अर्जुन, प्रशांत, भरत, यश, राहुल सभी ने अन्नदान में भाग लिया।

घटकेसर में अन्नोजीगुडा स्थित में करवा चौथ के पावन अवसर पर पूजा-अर्चनाकर पति की लंबी उम्र के लिए चांद का दीदार करती हुई धार्मिक सेवा की कंचन देवी काग, पुष्पा देवी, अनीता देवी, गीता देवी, सीमा देवी, ममता देवी, सुनकी देवी, ज्ञानी देवी, गेरी देवी, लक्ष्मी देवी व प्रवासी महिलाएं।

सरकार ने गौशालाओं से आर्थिक अनुदान के लिए विवरण मांगे

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय प्राणी मित्र संघ के एक प्रतिनिधि मंडल ने तेलंगाना पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निर्देशक से भेंटकर गौशालाओ को हो रही कठीनाईयो के बारे मे चार्चा की थी। जिसके परिणाम स्वरूप तेलंगाना पशुपालन विभाग के निदेशक आईएएस अधिकारी गोपी ने भारतीय प्राणी संघ को एक पत्र द्वारा सभी गौशालाओ का विवरण देने का अनुरोध किया।

आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ती में भारतीय प्राणी मित्र संघ के सहमंत्री रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि संघ के अध्यक्ष सीए जसराज श्रीमाल, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमेन जसमत पटेल, गो-वत्स फाउंडशन के अध्यक्ष मुरली मनोहर पलोड, तेलंगाना गौशाला फेडरेशन के महेश अग्रवाल, समर्थ कामधेनु गौशाला के कार्यकारीणी सदस्य पुरुषोत्तम गुप्ता, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार फाउंडेशन के मानद् मंत्री रिद्धीश जागीरदार ने काचीगुडा स्थित उच्च न्यायालय के अधिवक्ता गौभक्त जीएल नरसिम्हा राव से भेट कर विभिन्न विषयो पर चर्चा की।

जैन रत्न जसराज श्रीमाल ने इस अवसर पर कहा कि राज्य मे जितनी भी गौशालाए कार्यरत है उनसे कसाईयो से बचाये गये गाय, भैंस, बैल, गौवंश आदि के बारे में निर्धारीत फार्म मे जानकारी देने को कहा। यह जानकारी भारतीय प्राणीमित्र संघ के कार्यालय नं. 37. रायल प्लाजा, हनुमान व्यायामशाला स्कुल के सामने, सुलताना बाजार मे अथवा ईमेल bhartiyapms99gmail.com द्वारा भी दी जा सकती है। ज्ञात रहे कि तेलंगाना उच्च न्यायालय ने अपने 6 दिसम्बर 2022 को अपने अहम निर्णय मे सरकार से गौशाल-ाओ को आर्थिक अनुदान देने के लिए तेलंगाना सरकार को निर्देश दिया था। जिसको अमल में लाने के लिए तेलंगाना सरकार के पशुपालन विभाग के निर्देशक ने भारतीय प्राणी संघ को सभी गौशालाओ का विवरण देने का अनुरोध किया। जसराज श्रीश्रीमाल ने तेलंगाना की सभी गौशालाओ को 15 दिन के भीतर निर्धारीत फार्म मे पूर्ण विवरण भरकर देने का आह्वान किया। जिससे सरकार को विवरण सही समय पर देने से हमे आगे की कार्यवाही करने में आसानी होगी।

सीए मुरली मनोहर पलोड ने भी सभी गौशालाओ को अवश्य ही अपना पूरा विवरण देने के लिए निवेदन किया। क्योकि गौशालाओ को भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड रहा है। और दिन व दिन गौशालाओ मे गौवंश की संख्या भी बढती जा रही है। जसमत पटेल ने आश्चर्य व्यक्त किया की गुजरात राज्य में प्रती गौवंश 50 रूपये प्रतिदिन गुजरात सरकार द्वारा दी जा रही है। उन्होने राज्य के मुख्यमंत्री से जल्दी से जल्दी भेंटकर इस संबंध मे तुरंत कार्यवाही करने का निवेदन किया जायेगा। पुरुषोत्तम गुप्ता ने कहा कि समर्थ कामधेनु गौशाला मे कत्लखानो मे जाती हुई गौवंश को बचाकर इसका पालन पोषण किया जा रहा है। मगर इनकी संख्या दिनो दिन काफी बढ रही है। जिससे गौशाला को आर्थिक समस्या से जूझना पड रहा है। वर्तमान मे चारे की किमते भी काफी बढी हुई है जिससे भी काफी आर्थिक कठीनाई हो रही है। उच्च न्यायालय के निर्णय को देखते हुए हम सभी गौशाला प्रबंधको को जल्दी से जल्दी फार्म भरकर सरकारी सहायता प्राप्त करनी चाहिए।

जी.एल. नरसिम्हा ने कहा कि पशु कुरता निवारण कानून एवं पशु वध निषेध कानूनो का सख्ती से पालन करना आवश्यक है। तेलंगाना में गौ वध निषेद्य एवं पशु संरक्षण अधिनियम 1977 के अनुसार प्रदेश में गौ एवं गो भैस बछडो पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध है एवं अन्य पशु जैसे बैल-भैस 14 वर्ष एवं कृषि उपयोगी होने तक उनके वध पर पूर्ण प्रतिबन्ध है। सक्षम अधिकारी से प्रमाण पत्र लेकर ही अनुपयोगी बैल-भैंस को वध के लिये लाईसेंस प्राप्त कत्लखानें में भेजने का सक्षम अधिकारी को अधिकार दिया गया है। दुर्भाग्य से सक्षम अधिकारी अपने अधिकारों का दुरूपयोग करते हुए भ्रष्ट अनुचित तरीको से सरलता से प्रमाण पत्र दे देते है। और गैर कानूनी रुप से पशु कत्लखाने भेज दिये जाते है जहां इन्हें कुर रुप से कत्ल कर दिया जाता है। जी. एल. नरसिम्हा ने आगे कहा कि आन्ध्र प्रदेश एवं तेलंगाना उच्च न्यायलायों ने कई बार सरकार को आदेश दिये है कि उपरोक्त कानूनों का कडाई एवं सख्ती से पालन करना चाहिये। बावजूद, राजनैतिक कारणों से सरकारे विशेष वर्ग की नाराजगी नही लेने के लिये, कानून को ताक पर रखते हुए धडुले से गौ वंश को कत्ल के लिये इजाजत दे देती है पुलिस स्टेशनों के नाक के नीचे गलीयों में गौवंश वेचा जा रहा है। यह शर्म की बात है कि बकरी ईद को गौ ईद बनाया जा रहा है। पशु क्रूरता रोकथाम आधिनियमों का भारी मात्रा में उलंघन किया जाता है।

जैन जागृति सेंटर का डांडिया धूम कार्यक्रम नामपल्ली स्थित होटल क्वालिटी इन रेजिडेंसी में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष भावेश कामदार।

बिहार सहयोग समीति तेलंगाना की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार सहयोग समीति तेलंगाना की बैठक अध्यक्ष बिनय कुमार यादव कि अध्यक्षता में दुर्गा माता मंदिर इंदिरा नेहरु नगर मल्काजगिरी में संपन्न हुई।

जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार महासचिव सागर भगत ने बताया कि हर साल कि तरह इस साल भी दुर्गा पूजा बहुत धूमधाम से मनाई गई और भारी मात्रा में बिहार, यूपी, तेलंगाना के गन मान लोगों ने आकर पूजा में भाग लिया। प्रोग्राम इंचार्ज मनोज भगत ने बताया कि तरह तरह की झांकी प्रस्तुत की गईं और महिला एसोसिएशन द्वारा बच्चों का डांस प्रस्तुत किया और महिलाओं ने कलश यात्रा और बहुत से प्रोग्राम पेश किए। कोषाध्यक्ष लल्लन मिश्रा और दिपक गुप्ता ने पुजा का पुरा लेखा जोखा प्रस्तुत किया।

इस मौके पर समीति के वरिष्ठ पदाधिकारी राजेश्वर भगत, चंद्र देव सिंह एवं गया नंदराय ने बताया कि बिहार सहयोग समीती को और आगे बढ़ाने की जरूरत है। इस मौके पर सेन्ट्रल कमेटी के जैन्त यादव, उत्तम यादव, बिजेंद्र गुप्ता, पंकज यादव, उपाध्यक्ष बिवेश झा, सहसचिव सुनील भगत, हरे राम यादव, शिव कुमार यादव, हरिश यादव, गोपाल भगत, शुशील कुमार, सुनील ठाकुर, सुरज यादव, गोपाल भगत, संजय भगत, बिनोद यादव, पंचम भगत, मनोहर भगत, बुनी भगत एवं भारी मात्रा में सदस्यगण उपस्थित रहे। अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने दुर्गा पूजा सफल बनाने में सभी लोगों का अभार प्रकट किया।

कांग्रेस नेता एनके सिंह-मालती सिंह की पौत्री एवं नेता-अमरजीत की पुत्री कु. देवांशी सिंह के जन्मदिवस पर सुंदरकांड एवं शांतिनिकेतन अनाथ आश्रम में अन्नदान किया गया। इस अवसर पर एनके सिंह, माल्ती सिंह, दीपिका, नंदकिशोर सिंह, नेता-अमरजीत सिंह, ज्योति सिंह, सुर्यांश, गायत्री, लक्षजीत सिंह, छवि, एच. डीनिवास, राजशेखखर शर्मा, चंद्रशेखर शर्मा, भार्गव एवं अन्य उपस्थित थे।

जुपल्ली ने तेलंगाना में साहसिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए सहमति दी

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साहसिक खेलों के अंतर्गत आने वाले सभी विषयों को बढ़ावा देने के लिए राज्य भर में साहसिक क्लब ऑफ तेलंगाना स्टेट ने स्पोर्ट्स विलेज के साथ सहयोग किया है। शनिवार को शहर में इस गठजोड़ की शुरुआत हुई, जब एसीटीएस के संस्थापक के. रंगा राव और सह-संस्थापक बजरंग शाह ने स्पोर्ट्स विलेज के सीईओ मो. शमसुद्दीन के साथ हाथ मिलाया। इसकी शुभ शुरुआत तब हुई, जब तीनों ने एसीटीएस के संयुक्त सचिव आरिफ के साथ शनिवार को रवींद्र भारती में राज्य के पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव से मुलाकात की।

टीम ने मंत्री को क्लब द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी, जिसमें कयाकिंग, बंजी लीपिंग, वॉटर राफ्टिंग,

स्कूबा डाइविंग, रॉक क्लाइम्बिंग, पैराग्लाइडिंग और पैरा जंपिंग आदि शामिल हैं।श्री कृष्ण राव ने तेलंगाना के युवाओं को साहसिक खेलों में शामिल होने और राज्य के लिए सम्मान जीतने के लिए प्रेरित करने की दिशा मेंएसीटीएस द्वारा शुरू की गई गतिविधियों की सराहना की।

एसीटीएस टीम ने मंत्री से आग्रह किया कि उन्हें पर्यटन विभाग की एक संसाधन एजेंसी के रूप में मान्यता दी जाए ताकि वे मिलकर क्लब की गतिविधियों को बढ़ावा दे सकें, जिसमें छात्रों को प्रेरित करना और उनका मार्गदर्शन करना शामिल है। उन्होंने मंत्री को यह भी बताया कि पर्यटन मंत्रालय अपने-अपने राज्यों में पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने के लिए ऐसे स्थानों पर साहसिक खेल क्लबों को भी शामिल करते हैं जो आगंतुकों के लिए किसी भी प्रकार के साहसिक खेलों में शामिल होने के लिए आदर्श हैं। श्री कृष्ण राव ने साहसिक खेलों की रोमांचक दुनिया को मान्यता देने और बढ़ावा देने के अनुरोधों को धैर्यपूर्वक सुना और सकारात्मक प्रतिक्रिया दी क्योंकि तेलंगाना में कई ऐसे स्थान हैं जो ऐसे कई विषयों के लिए आदर्श हैं। उन्होंने तेलंगाना में इको एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के अत्यधिक महत्व को रेखांकित किया। पर्यटन मंत्री ने आगामी दि. 8 से 12 जनवरी, 2025 तक स्पोर्ट्स क्लाइम्बिंग सीएम कप के लिए क्लाइम्बिंग और स्पीड बोल्डरिंग चैंपियनशिप की मेजबानी करने का निर्णय लेने के लिए एसीटीएस की सराहना की। इस बीच, एसीटीएस संस्थापक के. रंगा राव ने 18 से 30 वर्ष की आयु के युवाओं से अपना नाम दर्ज कराने का आग्रह किया। क्लब तेलंगाना के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों, पहाड़ी इलाकों, झरनों और किलों में युवाओं को साहसिक गतिविधियों का प्रशिक्षण देगा। उन्होंने कहा कि हिमालय में पर्वतारोहण गतिविधि भी एसीटीएस के एजेंडे का हिस्सा है।

करवा चौथ की पूजा करती हुईं दक्षिणांचल महिला अध्यक्षा एवं भाजपा नेता सपना गुप्ता एवं भाग्यश्री।

बन्दोला सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चिंतल स्थित काग परिवार द्वारा आयोजित संगीतादेवी, सुनितादेवी, पूजादेवी, गायत्री देवी काग के बन्दोला सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक सुंदरदेवी-मांगीलाल काग, सेमादेवी-कालुराम काग, रमादेवी-भुराराम काग, मैनादेवी-पुसाराम (रामलाल)काग।

इस अवसर पर उपस्थित भँवरलाल काग, बाबुलाल काग, भीकाराम लचेटा, नारायणलाल सोयल, मोतीलाल काग, नैनाराम, केसाराम, नेमाराम, कानाराम काग, अमित, सुरेश, हेमन्त, नरेश, दिलीप, सूरज, सुमित, मोनित काग व अन्य।

पदोन्नति के साथ बढ़ती है अधिक जिम्मेदारी : पुलिस आयुक्त

मंचेरियाल, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रामागुंडम के पुलिस आयुक्त एम. श्रीनिवास ने कहा कि पदोन्नति से जिम्मेदारी बढ़ेगी। कमिश्नरेट के अंतर्गत छह हेड कांस्टेबलों को एएसआई के रूप में पदोन्नत किया गया और कमिश्नरेट कार्यालय में पदोन्नति चिन्ह सौंपे गए।

इस मौके पर सीपी ने कहा कि पुलिस विभाग में जिन लोगों ने कड़ी मेहनत की है वे सम्मान के पात्र हैं। कर्तव्य पालन में निस्वार्थ भाव से सेवा करने की सलाह दी जाती है।

इस कार्यक्रम में एडिशनल डीसीपी राजू, एआर एसीपी प्रताप, पुलिस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बोरलाकुंटा पोचलिंगम और अन्य ने भाग लिया।

पूर्व मंत्री एवं सनतनगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव सनतनगर बस स्टैंड पर फ्रेंड्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित ग्यारवीं समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर आयोजकों ने तलसानी श्रीनिवास यादव को शॉल ओढाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बीआरएस पार्टी के नेता खलील, सुरेश गौड़, फाजिल, राजू, असलम, आयोजक अबरार, जमीर, हारून, ताज, कलीम आदि शामिल हुए।

जालसाज 8 करोड़ ठगने के आरोप में गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पुलिस ने रविवार को बताया कि एक जालसाज जो 'डबल बेडरूम घोटाले' में शामिल था, को तीन अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया गया है। उसने फ्लैट दिलाने के वादे पर कई पीड़ितों से 8 करोड़ रुपये ठगे हैं। यह योजना पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार के दौरान लागू की गई थी। एक राजनीतिक प्रतिनिधि से नजदीकी रखने वाले आरोपी को शनिवार को बोराबंडा पुलिस की एक विशेष टीम ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी जी. नरसिम्हा ने तीन अन्य लोगों के साथ मिलकर कई पीड़ितों से डबल बेडरूम फ्लैट दिलाने का वादा कर 8 करोड़ रुपये से अधिक की रकम वसूली। पुलिस ने बताया कि नरसिम्हा तीन से अधिक लोगों को डबल बेडरूम फ्लैट बेचने में सफल रहा और पिछले कई महीनों से फरार है। आरोपी की तलाश पश्चिम क्षेत्र की पुलिस को भी थी। पुलिस ने आरोपी नरसिम्हा से एक करोड़ रुपये की आयातित लग्जरी कार जब्त की है। बोराबंडा के पुलिस निरीक्षक एस. वीरशंकर ने बताया, 'हम मामले की जांच कर रहे हैं और आरोपी और उसके काम करने के तरीके के बारे में आधिकारिक तौर पर जांच पूरी होने के बाद ही पता चलेगा।'

गांदरबल में छह प्रवासी मजदूरों की गोली मारकर हत्या

उमर सरकार के बनते ही दूसरा आतंकी हमला

जम्मू, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

गांदरबल में सोनमर्ग के पास गगनगीर इलाके में जेड मोड़ सुरंग निर्माण कर रही कंपनी में कार्यरत प्रवासी मजदूरों पर रविवार की रात आतंकियों ने हमला कर दिया। हमले में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य मजदूर घायल हैं। यह वारदात शोपियां में बिहार के मजदूर अशोक चौहान के आतंकी हमले में मारे जाने के एक दिन बाद हुई है। पिछले तीन दिन में आतंकी हमले में तीन प्रवासी मजदूर मारे जा चुके हैं। हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा के सहयोगी संगठन द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है।

मध्य कश्मीर के गांदरबल में गगनगीर गुंड इलाके में आतंकियों ने सुरंग बना रही कंपनी एप्को के कर्मियों के कैंप पर पहुंचकर अंधाधुंध फायरिंग की। हमला होते ही कर्मचारियों में भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। चीख पुकार मच गई। हमले में एक डॉक्टर समेत छह लोगों की मौत हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षा बलों ने मौके पर पहुंचकर पूरे इलाके को घेर कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है ताकि हमले में शामिल आतंकियों को मार गिराया जा सके। सुरक्षा बलों के अधिकारियों ने प्रवासी मजदूरों से घटना के बारे में जानकारी हासिल की है। घटना के बाद पूरे इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है। प्रवासी मजदूरों के कैंप पर भी अतिरिक्त फोर्स की तैनाती कर दी गई है। वाहनों की तलाशी भी ली जा रही है। कश्मीर में प्रवासी मजदूर फिर आतंकियों के निशाने पर हैं। उमर अब्दुल्ला सरकार के शपथ लेने के पांच दिन के भीतर प्रवासी मजदूरों पर ये दूसरा आतंकी हमला है। इस बार तो उमर के विधानसभा हल्के गांदरबल में हुआ है। इन हमलों ने एक बार फिर कश्मीर के

अलग अलग जिलों में काम करने वाले 50 हजार से अधिक प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ये नई सरकार के लिए भी चुनौती है। मौजूदा वर्ष में कश्मीर में गैर कश्मीरियों पर ये पांचवां आतंकी हमला भी है।

ज्ञात हो कि शुक्रवार को आतंकियों ने बिहार के मजदूर की शोपियां में गोली मारकर हत्या कर दी थी। गोलियों से छलनी उसका शव सड़क किनारे पड़ा मिला था। वहीं, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैं गगनगीर में नागरिकों पर हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। मैं लोगों को आश्वस्त करता हूं कि इस घृणित कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। हमने जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सुरक्षा बलों को पूरी आजादी दी है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हमारे बहादुर जवान जमीन पर हैं और वे सुनिश्चित करेंगे कि आतंकवादियों को उनकी हरकतों की भारी कीमत चुकानी पड़े। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। दुख की इस घड़ी में पूरा देश परिवारों के साथ एकजुटता से खड़ा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'जम्मू-कश्मीर के गगनगीर में नागरिकों पर हुआ नृशंस आतंकी हमला कायरतापूर्ण घृणित कृत्य है। इस जघन्य कृत्य में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें हमारे सुरक्षा बलों की ओर से कड़ी से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा। इस अत्यंत दुख की घड़ी में, मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

हिंदुओं को कुत्ता कहने वाले मौलाना अजहरी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

गुजरात के कच्छ में हिंदुओं के खिलाफ जहर उगलने वाले मौलाना सलमान अजहरी को सुप्रीम कोर्ट ने रिहा करने के आदेश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि गुजरात पुलिस ने उसे हिरासत में लिया है, जो वैध नहीं है, ऐसे में उसे तुरंत रिहा कर दिया जाए ।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसे सलमान अजहरी की तकरीरों में ऐसा कुछ नहीं दिखा जिससे माहौल बिगड़ने की आशंका हो, ऐसे में उसकी हिरासत जारी नहीं रखी जा सकती। इसे पहले गुजरात हाई कोर्ट ने राहत देने से इन्कार कर दिया था। इसके बाद मौलाना सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। मुफ्ती सलमान

अजहरी दिसम्बर 2023- जनवरी 2024 के बीच गुजरात में कई जगह पर भड़काऊ भाषण दिए थे। उसने हिंदुओं की तुलना कुत्ते से की थी। उसके यह भाषण वायरल होने के बाद उसे पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार कर लिया था। अब उसे रिहा करने का आदेश दिया गया है।

पीएफआई के पांच सदस्यों के खिलाफ आरोप तय

जयपुर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

एनआईए मामलों की विशेष अदालत ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के पांच सदस्यों वाजिद अली, मुबारिक अली, मोहम्मद आसिफ, सादिक और सोहेल के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी, 153ए और यूएपीए एक्ट की धारा 13, 17 और 18 सहित अन्य धाराओं में आरोप तय किए हैं। पीठासीन अधिकारी एनए खान ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया।

एनआईए की ओर से अधिवक्ता स्नेहदीप ने अदालत को बताया था कि आरोपित प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के प्रशिक्षित सदस्य है। इनका मुख्य उद्देश्य देश में आतंक व हिंसक गतिविधियों को अंजाम देना और इसके लिए धन जुटाना था। संगठन से जुडे लोग हथियारों और विस्फोटकों को लेकर ट्रेनिंग कैंप आयोजित करने और विभिन्न गतिविधियों के संचालन के लिए धन जुटाने में शामिल रहे हैं। इसके साथ ही ये लोग देश में विभिन्न धार्मिक वर्गों के बीच वैमनस्यता को बढावा देने के लिए युवाओं को हिंसक तरीकों का सहारा लेने के लिए प्रेरित करते थे। गौरतलब है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 21 सितंबर, 2022 की रात देश के 15 राज्यों में पीएफआई के 93 ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई की थी। प्रकरण में एनआईए ने कोटा निवासी मुबारिक और वाजिद सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया था। प्रकरण से जुडे एक आरोपित की ओर से पूर्व में अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर अभियोजन स्वीकृति से जुडे दस्तावेज भी मांगे थे, जिसे अदालत ने गत दिनों खारिज कर दिया था।

भारतीय मीडिया को भारतीय लेंस से देखना होगा: कंचन गुप्ता

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रसार भारती के सलाहकार कंचन गुप्ता ने भारतीय संस्कृति, मूल्यों और परंपराओं को समझने पर जोर देते हुए कहा है कि भारतीय मीडिया को भारतीय लेंस से देखा जाना चाहिए।

श्री गुप्ता ने शनिवार देर शाम यहां आयोजित सेवा इंटरनेशनल के दीपउत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आज दूरदर्शन के सभी चैनल अच्छे तरीके से कार्य कर रहे हैं और उन्हें दुनिया में रैंकिंग भी मिल रही है। हमें अपने कंटेंट को समझना होगा और दर्शकों को इसके लिए तैयार करना होगा। भारत की सूचना क्रांति सकारात्मक होने वाली है और हम तकनीक के सहारे नए विषय वस्तुओं का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा, भारतीय मीडिया को भारतीय लेंस से देखा जाना चाहिए, न कि किसी और लेंस से। हमें अपनी संस्कृति, मूल्यों और परंपराओं को समझना होगा और उन्हें प्रसारित करना होगा। इस अवसर पर सेवा इंटरनेशनल के सचिव श्याम परांडे ने कहा कि किसी भी समाज के विकास में मीडिया का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है। मीडिया जो गढ़ता है, वह समझ में चर्चा का विषय बनता है और समाज उससे प्रभावित होता है। उन्होंने कहा, हमें अपने नजरिये से खबरों को देखना और समझना होगा।

सिकंदराबाद स्थित मूथ्यालम्मा मंदिर पर हमले का विरोध करने वाले हिंदू भाइयों पर पुलिस द्वारा की गई लाठीचार्ज के खिलाफ पुरानापुल के समीप तेलंगाना सरकार का पुतला फूंकते हुए भाजपा नेता ऊमा महेंद्र एवं अन्य।

उरी में एलओसी पर मुठभेड़ में मारा गया हथियारों से लैस आतंकी

श्रीनगर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में घुसपैठ रोधी अभियान के दूसरे दिन रविवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारी हथियारों से लैस एक आतंकवादी मारा गया। सेना ने बताया कि संयुक्त टीम ने भारी हथियारों से लैस एक आतंकवादी को मार गिराया और घटनास्थल से एक एके राइफल, दो एके मैगजीन, 57 एके राउंड, दो पिस्तौल, तीन पिस्तौल मैगजीन और युद्ध जैसे अन्य सामान बरामद किए।

सेना के मुताबिक यह अभियान शनिवार देर रात सामान्य क्षेत्र के कमलाकोट उरी सेक्टर में शुरू किया गया था। इससे पहले सेना ने कहा था कि घुसपैठ की संभावना के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा सामान्य क्षेत्र उरी में नियंत्रण रेखा पर संयुक्त घुसपैठ रोधी अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दी, जिसके कारण आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सतर्क सैनिकों ने प्रभावी ढंग से जवाब दिया। गोलीबारी के दौरान रविवार को भारी हथियारों से लैस एक आतंकवादी मारा गया।

कैबिनेट उप-समिति ने जीओ 317 पर रिपोर्ट सौंपी

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य सरकार द्वारा जीओ एमएस 317 पर गठित कैबिनेट उप-समिति ने रविवार को यहां मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को सीलबंद लिफाफे में अपनी रिपोर्ट सौंप दी। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा कैबिनेट उप-समिति के अध्यक्ष हैं, जबकि आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर सदस्य हैं। दामोदर राजनरसिम्हा ने एक्स पर पोस्ट किया कि कैबिनेट उप-समिति ने कर्मचारियों, शिक्षक संघों और अन्य बुद्धिजीवियों के साथ विस्तृत चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों और शिक्षकों के विचार सीधे अनुरोध के रूप में और वेबसाइट के माध्यम से समिति को प्राप्त हुए थे। इसके अलावा, वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें भी की गईं।

चार बाइक चोर गिरफ्तार

मंचेरियाल, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्रीरामपुर पुलिस ने चार ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया है जो बुरी आदतों के आदी थे और पैसे के लिए बाइक चोरी कर रहे थे। जयपुर एसीपी ए वेंकटेश्वरलू ने थाने में खुलासा किया रामागुंडम सीपी और मंचेरियाल डीसीपी के आदेशानुसार श्रीरामपुर जीएम कार्यालय में सीआई वेणुचंदर के निर्देशन में वाहनों की जांच की जा रही थी। इस दौरान चार लोग बाइक पर सवार होकर आए इनमें अजमीरा अक्षय कुमार (गोदावरीखानी), डोंटुला प्रशांत (एनटीपीसी), देवा सामल सेल्वा (गोदावारीखानी), चित्याला पृथ्वी (गोदावारीखानी) के पास वाहन के दस्तावेज नहीं होने के कारण उन्हें रोककर गहन पूछताछ की गई।

उन्नाव में नाला खुदाई के दौरान धंसी मिट्टी, तीन मजदूर दबे, दो की मौत

उन्नाव, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

यूपी के उन्नाव-रायबरेली राजमार्ग पर सिकंदरपुर कर्ण अंडरपास के नजदीग नाला निर्माण के लिए खोदी गई मिट्टी का ढेर अचानक फट कर फैल जाने से तीन श्रमिक 12 फिर गहरे नाले के अंदर दब गए। आनन-फानन तीनों को निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया जहां दो को मृत घोषित कर दिया गया। एक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है। उन्नाव-रायबरेली हाईवे पर सिकंदरपुर कर्ण के अंडर पास और सर्विस रोड के किनारे जल निकासी के लिए भूमिगत पाइप लाइन डाली जा रही है। बड़े पाइप डालने के लिए रविवार देर शाम 6:30 बजे जेसीबी से नाले की खुदाई की गई थी। इसके मिट्टी हटाने और ह्यूम पाइप डालने के काम में पीएनसी के ठेकेदार ने कई श्रमिक लगाए थे। नाले की सफाई के दौरान ही जेसीबी से खोदकर एकत्र किया गया मिट्टी का बड़ा ढेर अचानक

फट गया।

इससे नाले के अंदर काम कर रहे श्रमिकों में बहराईच जिले के थाना बदोसरांय के गांव केंतूर निवासी अवधराम वर्मा (40) पुत्र ब्रम्हा, बाराबंकी जिले के रामनगर कटियारा निवासी शिवकुमार (50) पुत्र रामनारायण चौहान और रायबरेली जिले के थाना गदागंज के तुलई लोध का पुरवा निवासी गणेश (35) पुत्र हरिश्चंद्र लोध मिट्टी में दब गए। साथी श्रमिकों ने आनन-फानन मिट्टी हटाना शुरू किया और तीनों को बाहर निकाला। इसी बीच पीएनसी से सहायक सुपरवाइजर राजेश निषाद और सुजीत कुमार भी पहुंचे और एंबुलेंस से तीनों को बीघापुर के सौ शैय्या अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने अवधराम और शिवकुमार को मृत घोषित कर दिया जबकि गणेश को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

सहायक सुपरवाइजर राजेश निषाद ने बताया कि यह तीनों श्रमिक रायबरेली के ठेकेदार अतुल सिंह की देखरेख में साल 2020 से काम कर रहे थे। परिजनों को सूचना दी गई है। थानाध्यक्ष राजकुमार ने बताया कि मिट्टी का ढेर अचानक गिरने से तीनों श्रमिक दबे हैं। दो की मौत हुई है। एक को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पीएनसी की ओर से कराए जा रहे नाला निर्माण के दौरान श्रमिकों के दबने की की घटना के बाद कस्बे के लोगों के साथ ही, राहगीरों की भीड़ लग गई। इससे हाईवे का यातायात प्रभावित होने लगा। पुलिस ने आनन-फानन सभी को वहां से हटाना शुरू किया। एंबुलेंस से तीनों श्रमिकों को अस्पताल भेजने के बाद भीड़ हटी। इस दौरान करीब एक घंटे तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। पीएनसी के प्रोजेक्ट मैनेजर अशोक कुमार तिवारी ने बताया कि श्रमिकों का पीएनसी और ठेकेदार की तरफ से भी बीमा कराया जाता है। बताया कि सभी के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। आश्रितों की हर संभव मदद दी जाएगी।

विपक्षी नेताओं के खिलाफ फर्जी मामले दर्ज करा रहे कांग्रेस नेता : भाजपा

मंचेरियाल, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा जिला अध्यक्ष रघुनाथ वेराबेली ने डीजीपी जितेंद्र से शिकायत की कि जिले में सत्तारूढ़ दल के नेता विपक्षी दल के नेताओं के खिलाफ अवैध मामले दर्ज कर रहे हैं। बताया जाता है कि सत्ताधारी दल के नेताओं के समर्थन से कुछ लोगों ने गिरोह बना लिया है और विभिन्न इलाकों में अराजकता फैला रहे हैं और कई युवाओं पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंचेरियाल में हुए हमलों से कानून-व्यवस्था को नुकसान पहुंचा है उन्होंने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 23°

एलजी मनोज सिन्हा ने कश्मीर मैराथन के विजेताओं को किया सम्मानित

श्रीनगर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को केंद्र शासित प्रदेश में पहली बार आयोजित कश्मीर मैराथन के विजेताओं को सम्मानित किया। गौरतलब है कि 42 किलोमीटर की फुल मैराथन और 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन में देश भर और 12 विदेशी देशों के 1700 से अधिक धावकों ने भाग लिया। इस दौरान अपने संबोधन में श्री सिन्हा ने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कश्मीर मैराथन की भारी सफलता के लिए पर्यटन विभाग, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सुरक्षा बलों, युवा सेवा और खेल विभाग और सभी हितधारकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, इस सफल मेगा इवेंट ने जम्मू-कश्मीर को विश्व मैराथन मानचित्र पर ला खड़ा किया है।

उन्होंने इस अवसर को जम्मू-कश्मीर के लिए एक और ऐतिहासिक क्षण बताते हुए प्रदेश के पूर्ण परिवर्तन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के निर्णायक नेतृत्व और जम्मू-कश्मीर में शांति तथा सामान्य स्थिति की बहाली ने यह सुनिश्चित किया है कि लोग अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों, फॉर्मूला-4 रेस का आनंद ले सकें और जी-20 शिखर सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जैसे वैश्विक कार्यक्रमों की मेजबानी करके गर्व महसूस कर सकें। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पर्यटकों का रिकॉर्ड आगमन जम्मू-कश्मीर में शांति, प्रगति और समृद्धि का प्रमाण है। उपराज्यपाल ने कहा कि बहुत जल्द ही जम्मू मैराथन का आयोजन कश्मीर मैराथन के समान ही किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आदर्श जलवायु, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गर्मजोशी से भरे आतिथ्य और प्राकृतिक सुंदरता के साथ, जम्मू-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में श्रीनगर और जम्मू में होने वाले प्रमुख दौड़ आयोजन दुनिया भर के धावकों को एक साथ लाएंगे और पर्यटन को बढ़ावा देंगे।

उठावना

स्व. श्रीमती संगीता देवी उपाध्याय
(धर्मपत्नी : मुरलीकिशन उपाध्याय)
स्वर्गवास शुक्रवार, दि. 18-10-2024
उठावना, आज सोमवार 21 अक्टूबर, प्रातः 10:30 बजे
स्थान : श्री सिखवाल समाज, सिकन्दराबाद में होगा।
शोकाकुल : दीपचन्द, श्रीकिशन, बिरदीचन्द, शेषमल, गोपीकिशन, लालचन्द, गोवर्धन, घनश्याम, शिवकुमार, गोवर्धन, बालकिशन, मुरलीकिशन, श्याम, राधेश्याम, जयकिशन, हरीकिशन, विशाल, पवन, राज, निलेश, नैतिक, जनक, अथर्व एवं समस्त उपाध्याय परिवार।
प्रतिष्ठान : रूपचंदजी कस्तूरजी उपाध्याय
मोंडा मार्केट, सिकन्द्राबाद. सेल : 9000511491, 9030655332

चेर्लापल्ली रेलवे टर्मिनल नवंबर के अंत तक चालू हो जाएगा

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने नए रेलवे टर्मिनल का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय कोयला और खनन मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने रविवार को घोषणा की कि 430 करोड़ रुपए में बना नवनिर्मित चेर्लापल्ली रेलवे टर्मिनल नवंबर के अंत तक यात्रियों के लिए खोल दिया जाएगा।

श्री रेड्डी ने आज निरीक्षण करने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान पुष्टि की कि रेलवे टर्मिनल का 98 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, शेष एक महीने के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने तेलंगाना में विशेषकर रेलवे, राजमार्ग और विश्वविद्यालयों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

श्री रेड्डी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आजादी के बाद से इस क्षेत्र की उपेक्षा को दूर करने के लिए रेलवे का विकास अब मिशन मोड में किया जा रहा है। उन्होंने राज्य भर में चल रहे रेलवे लाइनों के विद्युतीकरण का भी उल्लेख किया। चेर्लापल्ली के जुड़ने से, हैदराबाद में अब चार प्रमुख रेलवे टर्मिनल होंगे, जिनमें सिकंदराबाद, काचीगुडा और नामपल्ली शामिल हैं। नए टर्मिनल से मौजूदा स्टेशनों पर भार कम होने की उम्मीद है, साथ ही चेर्लापल्ली बाहरी रिंग रोड (ओआरआर) के माध्यम से सुविधाजनक पहुंच प्रदान करेगा।

मंत्री ने दोहरे टर्मिनल में 430 करोड़ रुपये के निवेश के बारे में विस्तार से बताया, जहां मालगाड़ियों सहित 20 ट्रेनें रुकेंगी। स्टेशन प्रतीक्षा कक्ष, शौचालय, एस्केलेटर, लिफ्ट और विकलांग और बुजुर्ग यात्रियों के लिए प्रावधान आदि अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। श्री रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा बढ़ाने के लिए तेलंगाना में 268 सड़कों के नीचे पुल (आरयूबी), भूमिगत पुल और 42 फुट ओवर ब्रिज का काम पूरा किया गया है।

उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त 176 रेलवे स्टेशनों पर अब हाई-स्पीड वाई-फाई और सीसीटीवी कैमरे हैं, और 86 स्थानीय उत्पाद स्टॉल स्थापित किए गए हैं। पर्यावरण को संरक्षित करने के प्रयासों में चार्लापल्ली स्टेशन के आसपास 500 पेड़ों को स्थानांतरित करना और 5,500 नए पेड़ लगाना शामिल है।

उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तेलंगाना राज्य में 40 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 715 करोड़ रुपये की लागत से सिकंदराबाद स्टेशन को विश्व स्तरीय मानकों के साथ पुनर्विकास किया जा रहा है और इसे 2025 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि स्वदेशी रूप से विकसित कवच सुरक्षा प्रणाली को तेलंगाना राज्य में रेलवे नेटवर्क पर भी स्थापित किया जा रहा है और यह ट्रेन संचालन की सुरक्षा को बढ़ाएगा।

इस अवसर पर बोलते हुए, सांसद ईटेला राजेंदर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य ने हाल के वर्षों में अभूतपूर्व बुनियादी ढांचागत विकास देखा है। उन्होंने हवाई अड्डे के समान चेरलापल्ली रेलवे स्टेशन के विकास के लिए प्रधान मंत्री और रेल मंत्रालय को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि नव विकसित स्टेशन जुड़वां शहर क्षेत्र में यात्रियों के लिए एक बड़ी सुविधा होगी और इसे एक प्रतिष्ठित दर्जा मिलेगा। इसका संचालन शुरू होने से आसपास के क्षेत्र के लोगों को काफी लाभ मिलेगा। इससे पहले, एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने नव विकसित चेरलापल्ली रेलवे स्टेशन की मुख्य विशेषताओं के बारे में मीडिया को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मौजूदा टर्मिनलों पर भीड़ को कम करने और जुड़वां शहर क्षेत्र में ट्रेन सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए शहर क्षेत्र के पूर्वी हिस्से में चेरलापल्ली स्टेशन विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि नए स्टेशन में 9 उच्च स्तरीय प्लेटफार्म, 2 फुट ओवर ब्रिज, 5 एस्केलेटर और 5 लिफ्ट उपलब्ध कराए गए हैं। इस परियोजना को वर्ष 2018 में मंजूरी मिल चुकी है और काम तेजी से चल रहा है।

इस अवसर पर दमरे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण सत्यप्रकाश, मंडल रेल प्रबंधक सिकंदराबाद भारतेश कुमार जैन और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम रेवंत ने आईएसबी छात्रों से हैदराबाद के लिए ब्रांड एंबेसडर बनने का किया आग्रह

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद, तेलंगाना और नए भारत के दृष्टिकोण के लिए इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) के छात्रों द्वारा ब्रांड एंबेसडर के रूप में निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। श्री रेड्डी ने यहां रविवार को परिसर में आयोजित आईएसबी लीडरशिप समिट 2024 में अपने मुख्य भाषण में न्यू इंडिया में लीडरशिप विषय को संबोधित किया और अपनी अंतर्दृष्टि साझा की, छात्रों से नेतृत्व में प्रमुख मूल्यों के रूप में साहस और बलिदान को अपनाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू तथा इंदिरा गांधी और कांग्रेस पार्टी के अन्य प्रमुख नेताओं ने उन्हें प्रेरणा दी, जिन्होंने महानता प्राप्त करने में जोखिम उठाने और कड़ी मेहनत के महत्व पर जोर दिया। ये नेता भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अगुआ थे और देश के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, आप युवा, बुद्धिमान और असाधारण हैं। उन्होंने छात्रों को जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों के साथ सीधे संपर्क बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सफलता प्राप्त करने के लिए सभी के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करने और समुदाय से जुड़े रहने के महत्व को रेखांकित किया।

श्री रेड्डी ने तेलंगाना के लिए अपनी महत्वाकांक्षी दृष्टि को भी रेखांकित किया, जिसमें राज्य को एक ट्रिलियन-डॉलर की जीडीपी अर्थव्यवस्था में बदलने और हैदराबाद को 600 बिलियन अमेरिकी डॉलर के वैश्विक शहर के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा।

मुख्यमंत्री ने आईएसबी छात्रों से इस संदेश को दुनिया तक ले जाने का आग्रह किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि हैदराबाद को न केवल भारतीय शहरों के साथ बल्कि न्यूयॉर्क, लंदन, पेरिस, टोक्यो और सियोल जैसे वैश्विक केंद्रों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने दक्षिण कोरिया की अपनी यात्रा से प्रेरित होकर एक कौशल विश्वविद्यालय और एक खेल विश्वविद्यालय स्थापित करने की योजना का खुलासा किया।

उन्होंने खेल उत्कृष्टता के महत्व पर जोर दिया, ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने के लिए भारत के संघर्ष पर अफसोस जताया और हैदराबाद को देश के लिए एक रोल मॉडल बनाने का अपना सपना व्यक्त किया।

श्री रेड्डी ने आईएसबी छात्रों को राज्य सरकार के साथ सहयोग करने के लिए आमंत्रित किया, उन्हें अवसर और चुनौतियां प्रदान कीं, भले ही इसका मतलब शुरुआत में उच्च वेतन के बिना काम करना हो। उन्होंने कहा, एक साथ मिलकर हम तेलंगाना और हैदराबाद को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बना सकते हैं।

सरकारी मेडिकल कॉलेज जल्द ही जिले के लोगों को उपलब्ध होगा

मंचेरियाल, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हाजीपुर मंडल के उपनगर गुडीपेट में मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य सुचारु रूप से चल रहा है। दिन और रात दोनों शिफ्ट में काम तेजी से किया जा रहा है। भवन को सभी सुविधाओं से युक्त तैयार किया जा रहा है। जबकि पिछली सरकार ने मंचिरयाल जिले को एक मेडिकल कॉलेज की मंजूरी दी थी। नेशनल मेडिकल काउंसिल (एनएमसी) की अनुमति से काम चल रहा है और यह अगले साल मार्च तक सभी सुविधाओं के साथ पूरा हो जाएगा। शिक्षण कक्षाएं, लड़के और लड़कियों के छात्रावास और प्रिंसिपल क्वार्टर भवनों पर काम किया जा रहा है। लड़कियों के छात्रावास में भूतल सहित 7 मंजिल हैं और 324 कमरों में 582 छात्राएं रह सकती हैं। जबकि लड़कों का छात्रावास भूतल के साथ 6 मंजिल का है, इसमें 240 कमरों में 414 छात्र रह सकते हैं। कॉलेज परिसर में भूतल सहित 2 मंजिल पर प्राचार्य एवं अधीक्षक आवास सहित गेस्ट हाउस का निर्माण कराया जा रहा है। कॉलेज के मुख्य भवन में लेक्चरर हॉल, विभिन्न विभागों से संबंधित 8 कमरे, 7 लैब रूम और पूर्ण सुविधाओं से युक्त कैंटीन होगी। कॉलेज के चारों ओर सशस्त्र सुरक्षा की जा रही है। डीईई रमेश ने कहा कि मेडिकल

कॉलेज का भवन मार्च तक सभी सुविधाओं से युक्त हो जाएगा। अगले मार्च तक बिल्डिंग पूरी होनी है। तीन साल के लिए एमबीबीएस कक्षाएं पिछले तीन साल से जिला केंद्र में एमबीबीएस की कक्षाएं संचालित हो रही हैं। गुडीपेट में करीब दो साल बाद मेडिकल कॉलेज की अनुमति मिलने के बाद निर्माण कार्य चल रहा है। फिलहाल अस्थायी भवन में कक्षाएं चल रही हैं, लेकिन स्थायी भवन बनने के बाद अगले शैक्षणिक वर्ष की कक्षाएं यहां शुरू होने की संभावना है। हर साल 100 सीटों के आवंटन के तहत 40 प्रतिशत लड़कों और 60 प्रतिशत लड़कियों को प्रवेश दिया जाता है। कलोजी नारायण राव स्वास्थ्य विश्वविद्यालय के तहत कक्षाएं संचालित हो रही हैं।

तेलंगाना में बिजली चमकने और तेज़ हवाओं के साथ आंधी चलने का अनुमान

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में अगले सात दिनों के दौरान कुछ स्थानों पर या अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के निर्मल जिले में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा हुई।

मौसम विज्ञान केंद्र ने रविवार को यहां जारी दैनिक मौसम रिपोर्ट में बताया कि आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, राजन्ना सिरसिल्ला, भद्राद्री कोठागुडेम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबुबाबाद और वारंगल में अगले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाओं के साथ आंधी आने चलने का अनुमान है।

जबकि हनमकोंडा, वानापर्थी, नारायणपेट, जोगुलम्बा गडवाल जिलों में बारिश होने के आसार हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसी अवधि के दौरान राज्य में कुछ स्थानों पर बारिश हुई।

झुलसी किशोरी ने तोड़ा दम, प्रेमी ने पेट्रोल छिड़ककर लगा दी थी आग

आरोपी गिरफ्तार, मुख्यमंत्री ने पुलिस को त्वरित और कड़ा दंड दिलाने के दिए निर्देश

कडप्पा, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश में शनिवार को प्रेमी द्वारा आग के हवाले की गई 16 वर्षीय किशोरी ने रविवार को यहां सरकारी अस्पताल में दम तोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी विग्नेश (22) ने किशोरी को फोन किया और उससे मिलने पर जोर दिया, क्योंकि वह शनिवार को जिले के बडवेल शहर में उससे बात करना चाहता था। इसके बाद किशोरी बडवेल शहर के बाहरी इलाके में गई, तो आरोपी उसे ऑटो रिक्शा में एक सुनसान जगह पर ले गया।

पुलिस ने इस घटना के संबंध में जानकारी देते हुए कहा, आरोपी विग्नेश ने हाल ही में एक अन्य लड़की से शादी की थी, लेकिन वह पीड़िता के साथ भी संबंध बनाए रखना चाहता था। जब पीड़िता ने इनकार कर दिया, तो आरोपी ने उसे मिलने के लिए बुलाया और धमकी दी

कि अगर वह नहीं मिलेगी तो वह आत्महत्या कर लेगा। दोनों मुख्य सड़क से लगभग दो किमी दूर पैदल पास के जंगल में चले गए। वहां विग्नेश ने उस पर पेट्रोल डाला, उसे आग लगा दी और घटनास्थल से भाग गया। राहगीरों ने उसे देखा और पुलिस को सूचित किया। इसके बाद घटना स्थल पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने पीड़िता को जीजीएच में भर्ती कराया जहां आज उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी विग्नेश को गिरफ्तार कर लिया है।

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है। इसके साथ ही, उन्होंने पुलिस अधिकारियों को तेजी से जांच पूरी करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा मिले।मुख्यमंत्री ने आज कडप्पा जिले के बुडवेल में इंटरमीडिएट की छात्रा पर पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की घटना के बारे में जानने के बाद लगातार जांच की प्रगति और घटना के बाद उसे दिए गए उपचार की निगरानी कर रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने श्री नायडू को बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने तुरंत एसपी को यह देखने का आदेश दिया कि मामले की जांच तेजी से पूरी हो और आरोपी को फास्ट ट्रैक कोर्ट में पेश किया जाए, ताकि उसे सजा मिलने में कोई देरी न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय तभी मिल सकता है, जब आरोपी को कानून के अनुसार कठोर और त्वरित सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि अपराधी को इतनी कठोर सजा दी जाए कि वह कमोबेश मृत्युदंड के बराबर हो, ताकि यह उन लोगों के लिए एक सबक हो जो भविष्य में ऐसी घटनाओं का सहारा लेने की कोशिश करते हैं।

राज्य की गृह मंत्री वांगलापुडी अनिता ने भी किशोरी की मौत पर दुख और शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि घटना के बाद जो दृश्य हुए, उससे वह बहुत दुखी हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को कठोर सजा दिलाने के लिए सभी कदम उठाए गए हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया।

किनवट-माहुर सीट से भाजपा ने भीमराव को फिर बनाया प्रत्याशी

पार्टी कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों में खुशी की लहर

किनवट, 20 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर 99 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। जारी लिस्ट के अनुसार किनवट/माहुर विधानसभा सीट के लिए फिर से विधायक भीमराव केराम की उम्मीदवारी भाजपा ने घोषित की है। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों में खुशी कि लहर दौड़ गई। विधायक भीमराव केराम का नाम घोषित होते ही सभी जमा होकर किनवट स्थित जिजामाता चौक,

छत्रपती शिवाजी महाराज चौक पर जश्न मनाया गया साथ ही मिठाई बांटी गई और पटाखे फोड़े गए। विधायक भीमराव केराम ने कहा की भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने दूसरी बार मुझ पर विश्वास जताया है और पार्टी प्रत्याशी बनाया है इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुळे और भाजपा नेताओं का आभार जताया। उन्होंने आगे कहा इस क्षेत्र में हुए विकास को लेकर मुझे विश्वास है कि इस सीट पर फिर से भाजपा की भारी वोटों से जीत दर्ज होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.